शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 332 | गुवाहाटी | मंगलवार, 2 जुलाई, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

राजस्थान : करौली में बोलेरो और ट्रक की भिड़ंत में नौ की मौत — पेज 2
कॉलेज में दाखिले के लिए कोई फीस नहीं लेती सरकार : मुख्यमंत्री — पेज 3
अपराध मुक्त राजस्थान के निर्माण के लिए नवीन कानून साबित होंगे मील... — पेज 5
रोहित और विराट के एक साथ संन्यास लेने से स्तब्ध था : शमी — पेज 7

जलमग्न काजीरंगा, जान बचाने पहाड़ियों पर जा रहे जानवर

काजीरंगा। असम में बाढ़ की स्थिति बिगड़ने पर जल स्तर बढ़ा। जिसके चलते काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान और टाइगर रिजर्व के 233 वन शिविरों में से 26 प्रतिशत से अधिक को प्रभावित हो गए। जानवर अपने को बचाने के लिए भी सुरक्षित स्थान ढूंढ रहे हैं। राज्य भर में बाढ़ की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है, लगातार बारिश के कारण कई जिले जलमग्न हो गए हैं, जिससे लाखों लोग प्रभावित हुए हैं। असम में बाढ़ के कारण वन्यजीवों के आवास का एक बड़ा हिस्सा अब जलमग्न हो गया है। जानवर अपने को बचाने के लिए भी सुरक्षित स्थान ढूंढ रहे हैं। यही कारण है कि पूर्वी कार्बी आंग्लांग जिले में दक्षिण दिशा की ओर ऊंचे स्थानों की तलाश में बड़ी संख्या में जानवर राष्ट्रीय राजमार्ग-715 को पार -शेष पृष्ठ दो पर

बाढ़ : पीएम मोदी ने सीएम हिमंत से की बात, जताई चिंता

गुवाहाटी। असम में लगातार हो रही भारी बारिश के चलते कई जगह भीषण बाढ़ आ गई है। पिछले 24 घंटे के दौरान स्थिति काफी भयावह बन गई है। बाढ़ की जद में करीब 7 जिले आ गए हैं और करीब 2.62 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। भारी बारिश और बाढ़ से विभिन्न जिलों में कई लोगों की मौत की भी खबर है। इसी बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा से फोन पर बात की और प्रभावित क्षेत्रों की जानकारी ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज सोमवार को असम के सीएम हिमंत विश्व शर्मा को फोन कर राज्य में बाढ़ की स्थिति के बारे में जानकारी ली। सीएम ने ट्वीट कर बताया कि मैंने पीएम मोदी को बताया है कि अरुणाचल प्रदेश और ऊपरी असम जिलों के कुछ हिस्सों में भारी बारिश के कारण असम इस साल बाढ़ की दूसरी लहर का सामना कर रहा है। मैंने उन्हें राज्य सरकार द्वारा किए गए राहत बचाव उपायों के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने मुझे संकट की इस घड़ी में भारत सरकार की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। वहीं, भारतीय मौसम विभाग ने सोमवार को अरुणाचल प्रदेश के लिए रेड अलर्ट जारी किया, जिसमें अगले 24 घंटों में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश और अत्यधिक भारी बारिश की संभावना जताई गई है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, असम में बाढ़ के कारण अब तक 34 लोगों मौत हो गई। धेमाजी जिले के अधिकारियों ने बताया कि एक नौ महीने का बच्चा गोगामुख राजस्व सर्कल में पानी से भरे घर में गिरने से मौत हो गई, जबकि दूसरे मामले में एक लड़का जोनाई सर्कल में डूब -शेष पृष्ठ दो पर

अरुणाचल में भूस्खलन और बाढ़ से जनजीवन प्रभावित

इटानगर (हि.स.)। पिछले कुछ दिनों से लगातार बारिश के चलते अरुणाचल प्रदेश के कई हिस्सों में भूस्खलन और बाढ़ आ गयी है, जिसके चलते आम लोगों का जनजीवन प्रभावित हुआ है। वहीं भूस्खलन के कारण सड़क धंस गई है और बाढ़ के कारण कई घर पानी में डूब गए हैं। लगातार बारिश के कारण कुरूम नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण कुरूम नदी पर बना पुल बह गया, जिसके चलते कुरुंग कूमे जिला के मुख्यालय कोलोरियांग और अन्य पांच सर्कल बीती रात से देश के बाकी हिस्सों से पूरी तरह -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

जो खुद को हिंदू कहते हैं, वही हिंसा-हिंसा करते हैं : राहुल गांधी

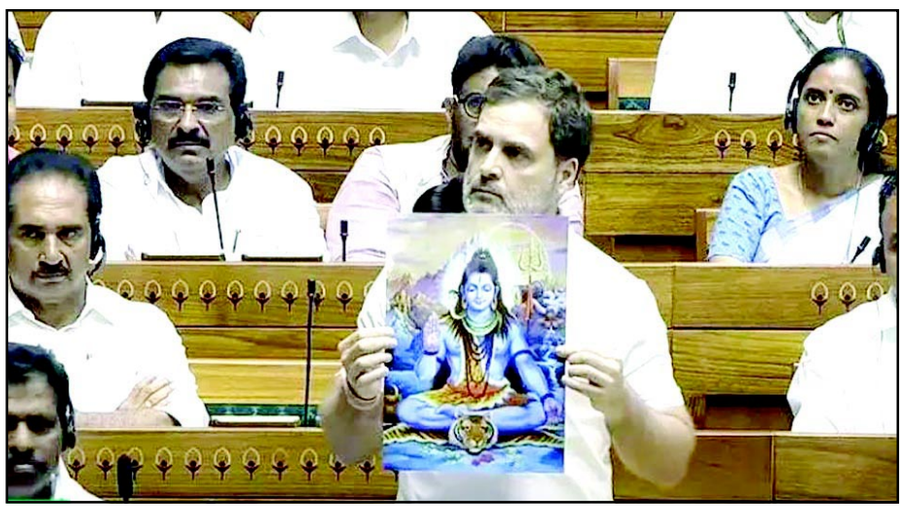

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार (1 जुलाई) को संसद सत्र के बीच विवादित बयान देकर हिंदू समाज में आक्रोश पैदा कर दिया है। राष्ट्रपति के अभिभाषण को लेकर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान अपने संबोधन में राहुल ने हिंदू घृणा के लिए भगवान शिव का इस्तेमाल किया। संसद में राहुल गांधी ने भगवान शिव की तस्वीर दिखाते हुए हिंदुओं के साथ *अभय मुद्रा* का भी मजाक उड़ाया। उन्होंने कहा कि ये देश अहिंसा का देश है, डर का देश नहीं है। हमारे सारे महापुरुषों ने अहिंसा की बात की, डर मिटाने की बात की- डरो मत, डराओ मत। शिवजी भी यही कहते हैं, अभयमुद्रा दिखाते हैं। अहिंसा की बात करते हैं। त्रिशूल को जमीन में गाड़ देते हैं। और जो लोग खुद को हिंदू कहते हैं वो 24 घंटे हिंसा-हिंसा-हिंसा, नफरत-नफरत-नफरत, असत्य-असत्य-असत्य करते हैं। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष लगातार अभय मुद्रा के नाम पर अपनी हथेली दिखाते रहे। लोकसभा में राहुल गांधी के हिंदुओं पर नफरती बयान देने के बाद भाजपा सांसदों ने हंगामा कर दिया। नेता प्रतिपक्ष की यह बात सुन प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी खुद को नहीं रोक पाए और इस मामले में हस्तक्षेप किया। पीएम मोदी अचानक अपनी सीट से उठे और राहुल को करारा जवाब देते हुए कहा कि पूरे हिंदू समाज को हिंसक कहना गंभीर विषय है। वहीं, गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि राहुल ने हिंदुओं का अपमान किया है। उन्हें सभी हिंदुओं को हिंसक बताने वाले अपने बयान के लिए माफी मांगनी चाहिए। गृहमंत्री अमित शाह ने लोकसभा में कहा कि करोड़ों लोग हिंदू होने पर गर्व करते हैं और राहुल गांधी सोचते हैं कि वे सभी हिंसक हैं। हालांकि, इसके बाद भी कांग्रेस नेता अपने बयान पर कायम रहे और उन्होंने अपने विवादित बयान के लिए हिंदू समाज से माफी नहीं मांगी, बल्कि खुद को सही ठहराते हुए प्रधानमंत्री मोदी, भाजपा और आरएसएस को नफरत फैलाने वाला और हिंसक बताने लगे। राहुल यही नहीं रुके उन्होंने आगे कहा कि हिंदू कभी डर और नफरत नहीं फैला सकते, लेकिन भाजपा दिन-रात डर और नफरत फैलाती है। वहीं, कांग्रेस नेता ने यह भी आरोप लगाया है कि उनका माइक बंद कर दिया जाता है। इस पर लोकसभा अध्यक्ष ने उनको सभापति की मंशा पर संदेह जताने के लिए फटकार लगाई और कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

आज भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली का विशेष दिन : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि आज भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली के लिए एक विशेष दिन है। 164 साल पुरानी औपनिवेशिक कानूनी व्यवस्था को हटाकर भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम आज से लागू हो गए हैं। इसके साथ ही हमारे गणतंत्र ने आधुनिक तकनीक और नागरिक केंद्रित सेवाओं पर आधारित एक नई व्यवस्था में प्रवेश किया है। ये कानून महिलाओं, बच्चों और वंचितों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं। पिछले कुछ महीनों में, टीम असम ने नए कानूनों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए व्यापक तैयारी की है। पुलिस, सरकारी कर्मचारियों, वकीलों, नागरिक समाज और न्यायपालिका के सदस्यों सहित सभी हितधारकों से यह एक ईमानदार अपील है कि वे हमारे साथ सहयोग करें, ताकि हम सामूहिक रूप से इन कानूनों के बुनियादी उद्देश्य के कार्यान्वयन को -शेष पृष्ठ दो पर

मेरा भाई हिंदुओं का अपमान नहीं कर सकता : प्रियंका

नई दिल्ली। लोकसभा में अपने भाई की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि राहुल गांधी हिंदुओं का अपमान नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता आम तौर पर हिंदुओं के बारे में नहीं, बल्कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के बारे में बात कर रहे हैं। प्रियंका गांधी ने अपनी मां सोनिया गांधी के साथ संसद भवन से बाहर निकलते हुए कहा कि वह हिंदुओं का अपमान नहीं कर सकते। उन्होंने भाजपा -शेष पृष्ठ दो पर

पूरे हिंदू समाज को हिंसक कहना गंभीर : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली (हि.स.)। लोक सभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को कहा कि खुद को हिंदू कहने वाले असल में हिंदू नहीं हैं। खुद को हिंदू कहने वाले सत्य और अहिंसा का पालन नहीं करते हैं। इस पर सत्ता पक्ष की ओर से विरोध किया गया। स्वयं नेता सदन और प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पूरे समाज को, हिंदू समाज को हिंसक कहना बड़ा गंभीर मुद्दा है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा में भाग लिया। नेता प्रतिपक्ष के तौर पर अपने पहले भाषण में कांग्रेस नेता राहुल ने विभिन्न धर्मों के महापुरुषों -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

जो मनुष्य अपने क्रोध को अपने ही ऊपर झेल लेता है, वह दूसरों के क्रोध से बच जाता है।
— सुकरात

न्यूज गैलरी

एक ही परिवार के पांच लोग झरने में बहे, तीन शव बरामद

मुंबई। मुंबई से सटे लोनावाला में छुट्टियां मनाने गए एक पूरा परिवार खत्म हो गया। मानसून की छुट्टियां मनाने लोनावला आए परिवार के 5 सदस्य वॉटर फाल में बह गए हैं। ये वॉटर फाल भूसी बांध के पीछे एक पहाड़ी पर बना हुआ था। इसे रेलवे का झरना भी -शेष पृष्ठ दो पर

नए आपराधिक कानूनों को राजनीतिक रंग देना ठीक नहीं : शाह

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को विपक्ष के इन आरोपों को कि तीनों नए आपराधिक कानून बिना चर्चा के पारित कर दिए गए, इसे पूरी तरह से खारिज करते हुए कहा कि इन्हें राजनीतिक रंग देना ठीक नहीं है। संसदीय शौध में केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने आज नए आपराधिक कानूनों पर पत्रकारवार्ता की। इसमें उन्होंने कहा कि करीब चार साल के विमर्श के -शेष पृष्ठ दो पर

देश के लिए खून बहाने वालों को अपना आदर्श मानना चाहिए : भागवत

गाजीपुर (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ(आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहनराव भागवत ने सोमवार को धामूपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में *मेरे पापा परमवीर* पुस्तक का लोकार्पण किया। परमवीर चक्र विजेता वीर अब्दुल हमीद के जीवन पर आधारित इस पुस्तक को डॉ.रामचंद्रन श्री निवासन ने लिखी है। सरसंघचालक अपने एक दिवसीय दौरे पर परमवीर चक्र विजेता वीर अब्दुल हमीद के गांव धामूपुर पहुंचे थे। यह कार्यक्रम वीर अब्दुल हमीद के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित की गई है। उनके और उनकी पत्नी रसूलन बीबी के मूर्ति पर सर्वप्रथम माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस मौके पर डॉ. भागवत ने कैप्टन मकसूद गाजीपुरी द्वारा लिखित -शेष पृष्ठ दो पर

तेजपुर में जीएसटी पर बैठक आयोजित

करदाताओं के हितों की रक्षा करना वर्तमान सरकार की हमेशा प्राथमिकता रही है : सिंघल

तेजपुर। आवास और शहरी मामलों के मंत्री अशोक सिंघल और वित्त मंत्री अजंता नेउग की कैबिनेट समिति ने आज माल और सेवा कर (जीएसटी) के मुद्दे पर मध्य असम के कई जिलों के व्यापार और व्यापार संघों के साथ बैठक की। व्यापार संघों के प्रतिनिधियों ने दोनों मंत्रियों को जीएसटी के तहत नोटिस जारी करने में आने वाली कठिनाइयों के बारे में जानकारी दी और कर भुगतान प्रणाली को सरल बनाने सहित कई सुझाव दिए। अपने संबोधन में मंत्री सिंघल ने कहा कि करदाताओं के हितों की रक्षा वर्तमान सरकार की सदैव प्राथमिकता रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हमेशा व्यापारियों के साथ रही है और करों के भुगतान सहित विभिन्न क्षेत्रों में व्यापारियों के सामने -शेष पृष्ठ दो पर

ओम बिरला ने कांग्रेस सांसद को पढ़ाया संस्कारों का पाठ

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आज दावा किया कि अध्यक्ष ओम बिरला जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिले तो झुककर अभिवादन किया, लेकिन उनसे सीधे खड़े होकर हाथ मिलाया, इस पर लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि वह संस्कारों और संस्कृति का पालन करते हैं। राष्ट्रपति अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर सदन में हो रही चर्चा में भाग लेते हुए राहुल गांधी ने लोकसभा अध्यक्ष के निर्वाचन के दिन का उल्लेख करते हुए कहा कि मैंने एक चीज महसूस की। जब मैंने आपसे -शेष पृष्ठ दो पर

जिंदा उइगर मुस्लिमों के अंग निकाल कर बेच रहा चीन : रिपोर्ट

बीजिंग। एक रिपोर्ट में चीन की काली करतूतों का खौफनाक खुलासा किया गया है। रिपोर्ट में दावा किया गया कि चीन अंग प्रत्यारोपण की उच्च मांग को पूरा करने के लिए अपने मुस्लिम उइगर नागरिकों के अंग निकाल कर बेच रहा है। जानकारी के अनुसार चीन पर लंबे समय से अपने अल्पसंख्यकों से अंग निकालने का आरोप लगाया जाता रहा है क्योंकि यह अवैध रूप से दुनिया के सबसे बड़े अंग प्रत्यारोपण कार्यक्रमों में से एक चलाता है। इन अंगों का आधिकारिक स्रोत मृत्युदंड की सजा पाए कैदी रहे हैं, लेकिन पृष्ठभूमि में अवैध रूप से एक बड़ा हिस्सा उन लोगों से आता है जो अपनी राजनीतिक या धार्मिक मान्यताओं के आधार पर जेल में बंद हैं। इनमें मुख्य रूप से झिंजियांग के उइगर मुसलमान और चीन के स्थानीय धार्मिक संप्रदाय फालुन गोंग का अभ्यास करने वाले लोग शामिल हैं। कई मानवाधिकार निगरानी समूहों ने अतीत में चीन पर उइगरों और फालुन गोंग अभ्यासियों के खिलाफ भयानक अपराधों का आरोप लगाया है और जबरन अंग निकालना उनमें से एक है। मार्च 2024 में, एक अमेरिकी कांग्रेस समिति की बैठक के दौरान, एक रिपोर्ट पेश की गई जिसमें दावा किया गया कि चीन खाड़ी देशों के मूल निवासी मुस्लिम चिकित्सा पर्यटकों से आने वाले अंग प्रत्यारोपण की उच्च मांग को पूरा करने के लिए -शेष पृष्ठ दो पर

फ्रांस चुनाव : पहले दौर में राष्ट्रपति मैक्रोन की हार के बाद दंगे शुरू

पेरिस। फ्रांस में चुनाव के पहले दौर में राष्ट्रपति मैक्रोन की हार व दक्षिणपंथी राजनीतिज्ञ मरीन ले पेन के जीत हासिल करने के तुरंत बाद मुसलमानों ने दंगे शुरू कर दिए, अल्लाहु अकबर का नारा लगाते हुए सार्वजनिक संपत्तियों को जलाना शुरू कर दिया। उनमें से ज्यादातर अवैध अप्रवासी हैं जिन्हें फ्रांसीसी वामपंथी पार्टी ने स्वीकार किया है। कट्टर दक्षिणपंथी नेता मरीन ले पेन के शिष्य जॉर्डन बार्डेला ने पिछले सप्ताह चुनाव-पूर्व बहस के दौरान घोषणा की कि फ्रांस *मैक्रोनवाद के सात वर्षों* से थक चुका है।कल रात संसदीय चुनावों के पहले दौर के नतीजों से पता चलता है कि वह सही थे। आंतरिक मंत्रालय के अनुसार, ले पेन और बार्डेला की नेशनल रैली (आरएन) पार्टी ने लगभग 33 फीसदी वोट जीते, जबकि वामपंथी न्यू पॉपुलर फ्रंट गठबंधन को 28 फीसदी वोट मिले - जबकि -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

राजस्थान : करौली में बोलेरो और ट्रक की भिड़ंत में नौ की मौत

करौली (हि.स.)। करौली में करौली-मंडारायल मार्ग स्थित डूंडापुरा मोड़ के पास सोमवार शाम करीब पांच बजे बोलेरो और ट्रक की भिड़ंत में दो बच्चों व छह महिलाओं समेत नौ लोगों की मौत हो गई। बोलेरो सवार चार लोग घायल हैं। गाड़ी में 13 लोग सवार थे। जिला पुलिस अधीक्षक ब्रजेश ज्योति उपाध्याय के अनुसार करौली-मंडरायल मार्ग स्थित डूंडापुरा मोड़ के पास तेज रफ्तार कार और ट्रक की आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसे में कार का आगे का हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार वाहन के अनियंत्रित होने से हादसा हुआ है। सभी घायलों को करौली जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने नौ लोगों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों में से सात लोग मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले के रहने वाले थे। घायलों में भी दो लोग श्योपुर के हैं। वहीं 02 मृतक राजस्थान के करौली जिले के खिरकन गांव के रहने वाले थे। खिरकन निवासी एक बच्ची सहित दो लोग घायल हैं। गंभीर रूप से घायल एक महिला, एक युवक और एक बालिका को जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में रेफर किया गया है। वहीं एक तीन वर्षीय बच्ची का करौली के जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है। हादसे की सूचना मिलते ही कलेक्टर नीलाभ सक्सेना और एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय दुर्घटना स्थल पहुंचे। उन्होंने राहत और बचाव कार्यों की जानकारी ली। पुलिस के अनुसार मध्य प्रदेश के श्योपुर के रहने वाले लोगों ने कुछ दिन पहले ही सेकेंड हैंड बोलेरो खरीदी थी। वे करौली जिले के खिरकन गांव से अपने रिश्तेदारों को लेकर कैला देवी के दर्शन करने गए थे। बोलेरो का पूजन कराने के बाद खिरकन गांव लौट रहे थे। इसी दौरान हादसा हो गया। हादसे में करौली जिले के सपोटरा के खिरकन गांव निवासी कटोरी (65) पत्नी बृजमोहन और रंजीत उर्फ टिल्लू (12) पुत्र बारेलाल मीणा की मौत हुई। वहीं खिरकन गांव निवासी घायल मुस्कान (16) और रंजीत (28) को जयपुर के एसएमएस अस्पताल रेफर किया गया है। गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कलेक्टर नीलाभ सक्सेना से फोन पर बात कर घटनाक्रम की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को संवेदनशीलता के साथ घायलों का इलाज कराने के निर्देश दिए।

टी20 विश्वकप में भारत की जीत पर डाक विभाग ने जारी किया विशेष कवर

कोलकाता (हि.स.)। डाक विभाग के पश्चिम बंगाल सर्किल ने सोमवार को आईसीसी (पुरुष) टी20 विश्व कप, 2024 में भारत की जीत के मौके पर एक विशेष कवर जारी किया। विशेष कवर श्री नीरज कुमार, मुख्य पोस्टमास्टर जनरल, पश्चिम बंगाल सर्किल द्वारा योगायोग भवन, कोलकाता में भारतीय क्रिकेट की भावना का जश्न मनाते हुए एक रंगारंग समारोह में जारी किया गया। इस कवर में लिखा है कि आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप, 2024 में भारत की जीत क्रिकेट के इतिहास में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, जो वैश्विक मंच पर टीम की असाधारण प्रतिभा, दृढ़ता और खेल कौशल को प्रदर्शित करती है, जहां टीम इंडिया पूरे टूर्नामेंट में अपराजित रही है। इस महत्वपूर्ण अवसर के सम्मान में, विशेष कवर इस जीत के सार को दर्शाता है। इस कार्यक्रम में बोलते हुए, नीरज कुमार ने इस विशेष कवर के जारी होने के माध्यम से राष्ट्र की उपलब्धियों और महत्वपूर्ण कार्य के रूप में फिलैटली (डाक-टिकट संग्रहण) की भूमिका पर प्रकाश डाला। डाक विभाग हमेशा से ही ओलंपिक खेलों, राष्ट्रमंडल खेलों आदि जैसे स्मारक डाक टिकटों और विशेष कवरों को जारी करके खेल के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियों को मनाने में सहायक रहा है। उन्होंने कहा कि आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप, 2024 में भारत की जीत पर यह विशेष कवर फिलैटली और खेल प्रेमियों से प्रशंसा प्राप्त करेगा और उनके मूल्यवान संग्रह का हिस्सा होगा। विशेष कवर में अद्वितीय डिजाइन तत्व हैं जो राष्ट्रीय गौरव के प्रतीकों के साथ टी20 क्रिकेट की गतिशीलता और उत्साह को दर्शाते हैं।

बिहार के पर्यटन मंत्री नीतीश मिश्रा ने कहा-

पहले आकर निवेश करिए बिहार बदल गया है

कोलकाता (हि.स.)। बिहार के उद्योग और पर्यटन मंत्री नीतीश मिश्रा ने सोमवार को कोलकाता में एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित किया। यहां बिहार बिजनेस कांफ्रेंस 2024 के नाम से आयोजित परिचर्चा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बिहार के बारे में एक ऐसी इमेज बना दी गई है कि वहां इन्वेस्टमेंट नहीं किया जा सकता अथवा उद्योगों को सुरक्षा नहीं है। लेकिन ऐसा नहीं है। बिहार के बारे में कोई भी राय बनाने से पहले बिहार में आकर निवेश करना चाहिए। तभी सच्चाई को समझ सकेंगे। हालांकि पिछले पांच सालों में बिहार में कितने का निवेश हुआ है या किन-किन कंपनियों ने निवेश किया है इस बारे में उनके पास कोई उत्तर नहीं था। मंत्री ने कहा कि बिहार की आबादी 14 करोड़ है और आसपास के राज्यों के साथ ही भूटान के बाजार तक भी पहुंच आसान होगी। उन्होंने कहा कि इसके लिए बिहार सरकार ने सिंगल विंडो सिस्टम शुरू की है। उन्होंने औद्योगिक जगत से बिहार में आकर निवेश करने का आह्वान किया और कहा कि बिहार सरकार उन्हें हर एक सुविधा देगी।

अपहरण के आरोप में युवा कांग्रेस महासचिव गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश युवा कांग्रेस के महासचिव शमीम सरकार को गुवाहाटी की भांगागढ़ पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने सोमवार को बताया कि उनपर एक लड़की का अपहरण करने का आरोप है। अपहृत लड़की को चापर से बचा लिया गया है। गिरफ्तार शमीम पर युवती को प्रेम के जाल में फंसाकर उसको अगवा करने का आरोप लगा है। पहले भी सरकार पर नौकरी के नाम पर बेरोजगारों से पैसा वसूलने का आरोप लगा था। इसके लिए उसे सार्वजनिक रूप से महिलाओं द्वारा पकड़ा भी गया था।

वृद्ध व्यक्ति का शव बरामद

कामरूप (हिंस)। कामरूप (ग्रामीण) जिले के रंगिया रेलवे स्टेशन से एक वृद्ध व्यक्ति का शव बरामद किए जाने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने सोमवार को बताया कि रंगिया रेलवे स्टेशन के लिफ्ट के नीचे एक वृद्ध व्यक्ति (55) का शव देखे जाने की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने मृत व्यक्ति का शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के अस्पताल भेज दिया है। मृतक पीला और सफेद रंग का हाफ शर्ट और खाकी रंग का फुल पैंट पान रखा था।

सीजीएसटी के अधिकारी को सीबीआई ने किया गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी में सीबीआई द्वारा की गई एक छापामारी में रिश्वत मांगने के आरोप में आईआरएस अधिकारी तथा सीजीएसटी के अतिरिक्त आयुक्त एमएस राव के साथ ही एक अन्य बिचौलिए को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आईआरएस अधिकारी ने रेलवे के कांट्रैक्ट बिल के एवज में रिश्वत मांगी थे। उन्होंने दलालों के जरिए तीन लाख 83 हजार रुपए की कथित मांग की थी। इसके लिए 48 लाख 43 हजार रुपए का डिमांड ड्राफ्ट तैयार किया गया था। यह बिल डिब्रूगढ़ के अतिरिक्त आयुक्त के माध्यम से तैयार किया गया था।

पृष्ठ एक का शेष

जलमग्न काजीरंगा, जान ...

करने लगे हैं। हालांकि, बाढ़ या राजमार्ग पार करते समय दुर्घटनाओं के कारण अब तक किसी जानवर की मौत की सूचना नहीं मिली है। असम में बाढ़ की एक रिपोर्ट के अनुसार काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान और टाइगर रिजर्व में कुल 61 वन शिविर बाढ़ के पानी में डूब गए हैं। इसमें कहा गया है कि अगोराटोली रेंज में 22, काजीरंगा में 10, बागोरी में आठ, बुढ़ापहाड़ रेंज में पांच और बोकाखाट में छह शिविर जलमग्न हैं। रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रीय उद्यान के विश्वनाथ वन्यजीव प्रभाग में 10 वन शिविर जलमग्न हो चुके हैं। काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान (केएनपी) से गुजरने वाले एनएच-715 को पार करने वाले जानवरों की सुरक्षा के लिए सीआरपीसी की धारा 144 के तहत जानवरों की सुरक्षा के लिए गोलाघाट जिला प्रशासन ने रविवार शाम को एहतियाती आदेश जारी किया। गोलाघाट के जिला मजिस्ट्रेट विवेक श्याम पंग्योक ने कहा कि राजमार्ग पर भारी यातायात होता है। उन्होंने कहा कि सक्रिय बाढ़ के दौरान वाहनों का चलने से जोखिम की संभावनाएं अधिक होती हैं। खासतौर पर जंगली जानवरों के लिए आसन्न खतरे का कारण बनता है। उन्होंने कहा कि जानवर कार्बी आंग्लांग स्वायत्त परिषद के अंतर्गत आने वाले आश्रय के लिए पहाड़ियों पर अस्थायी रूप से प्रवास करने के लिए गलियारों का उपयोग करते हैं। इसके बाद सोमवार से केएनपी से गुजरने वाले एनएच-715 पर यातायात प्रबंधन के लिए आदेशों का एक सेट जारी किया गया है। इसमें कहा गया है कि किसी भी वाणिज्यिक वाहन को काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान से गुजरने की अनुमति नहीं दी जाएगी। केवल निजी वाहन ही दिन के समय विनियमित गति से चलेंगे। इसमें कहा गया है कि रात के समय केवल स्थानीय निजी वाहनों को ही केएनपी पार करने की अनुमति होगी। आदेश में वाणिज्यिक और निजी दोनों तरह के वाहनों के लिए विभिन्न यातायात डायवर्जन बिंदुओं का भी उल्लेख किया गया है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को असम में मौजूदा बाढ़ की स्थिति के बारे में जानकारी ली। संकट से निपटने के लिए हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया।

बाढ़ : पीएम मोदी ने ...

गया। असम में 44 से अधिक राहत शिविर लगाए हैं, जिनमें 25,000 से अधिक बाढ़ प्रभावित लोग शरण ले रहे हैं। केंद्रीय जल आयोग द्वारा दिए गए आंकड़ों के अनुसार एएसडीएमए ने बताया, ब्रह्मपुत्र (डिब्रूगढ़ और निमातीघाट), दिक्हो (शिवसागर), जिया-भराली (एनटी रोड क्रॉसिंग), बेकी (रोड ब्रिज) और कुशियारा (करीमगंज) सहित कई नदियां खतरे के स्तर से ऊपर बह रही हैं। मीडियो रिपोर्ट्स के अनुसार, असम के कामरूप, करीमगंज, तिनसुकिया, गोलाघाट, धेमाजी, माजुली, कछार, लखीमपुर, डिब्रूगढ़, शिवसागर, कोकराझार और जोरहाट जिलों में करीब 2.62 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। जिसमें राज्य में धेमाजी जिला सबसे ज्यादा बाढ़ से प्रभावित हुआ है। अधिकारियों के अनुसार, धेमाजी जिले में 69,252 लोग प्रभावित हुए हैं, इसके बाद दक्षिण असम में कछार जिला है, जहां 61,895 लोग प्रभावित हुए हैं। एएसडीएमए ने बताया कि रविवार को एनडीआरएफ और एसडीआरएफ सहित आपदा प्रबंधन एजेंसियों द्वारा 323 व्यक्तियों को निकाला गया। आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पंद्रह चिकित्सा टीमें तैनात की गई हैं।

अरुणाचल में भूस्खलन...

से कट गया है। वहीं वेस्ट कामेंग जिला के भालूकगों और बोमडिला को जोड़ने वाला मुख्य सडक भूस्खलन के कारण बंद हो गया है। सड़क के बंद हो जाने से यातायात पूरी तरह से रुक गया है। पापूम पारे और पाके केसांग के बीच पाके व्यू पाइंट सड़क में भूस्खलन के चलते सड़क बंद हो गई है जिसके चलते ईस्ट कमिंग जिला पाके केसांग जिला भी देश के बाकी हिस्सों से कट गया है। राजधानी इटानगर के डिवीजन 4 सड़क में भूस्खलन के चलते सड़क बंद हो गई है। सूत्रों के अनुसार इस भूस्खलन में एक गाड़ी मलवे दब गई है। हालांकि, किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं मिली। जबकि, तेजू जिला और लोवर दिवांग वैली जिला के रोईंग को जोड़ने वाली सड़क पर बने पुल का आधा हिस्सा धंस जाने से सड़क का कट गई है। जिसके चलते रोइंग का भी देश के बाकी हिस्सों से संपर्क कट गया है। इस बीच कामिंग जिला मुख्यालय शहर में भी लगातार बारिश के चलते बढ़ आ गई है जिसके चलते कई घरों में बाढ़ का पानी घुस गया है।

जो खुद को हिंदू ...

उनका माइक कभी बंद नहीं किया गया। आपको बता दें कि भारतीय दंड संहिता की धारा 295ए के मुताबिक, अगर कोई व्यक्ति भारतीय समाज के किसी भी वर्ग के धर्म या धार्मिक भावनाओं को आहत करने के इरादे से जानबूझकर और दुर्भावनापूर्ण कार्य करने या इससे संबंधित बयान का दोषी माना गया है। इस मामले में दोषी पाए जाने पर व्यक्ति को दो साल या अधिकतम तीन साल की सजा और जुमने का प्रावधान है। गंभीर अपराध की स्थिति में दोषी पर सजा और जुर्माना दोनों लगाए जा सकते हैं। ऐसे में राहुल गांधी पर भी लोकसभा में हिंदू समाज को हिंसक बताने के लिए उन पर कार्रवाई होनी चाहिए। क्या उनके इस हिंदू विरोधी बयान ने एक बार फिर उनकी हिंदुओं के प्रति घृणा को उजागर कर दिया है? क्या वह केवल वोट बैंक के लिए ही हिंदुओं का इस्तेमाल करते हैं? चुनाव के दौरान मंदिरों में जाकर हिंदुओं का दिल जीतने की कोशिश करते हैं? राहुल गांधी को न केवल हिंदुओं के खिलाफ विवादित बयान देने के लिए माफी मोगनी चाहिए, बल्कि उन पर कड़ी कार्रवाई भी की जानी चाहिए। ताकि फिर से संसद में कोई नेता किसी के धर्म पर विवादित बयान देने की हिमाकत न कर सके।

आज भारत की ...

सुनिश्चित कर सकें। उपरोक्त बातें मुख्यमंत्री ने सोमवार को सोशल मीडिया के जरिए कहीं। उधर नए कानून के लागू होने के बाद से कांग्रेस लगातार इसका विरोध कर रही है। इस कानून को लेकर असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने बताया कि राज्य (असम) ने इस दिन के लिए व्यापक तैयारी की है। इसी के साथ उन्होंने सभी पक्षों से इस प्रयास में सहयोग करने की अपील भी की। बता दें कि आज से इस नए कानून ने ब्रिटिश काल के भारतीय दंड संहिता आपराधिक प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह ले ली। असम मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर नए आपराधिक कानून को लेकर एक पोस्ट किया। उन्होंने कहा कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) ने ब्रिटिश काल के भारतीय दंड संहिता आपराधिक प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह ले ली। असम सीएम ने आगे कहा कि आज का दिन भारतीय आपराधिक प्रणाली में एक ऐतिहासिक क्षण है। इसी के साथ हमारा गणतंत्र अब आधुनिक तकनीक और नागरिक केंद्रित सेवाओं पर आधारित एक नई प्रणाली में प्रवेश कर चुका है। उन्होंने जोर देकर कहा कि नए कानून महिलाओं, बच्चों और वंचितों को प्राथमिकता देगा। सीएम शर्मा ने कहा कि पिछले कई महीनों से नए कानून को प्रभाव ढंग से लागू करने की दिशा में टीम असम ने व्यापक तैयारी की है। हिमंत विश्व शर्मा ने पुलिस, वकील, सिविल सेवक, नागरिकों समेत सभी हितधारकों से सरकार के साथ सहयोग करने की अपील की। बता दें कि सोमवार से अब सभी नई एफआईआर बीएनएस के तहत दर्ज की जाएंगी। हालांकि, इससे पहले दर्ज किए गए मामलो की सुनवाई पूराने नियम के तहत जारी रहेगी।

मेरा भाई हिंदुओं ...

के बारे में बात की, उन्होंने भाजपा नेताओं के बारे में बात की। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आज लोकसभा में कहा कि जो लोग खुद को हिंदू कहते हैं वे चौबीसों घंटे *हिंसा और नफरत* में लगे रहते हैं, जिसके बाद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के सांसदों ने बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि सभी धर्म और हमारे सभी महापुरुष अहिंसा और निर्भयता की बात करते हैं, लेकिन जो खुद को हिंदू कहते हैं वे केवल हिंसा, नफरत और झूठ की बात करते हैं... आप हिंदू हैं नहीं। सत्ता पक्ष के शोर-शराबे के बाद गांधी ने कहा कि वह भाजपा के बारे में बोल रहे थे। कांग्रेस नेता ने भगवान शिव की तस्वीर भी उठाई और कहा कि उनका संदेश निर्भयता और अहिंसा के बारे में है। उनकी टिप्पणी के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खड़े हुए और उनकी टिप्पणी पर आपत्ति जताई। पीएम मोदी ने कहा कि पूरे हिंदू समुदाय को हिंसक कहना बहुत गंभीर मामला है। गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस नेता से माफी की मांग की।

पूरे हिंदू समाज ...

और प्रतीकों की तस्वीर को आगे रखा। उन्होंने कहा कि सभी धर्मों में अहिंसा और सत्य की बात कही गई है और कांग्रेस पार्टी व विपक्ष इन्हीं प्रतीकों पर आधारित अभय की बात करती है। उन्होंने सत्ता पक्ष की ओर इशारा करते हुए कहा कि खुद को हिंदू कहने वाले असल में हिंदू नहीं हैं। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हस्तक्षेप किया। प्रधानमंत्री मोदी के हस्तक्षेप के बाद गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि शोर-शराबा करके विपक्ष इतने बड़े वाक्य को छिपा नहीं सकता है। राहुल ने कहा कि अपने को हिंदू कहने वाले हिंसा करते हैं। देश के करोड़ों लोग गर्व से खुद को हिंदू कहते हैं। हिंसा को धर्म की भावना से जोड़ना गलत है। उन्हें अपने इस बयान के लिए माफी मांगनी चाहिए। राहुल गांधी अभय की बात करते हैं। आपातकाल में क्या हुआ, दिल्ली में हजारों सिखों का कत्लेआम हुआ। इस पर राहुल गांधी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी पूरा हिंदू समाज नहीं है। उन्होंने पूछा कि अयोध्या की धरती पर, भगवान राम की धरती पर भाजपा क्यों नहीं जीती।

ओम बिरला ने ...

हाथ मिलाया तो आप सीधे खड़े रहे और मुझसे हाथ मिलाया। जब मोदीजी ने आपसे हाथ मिलाया तो आपने झुककर उनसे हाथ मिलाया। इस पर सत्तापक्ष के सदस्यों ने कहा कि यह आसन का अपमान है। बिरला ने कहा कि प्रधानमंत्री सदन के नेता हैं। सार्वजनिक जीवन में और व्यक्तिगत जीवन में हमारे संस्कार हैं कि अपने से किसी बड़े से मिलें तो झुककर सम्मान करें, वहीं अपने समान लोगों या उम्र में छोटे लोगों से बराबर से मिलें। मैं इस संस्कृति और संस्कारों का पालन करता हूं। उन्होंने कहा कि यह बात मैं आसन से कह सकता हूं। मेरी संस्कृति है कि बड़ों का झुककर सम्मान करें और जरूरत पड़े तो पैर भी छूएं राहुल गांधी ने अध्यक्ष बिरला से कहा कि वह उनकी बात का सम्मान करते हैं। उन्होंने कहा कि लेकिन इस सदन में आपसे बड़ा कोई नहीं है। यहां आपकी बात आखिरी बात होती है। आप जो कहते हैं, वह भारतीय लोकतंत्र को परिभाषित करता है। इस आसन पर दो लोग बैठे हैं। लोकसभा के अध्यक्ष और श्रीमान ओम बिरला। उन्होंने अध्यक्ष से कहा कि सभी को आपका सम्मान करना चाहिए। मैं आपके सामने झुकूंगा और सारा विपक्ष आपके सामने झुकेगा। कांग्रेस सांसद ने कहा कि अध्यक्ष लोकसभा के संरक्षक और *अंतिम शब्द* होते हैं। गांधी ने कहा कि लोकसभा के सदस्य के रूप में हम अध्यक्ष के अधीन हैं। आप जो कहेंगे, हम सुनेंगे... लेकिन मैं केवल एक ही बात का अनुरोध करूंगा कि सदन में निष्पक्षता होना महत्वपूर्ण है।

देश के लिए खून ...

पुस्तक *भारत का मुसलमान* का भी विमोचन किया। कैप्टन मकसूद सेना से रिटायर्ड हैं। वो अब्दुल हमीद की जयंती पर आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे थे। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहनराव भागवत ने कहा कि देश के लिए खून तथा पसीना बहाने वालों को अपना आदर्श मानना चाहिए। उन्होंने कहा कि शहीदों के स्मरण और अनुकरण से विशाल भारत का निर्माण होता है और अच्छे भारत भारतीय होने का गौरव प्राप्त होता है। परिस्थिति चाहें जैसी हो हमें अपनी मातृभूमि व प्राचीन संस्कृति पर गर्व करते हुए अनुकरण करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जानवर और इंसान में फर्क है। इंसान दूसरे के लिए जीता है, जबकि जानवर अपने लिए जीता है। इसे चरितार्थ परमवीर चक्र विजेता अब्दुल हमीद ने किया। वह युद्ध के रण में शहीद हो गए। शहीद अब्दुल हमीद की जयंती पर भागवत ने कहा कि मुख्य द्वार पर मैंने एक लाइन लिखी देखी *शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले,वतन पर मरने वालों का यही बांकी निशां होगा।* वास्तव में शहीद अमर हो जाते हैं। शहीद का बलिदान महान होता है। भारतीय संस्कृति में अपने उपभोग और मजे के लिए जीने की परंपरा नहीं है। शहीद ऐसे ही अपना जीवन जीते हैं। ये बहुत कठिन तपस्या है।

करदाताओं के हितों ...

आने वाली कठिनाइयों को प्रभावी ढंग से हल करने के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य में व्यापारिक समुदाय को लाभ पहुंचाने के लिए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जीएसटी पेश किया गया था। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की विशेष पहल के तहत जमीनी स्तर पर जाकर व्यवसायों के साथ कैबिनेट स्तर पर चर्चा करने वाला असम देश का पहला राज्य है। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में अमूल्य योगदान के लिए भाग लेने वाले जिलों के व्यापारिक समुदाय के योगदान की सराहना की। जीएसटी के तहत जारी नोटिसों को लेकर व्यापारियों की चिंताओं को दूर करने के लिए मंत्री तिनसुकिया, शिवसागर, जोरहाट और शिलांग में आगे चर्चा करेंगे और एक महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपेंगे। बैठक में विधायक पृथ्वीराज राव, प्रमोद बरठाकुर, गणेश लिम्बु तथा कृष्ण कमल तांती, राज्य के मुख्य कर आयुक्त पल्लवी गोपाल झा एवं विभाग के अन्य शीर्ष अधिकारी और साथ ही तेजपुर, ढेकियाजुली, विश्वनाथ चारियाली के व्यापार और व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। नगांव, होजाई और मोरीगांव आरजी भी बैठक में भाग लेते हैं। बैठक के बाद मंत्री सिंघल और नेउग की कैबिनेट समिति ने भी जीएसटी के तहत व्यापारियों को नोटिस जारी करने में कर अधिकारियों की भूमिका और उनके सामने आने वाली कठिनाइयों का जायजा लेने के लिए कराधान के उपायुक्तों के साथ एक बैठक की। दोनों मंत्रियों ने विभाग के उपायुक्तों से उन व्यापारियों के साथ सहानुभूति से काम करने का आग्रह किया, जो जीएसटी के तहत जारी नोटिसों के परिणामस्वरूप कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं।

जिंदा उइगर मुस्लिमों ...

अपने मुस्लिम उइगर नागरिकों से आनुवंशिक जानकारी एकत्र कर रहा है। पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना द्वारा किए गए अत्याचारों के मद्देनजर, संयुक्त राज्य अमेरिका ने 27 मार्च, 2023 को अमेरिकी सीनेट में पारित एच.आर. 1154 बिल के तहत *स्टॉप फोर्स्ड ऑर्गन हार्वेस्टिंग* एक्ट पेश किया था। 2019 में, मानवीय साक्ष्यों के आधार पर स्थिति की जांच करने के लिए एक *पीपुल्स चाइना ट्रिब्यूनल* की स्थापना की गई और यह पता चला कि उच्च विदेशी मांग को पूरा करने के लिए झिंजियांग के काशगर हवाई अड्डे पर विशेष फास्ट-ट्रैक मानव अंग लेन बनाए गए थे, और उइगर लक्षित थे। बाद में, उइगरों से जबरन अंग निकालने के बारे में चाइना ट्रिब्यूनल की रिपोर्ट को विभिन्न प्रेस और मीडिया चैनलों में बताया गया। तियानजिन में कोरियाई अंग पर्यटन की जांच करते समय, यह पता चला कि सऊदी देशों ने अपने अंग प्राप्तकर्ताओं के लिए अंगों के मिलान के लिए धन मुहैया कराया था और चीन ने इसे पूंजी प्रवाह का एक बड़ा स्रोत बना दिया था। इस अधिनियम का उद्देश्य राजनीतिक कैदियों, फालुन गोंग चिकित्सकों और मुस्लिम उइगर नागरिकों को जबरन अंग कटाई के व्यापार से समर्थन और सुरक्षा प्रदान करना है। एच.आर. 1154 बिल सदन में 413 से 2 मतों से संतोषजनक रूप से पारित हो गया और चीन में जबरन अंग कटाई के खिलाफ अमेरिकी सीनेट द्वारा कार्रवाई का इंतजार कर रहा है। यह अभ्यास में शामिल व्यक्तियों और संस्थाओं के खिलाफ प्रतिबंधों को अधिकृत करता है, जिसमें अंग प्रत्यारोपण सर्जरी उपकरणों के निर्यात पर प्रतिबंध लगाना और अंग प्रत्यारोपण सर्जनों के प्रशिक्षण को रोकना शामिल है। चीन में 1990 के दशक से चिकित्सा पर्यटन के नाम पर फल-फूल रहा अंग व्यापार प्रचलित है। यह जानकर आश्चर्य होता है कि चीन में अंग प्रत्यारोपण के लिए प्रतीक्षा समय दुनिया के अन्य हिस्सों की तुलना में अपेक्षाकृत कम है। चीन में अंग प्रत्यारोपण के लिए मरीज को अधिकतम दो महीने तक इंतजार करना पड़ता है, जबकि अमेरिका और कनाडा जैसे अन्य प्रमुख स्थापित देशों में प्रतीक्षा अवधि 2 से 4 साल तक हो सकती है। एक और परेशान करने वाला तथ्य यह है कि चीन में अंगों के स्रोत की बात करें तो इसमें बहुत बड़ी विसंगति है। 2005 में अमेरिकी कांग्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, चीन में 95त्न तक अंग प्रत्यारोपण कैदियों से किए गए थे, लेकिन किए गए प्रत्यारोपणों की संख्या कभी भी इस आंकड़े को सही नहीं ठहराती। 2006 में, एमनेस्टी इंटरनेशनल ने चीन में 1,770 लोगों को फांसी दिए जाने की रिपोर्ट की और उच्चतम आंकड़ा 8,000 के करीब था, जिसमें से कुछ मामलों को कैदियों में प्रचलित बीमारियों के कारण खारिज कर दिया गया था। फिर भी सवाल उठता है कि चीन उन दिनों अंगों की उच्च मांग को कैसे पूरा कर पाया। 2016 में, झिंजियांग में हर उइगर को मेडिकल चेकअप के बहाने चीनी अधिकारियों के निर्देशानुसार आईरिस स्कैन, ब्लड टाइपिंग, फिंगरप्रिंटिंग और डीएनए जमा करने के लिए कहा गया था।

फ्रांस चुनाव : पहले दौर ...

मौजूदा राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों का मध्यमार्गी गठबंधन केवल 20 फीसदी वोट के साथ तीसरे स्थान पर रहा। ले पेन ने कल देर रात खुशी-खुशी घोषणा की कि फ्रांसीसी राष्ट्रपति की पार्टी लगभग *समाप्त* हो चुकी है, क्योंकि वह जीत का जश्न मना रही थीं, और अब आरएन 7 जुलाई को होने वाले दूसरे और अंतिम दौर के चुनावों की तैयारी में जुट गई है। लेकिन सवाल यह है कि फ्रांस में एक ऐसी पार्टी जो द्वितीय विश्व युद्ध में नाजी कब्जे के बाद से किसी दक्षिणपंथी सरकार के अधीन नहीं रही है, राजनीतिक स्पेक्ट्रम के उस तरफ क्यों झुक गई है? राष्ट्रपति मैक्रोन ने अपने चौंकाने वाले चुनाव में लोकलुभावन दक्षिणपंथी को हराने के अपने प्रयास में जुआ खेला और असफल रहे, जिससे उनकी पार्टी को चुनावों में करारी हार का सामना करना पड़ा।

एक ही परिवार के ...

कहा जाता है। इस घटना का एक दिल दहला देने वाला वीडियो सामने आया है जिसमें उस क्षण को कैद किया गया है जब सात लोगों का एक परिवार तेज धारा में बह गया था। पुलिस ने मृतकों की पहचान शाहिस्ता लियाकत अंसारी (36), अमिमा आदिल अंसारी (13) और उमेरा आदिल अंसारी (8) के रूप में की है। साथ ही तेज बहाव में लापता हुए कुछ लोगों के शव जलाशय के एक किनारे से बरामद किया गया है। अधिकारी ने बताया कि अदनान सभाहत अंसारी (4) और मारिया अकील अंसारी (9) अभी भी लापता हैं। बचाव दल और नौसेना के गोताखोरों ने लापता बच्चों का पता लगाने के लिए देर शाम तक खोजी अभियान चलाया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि अंसारी परिवार के सदस्य भुशी बांध के पास झरना देखने गए थे, लेकिन इलाके में भारी बारिश के कारण पानी का प्रवाह अचानक बढ़ गया और वे परिवार के 5 सदस्य बह गए। जिस परिवार के साथ यह हादसा हुआ है उसके एक परिजन का कहना है कि कुछ रिश्तेदार शादी के लिए मुंबई से आए थे। जो परिवार पानी में बहा है, वह पुणे सैय्यद नगर का है। इस बात की जानकारी पुणे एसपी पंकज देशमुख ने दी है। घटना कल दोपहर करीब डेढ़ बजे की है। स्थानीय लोग और पुलिस मौके पर पहुंचे और रस्सियों और ट्रैकिंग गियर के साथ जीवित बचे लोगों की तलाश शुरू कर दी। रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस के मुताबिक, पर्यटक झरने में फिसल गए और नीचे की ओर जलाशय में डूब गए। स्थानीय लोगों ने कहा कि वे झरने के आधार पर खड़े काई वाले पत्थरों पर फिसल गए होंगे और पानी के वेग में बह गए होंगे।

नए आपराधिक कानूनों ...

बाद कानून लाया गया है और संसद की गृह मामलों की समिति में इस पर विस्तार से विचार किया गया। विपक्षी सांसदों सहित सदस्यों ने सुझाव दिए और कुछ राजनीतिक सुझावों को छोड़कर लगभग सभी सुझावों को इसमें शामिल किया गया है। लेकिन विपक्ष शायद संसद में, इस विषय पर चर्चा नहीं करना चाहता था। केंद्रीय गृह मंत्री ने मीडिया रिपोर्टों के इतर जानकारी दी कि नए कानून लागू होने के बाद ग्वालियर में पहली प्राथमिकी चोरी के मामले में रात 12.10 मिनट पर दर्ज हुई है। साथ ही उन्होने बताया कि जहां तक मीडिया में चल रही खबर है तो वे बताना चाहते हैं कि एक स्ट्रीट वेंडर के खिलाफ किसी नए प्रावधान के तहत मामला दर्ज नहीं हुआ है। पुलिस ने इसकी समीक्षा करने के लिए प्रावधान का इस्तेमाल किया और उस मामले को खारिज कर दिया। उन्होंने बताया कि कल मध्य रात्रि के बाद हुए अपराधों पर प्राथमिकी और कानूनी प्रक्रिया नए कानूनों के तहत होगी। उल्लेखनीय है कि 01 जुलाई को मध्य रात्रि के बाद से भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की जगह भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की जगह अब भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और इंडियन एविडेंस एक्ट की जगह अब भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) लागू हो गया है। शाह ने इस अवसर पर देशवासियों को बधाई दी कि आजादी के करीब 77 साल बाद हमारी आपराधिक न्याय प्रणाली पूरी तरह से *स्वदेशी* हो रही है।

बाढ़ को लेकर सोनोवाल ने की डॉ. शर्मा से बात

गुवाहाटी (हिंस)। डिब्रूगढ़ के सांसद तथा केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने सोमवार को असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा से डिब्रूगढ़, तिनसुकिया और राज्य के अन्य हिस्सों में बाढ़ की स्थिति के बारे में फोन पर बात की। सोनोवाल ने उनसे बाढ़ पीड़ितों को सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने प्रभावित लोगों को तत्काल राहत दिए जाने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम डिब्रूगढ़ में स्थिति की लगातार निगरानी कर रहे हैं। हमारा प्रशासन सभी आवश्यक उपाय कर रहा है। संकट की इस घड़ी में डिब्रूगढ़ और अन्य प्रभावित क्षेत्रों के लोगों के साथ हमारा प्रशासन पूरी मजबूती से खड़ा है। उल्लेखनीय है कि अरुणाचल प्रदेश, असम के साथ ही पूरे पूर्वोत्तर में कई दिनों से हो रही लगातार बारिश के कारण ब्रह्मपुत्र समेत राज्य की प्राय: सभी नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। असम मणिपुर समेत कई राज्यों में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। असम में कई स्थानों पर नदियों के तटबंध टूट जाने के कारण सैकड़ों गांव जलमग्न हो गए हैं। प्रशासन द्वारा युद्ध स्तर पर राहत एवं बचाव कार्य किए जा रहे हैं।

तटबंध टूटा, कई गांव जलमग्न

गोलाघाट (हिंस)। दो दिनों से हो रही लगातार बारिश के कारण ब्रह्मपुत्र के साथ ही गेलाबिल और धनसिरी आदि नदियों जलस्तर बढ़ गया है। जिससे राज्य के अनेक इलाकों में भीषण बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई है। जानकारी के अनुसार नुमलीगढ़ के महुरामुख के बांकुवाल में पानी ने बांध को बहा दिया, जिससे कई गांव पानी में डूब गए हैं। अनेक मवेशी बाढ़ में बह रहे हैं। ब्रह्मपुत्र का पानी क्षेत्र के कई गांवों को जलमग्न कर चुकी है। लोगों में काफी दहशत है। लोग इधर-उधर भाग रहे हैं। मवेशी पानी में बह रहे हैं। लोग ऊंचे स्थानों पर शरण ले रहे हैं।

पुनर नीट परीक्षा से अरुणाचल को छूट देने की मांग

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश से राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (एनईईटी) में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के परिजनों के समूह ने राज्य सरकार से अरुणाचल प्रदेश में पुनर एनईईटी-2024 परीक्षा से छूट के लिए केंद्र सरकार और भारत के सर्वोच्च न्यायालय से सिफारिश करने की अपील की। आज यहां अरुणाचल प्रेस क्लब में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए एनईईटी उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के परिजनों के समूह के अध्यक्ष जिक्के तानिया ने राज्य सरकार से इस मुद्दे पर 8 तारीख को एनआईईटी-2024 पेपर लीक मामले के संबंध में होने वाली सुनवाई से पहले भारत सरकार और भारत के सर्वोच्च न्यायालय से आवश्यक कार्रवाई करने की अपील की। उन्होंने कहा कि हम अरुणाचल प्रदेश में पुन: एनआईईटी परीक्षा का कड़ा विरोध करते हैं, क्योंकि इस वर्ष स्नातक छात्रों के लिए एनआईईटी 2024 परीक्षा 5 मई, 2024 को हमारे राज्य के सभी 4 केंद्रों में स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से आयोजित की गई थी। जिसमें अरुणाचल प्रदेश में 2570 छात्रों ने क्वालिफाई किया है। राज्य में 4998 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए थे और लगभग 500 छात्र एनईईटी में सफल हुए हैं। अरुणाचल प्रदेश में ग्रेस मार्क और पेपर लीक मामले में कोई अनियमितता नहीं हुई है। उन्होंने कहा, इसलिए हम दूसरों की गलतियों के कराण अरुणाचल प्रदेश के निर्दोष छात्रों को दंडित या परेशान नहीं कर सकते। हमें यह जानकर दुख हुआ कि भारत में पांच राज्यों के छह परीक्षा केंद्रों पर ग्रेस पार्किंग, पेपर लीक जैसी अनियमितताओं का आरोप लगाया गया था और हम पेपर लीक मामले के अपराधियों को कड़ी सजा देने की मांग करते हैं। उन्होंने कहा कि हम सीबीआई जांच का स्वागत करते हैं और दोषियों को कड़ी और निवारक सजा देने की अपील करते हैं। अरुणाचल के बेटे-बेटियों ने ईमानदारी से नीट-2024 की परीक्षा दी है और कई ने अपनी कड़ी मेहनत से अच्छा रैंक हासिल किया है और कई छात्रों ने दूसरे और तीसरे प्रयास में अच्छा रैंक हासिल किया है। उन्होंने कहा कि दूसरों गलतियों के कारण निर्दोष मेधावी छात्रों की मेहनत व्यर्थ नहीं जानी चाहिए। इसलिए हमने राज्य सरकार से इस मामले में हस्तक्षेप करने और अरुणाचल प्रदेश राज्य पर विचार करने के लिए केंद्र सरकार तक इस मांग को पहुंचाने का अनुरोध किया है। जिक्के तानिया ने कहा कि इस संबंध में हमने मुख्यमंत्री, राज्यपाल और राज्य के शिक्षा मंत्री को ज्ञापन सौंपा है।

कॉलेज में दाखिले के लिए कोई फीस नहीं लेती सरकार : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि राज्य सरकार कॉलेजों में छात्रों की प्रवेश फीस के लिए एक रुपया भी नहीं लेती है। दुर्भाग्य से मीडिया इस सरकार द्वारा किए गए अच्छे कार्यों को मान्यता नहीं देना चाहता। फीस वसूली को भूल कर पिछले कई सालों से सरकार हायर सेकेंडरी स्तर से पोस्ट ग्रेजुएट स्तर तक 2 लाख रुपए से कम वार्षिक आय वाले परिवारों के छात्रों को मुफ्त दाखिला दे रही है। इस बार सरकार ने इस न्यूनतम आय को बढ़ाकर 4 लाख रुपए कर दिया है। इसके अलावा, पिछले साल, सरकार ने छात्रों के प्रवेश के लिए कॉलेजों को 103 करोड़ रुपए का भुगतान किया है। ऐसे में इस तरह की निराधार और प्रेरित खबरें इस तथ्य को साबित करती हैं कि यह संबंधित अखबारों के मालिकों की सरकार के खिलाफ व्यक्तिगत गुस्से की अभिव्यक्ति है। ये बातें मुख्यमंत्री ने आज सोशल मीडिया के जरिए कहीं।

रंगिया सिविल अस्पताल ने मनाया राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस

रंगिया (विभास)। हर साल 1 जुलाई का दिन डॉ. बिधान चंद्र रॉय की याद में राष्ट्रभर में मनाया जाता है। इस उपलक्ष्य में सोमवार को रंगिया महकमा सिविल अस्पताल में भी इसका आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत अस्पताल के उप-अधीक्षक डॉ. दिलीप कुमार बैश्य द्वारा केक काटकर इसका शुभारंभ किया। इसके पश्चात स्वास्थ्यकर्मी अमूल्य बैश्य द्वारा संचालित बैठक स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पद्मेश्वर कलिता, चिकित्सक डॉ. पापोरी दास सहित रशीदा बेगम, ननी कलिता, रीना पाठक, डिंबेश्वर ठाकुरिया ने अपने विचार प्रकट किए। अपने भाषण प्रसंग में राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के आयोजन की प्रासंगिकता तथा महत्व के संदर्भ में उन्होंने प्रकाश डाला। वहीं कार्यक्रम के दौरान अस्पताल की सहायक मेट्रन रशीदा बेगम को फुलाम गामोछा से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में भारतीय स्टेट बैंक की रंगिया शाखा के मुख्य प्रबंधक जी के सिंह और उप प्रबंधक सागर रॉय भी उपस्थित रहे। दोनों वरिष्ठ बैंक अधिकारियों ने अस्पताल में कार्यरत चिकित्सकों को बधाई दी और उन्हें फूलाम गामोछा और किताबों से सम्मानित किया।

पूसीरे ने बेटिकट यात्रियों से वसूले 66.27 करोड़

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) द्वारा सभी वास्तविक यात्रियों को परेशानी मुक्त, आरामदायक यात्रा और बेहतर सेवाएं सुनिश्चित कराने के लिए नियमित रूप से सघन टिकट जांच अभियान चलाई जाती है। बेटिकट और अनियमित यात्रियों पर निरंतर निगरानी रखते हुए ऐसी गतिविधियों को रोकने और नियंत्रित करने के लिए अभियान चलाए जाते हैं, जिनसे वास्तविक यात्रियों को असुविधा होती है। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची दे ने बताया कि चालू वित्तीय वर्ष के दौरान अप्रैल से मई तक इस तरह के अभियान से इस जोन के क्षेत्राधिकार के अधीन लगभग 167154 बेटिकट यात्रियों से 14.72 करोड़ रुपए से अधिक की राशि अर्जित की गई। इस प्रकार गत वित्त वर्ष 2023-24 के मुकाबले वित्त वर्ष 2024-25 (अप्रैल और मई) की वर्तमान अवधि में बेटिकट यात्रियों से राजस्व आय के मामले में 18.85 फीसदी और पता लगाए गए मामलों में 14.53 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। उल्लेखनीय है कि अप्रैल, 2023 से मार्च 2024 की अवधि के दौरान, बेटिकट/अनियमित टिकट यात्रियों के 793170 मामलों का पता लगाया गया, जिससे 66.27 करोड़ रुपए से अधिक की राशि की वसूली दोषियों से किराया और जुर्माना के रूप में अर्जित हुआ। गत वित्त वर्ष 2022-2023 में पाए गए 7 लाख 78 हजार 808 मामलों में 62.98 करोड़ रुपए वसूल हुए थे। इस प्रकार, बीते वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान 14 हजार 362 से अधिक मामलों का पता चला। जिससे दोषियों से जुर्माना और किराए में 5.23 फीसदी अधिक आय हुई। उचित टिकट के बिना या अधिकृत दूरी से अधिक यात्रा करने पर अतिरिक्त शुल्क और किराया लग सकता है। यदि कोई यात्री मांग पर भुगतान करने में विफल होता है या मना करता है, तो वह भुगतान में चूक माना जाएगा और उस पर रेलवे अधिनियम, 1989 की संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा चलाया जाएगा। पूसी रेलवे आम जनता से अपील करती है कि किसी भी असुविधा से बचने के लिए उचित और वैध टिकट के साथ यात्रा करें और साथ में वैध पहचान पत्र रखें।

सत्र प्रबंधन समिति के चार सदस्यों ने सत्राधिकार को सौंपे अपने-अपने इस्तीफे

रंगिया (निसं)। बालिसत्र में सत्संग सत्र को लेकर चल रहे विवाद में नया मोड़ आ गया है। इस बार सत्र प्रबंधन समिति के पांच सदस्यों में से चार ने सत्राधिकार को अपना इस्तीफा सौंप दिया। रविवार को सौंपे गए त्याग पत्र में सदस्यों की जानकारी के बिना सत्र में विभिन्न गतिविधियों चलने का हवाला दिया गया है। इस्तीफा देने वाले सदस्यों में से एक तरुण चंद्र कलिता ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा द्वारा सत्र में राजनीतिक टिप्पणी करने के बाद वहां सत्र में किए गए शुद्धिकरण से अनजान थे। जिससे उन्होंने परेशान होकर इस्तीफा देने का फैसला किया है। वही एक अन्य इस्तीफा देने वाले सदस्य कैलाश कलिता ने इस मामले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। दो अन्य सदस्य प्रसन्न कुमार कलिता और योगेश्वर कुमार से टिप्पणी के लिए संपर्क नहीं हो सका। इस बीच पिंकेश्वर कलिता, जो अभी भी सत्र प्रबंधन समिति के सदस्य हैं, ने मीडिया को बताया कि सत्र प्रबंधन समिति के सभी सदस्यों को शुद्धिकरण के बारे में जानकारी नहीं थी। उन्होंने यह भी कहा कि जाति और धर्म के सभी दलों और संगठनों के लोग शुरुआत से ही सत्र में शामिल रहे हैं। इसलिए सत्र के हित में सभी दलों को जो कुछ हुआ है उसे छोड़ देना चाहिए। उन्होंने भूपेन बोरा को भी दोबारा सत्र में आमंत्रित किया। मालुम हो कि गत 27 जून बृहस्पतिवार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा ने सत्र का दर्शन करके सत्र परिसर में संवाददाताओ से मत विनिमय किया था। उसके द्वितीय दिन सत्र का शुद्धिकरण किया गया था? जिसके फलस्वरुप बालिसत्र सत्र पर विवाद पूरी तरह गहरा हो गया।

लायंस उमंग ने किया कम्युनिटी सेंटर का शुभारंभ

गुवाहाटी। मानव सेवा समाज सेवा की दिशा में अपने शानदार कार्य से जरूरतमंदों की मदद करते आ रही महिलाओं की अग्रणी संस्था लायंस क्लब का गुवाहाटी उमंग की ओर से वर्ष 2023-24 के अंतिम दिन रविवार को तीन अलग-अलग परियोजनाओं को का क्रियान्वन किया गया क्लब की जनसंपर्क अधिकारी प्रियंका गर्ग ने बताया कि अध्यक्ष कंचन पोद्दार के नेतृत्व में जिलापाल सीमा गोयनका की उपस्थिति में नारंगी के युवा नगर में कम्युनिटी सेंटर का शुभारंभ किया गया। इस कम्युनिटी सेंटर को अजय-कंचन पोद्दार की ओर से प्रायोजित किया गया। वहीं दूसरी परयोजना के तहत नारंगी के बोंडा आंचलिक हाई स्कूल में लायंस जिला 322जी के *वन डिस्ट्रिक्ट-वन एक्टिविटी* के तहत कंचन पोद्दार के सहयोग से 200 छात्तों का वितरण किया गया। वहीं इसी विद्यालय में अनीता गुप्ता व कंचन बेतला के सहयोग से बेंच, डेस्क, पठन पाठन की सामग्री बच्चों के बीच बाटी गई। इस मौके पर जिलापाल सीमा गोयनका, अध्यक्ष कंचन पोद्दार, सचिव संगीता अग्रवाल, कोषाध्यक्ष स्वाती चौधरी, रितु बंका, पायल चढ़ा चड्ढा, नीतू सराफ, शीतल जैन, अनीता गुप्ता, कीर्ति अग्रवाल, लिपिका मोदी, सरोज जालान सहित क्लब की अन्य सदस्याए मौजूद थी।

नाहरकटिया में हेरोइन के साथ तस्कर गिरफ्तार

डिब्रूगढ़ (हिंस)। डिब्रूगढ़ जिले के नाहरकटिया में रविवार की रात नाहरकटिया पुलिस की एक टीम ने नाहरकटिया रेलवे फाटक के पास छापा मारकर एक तस्कर को हेरोइन के साथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए तस्कर की पहचान नितुल दास उर्फ गुडलू के रूप में हुई है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि गुडलू नाहरकटिया रेलवे गेट के पास किराए के मकान से पूरे नाहरकटिया में नशे का बड़ा कारोबार चला रहा था। पुलिस ने उसके किराए के घर से एक साबुनदानी के साथ कई कंटेनरों में 77.24 ग्राम प्रतिबंधित हेरोइन जब्त करने में कामयाबी हासिल की। पुलिस ने घटना के संबंध में एनडीपीएस अधिनियम के तहत एक मामला दर्ज कर लिया है और मामले की जांच कर रही है। उल्लेखनीय है कि गिरफ्तार नितुल दास उर्फ गुडलू पूर्व में भी नशे के मामलों में कई बार जेल जा चुका है, लेकिन वह जेल से बाहर निकल जाता है। पुलिस द्वारा जब्त की गई हेरोइन की कीमत लाखों रुपए बताई जा रही है।

जोनाई में बाढ़ की हालत गंभीर राहत और बचाव कार्य जारी

लखीमपुर (हिंस)। असम और अरुणाचल प्रदेश में कई दिनों की लगातार बारिश के कारण जोनाई में सियांग-लाली नदी के साथ-साथ अरुणाचल प्रदेश से बहने वाली सिले, रयांग, रुकसिन, डेपी, दिखिरी, सिमेन आदि सहायक नदियों के पानी से जोनाई जलमग्न हो गया है। सैकड़ों गांवों के हजारों परिवार प्रभावित हुए हैं। सिले नदी का जलस्तर बढ़ने से जोनाई एनएन पंचायत के बाहर, सिले, शांतिपुर, मलभोग, रतनपुर, जोनाई, लोहिजान, ऑकलैंड, माझगांव, बलाईपम, लोहितपुर आदि गांवों के सैकड़ों परिवारों के घर अब पूरी तरह से बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। बाढ़ के कारण पीने के पानी, खाद्य पदार्थों की समस्याओं के साथ-साथ खेतों और सड़कों के पूरी तरह से जलमग्न होने के कारण कई परिवार फंस गए हैं। सोमवार को भी व्यापक पैमाने पर राहत और बचाव कार्य किए जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि रविवार को विधायक भुबन पेगू आश्रय शिविरों में बाढ़ प्रभावित लोगों के पास गए और स्थिति का जायजा लिया। जोनाई एएम स्कूल के आश्रय शिविर में पेयजल और खाद्य सामग्री का जायजा लिया। उन्होंने मशहरी, कंबल आदि का भी वितरण किया। विधायक पेगू ने जोनाई में असम-अरुणाचल और सदिया सीमा पर शिवगुरी जैसे दूरदराज के इलाकों के बाढ़ प्रभावित लोगों को सुरक्षित बचाने के लिए जोनाई उपमंडल प्रशासन और एसडीआरएफ की टीम को धन्यवाद दिया। ज्ञात हो कि बचाव अभियान से लौटी एसडीआरएफ की नाव फंस गयी थी, प्रशासन द्वारा वायु सेना का हेलीकॉप्टर बुलाकर उन्हें बचाया गया।

बंगाईगांव रिफाइनरी में स्वच्छता पखवाड़ा आरंभ

बंगाईगांव (हिंस)। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के निर्देशानुसार 01 से 15 जुलाई तक सभी उपक्रमों में स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। बंगाईगांव रिफाइनरी में आज से स्वच्छता पखवाड़ा का शुभारंभ हुआ। कार्यकारी निदेशक एवं रिफाइनरी प्रमुख एनके बरुवा द्वारा कर्मचारियों को स्वच्छता शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर स्वच्छता थीम पर तैयार किए गए जूट बैग का विमोचन एवं वितरण किया गया। कर्मचारियों को स्वच्छता संबंधी सूचना से अपडेट रखने के लिए ई-जर्नल *स्वच्छता खबर* का भी अनावरण किया गया। इसमें स्वच्छता गतिविधियों की रिपोर्टिंग के साथ-साथ स्वच्छता जागरूकता संबंधी सामग्रियों को भी प्रकाशित किया जाएगा। स्वच्छता पखवाड़ा के अवसर पर आमजन को जागरूक करने के लिए कार्यकारी निदेशक एवं रिफाइनरी प्रमुख बरुवा द्वारा स्वच्छता रथ को रवाना किया गया। पखवाड़ा के दौरान आज से 15 जुलाई तक बंगाईगांव रिफाइनरी के कर्मियों, आश्रितों और अन्य हितधारकों के बीच स्वच्छता की भावना को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न गतिविधियों का भी आयोजन किया जा रहा है।

12वीं पास छात्राओं को दी जा रही स्कूटी चलाने का प्रशिक्षण

गुवाहाटी। असम सरकार द्वारा 12वीं पास छात्राओं के लिए चलाई गई प्रज्ञान भारती अभियान के तहत बनिकांत काकोती अवार्ड में मिले स्कूटी को चलाने के लिए छात्राओं को गुवाहाटी महानगर परिवहन विभाग द्वारा ड्राइविंग ट्रेनिंग तथा सेफ्टी एजुकेशन का आयोजन चलाया जा रहा है इसके लिए होंडा सेफ्टी ड्राइविंग एजुकेशन प्रोग्राम के सहयोग से आज 1 जुलाई से 31 जुलाई तक महानगर के विभिन्न क्षेत्रों के 2907 छात्राओं को प्रतिदिन 100 करके यातायात के नियमों एवं ड्राइविंग से संबंधित जानकारी दी जाएगी, इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक, प्रशासनिक तथा अभिनय जगत की जानीमानी अभिनेत्री एवं अभिनेता के लिए ही गुवाहाटी महानगर परिवहन विभाग के वरिष्ठ पदाधिकारी गौतम दास व हिमांगसू दास के साथ अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

चावल वितरण को लेकर बाघमारा सहकारी समिति के सचिव पर लगा आरोप

नगरबेड़ा (विभास)। राज्य आपूर्ति मंत्री रंजीत कुमार दास के गृह जिले बरपेटा में सहकारी समिति के सचिव के बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार, गोदाम में क्विंटल-क्विंटल चावल की तोड़फोड़ ने अंचल में खौफ को झकझोर कर रख दिया है। तथ्य यह है कि इसकी आपूर्ति की जानी चाहिए, संपादक रिपन अली सरकार 1 जुलाई को एजेंटों के एक वर्ग को सस्ती कीमतों पर मुफ्त चावल की आपूर्ति करने में सक्षम नहीं होने के बाद बड़े क्षेत्र में व्यापक प्रतिक्रियाओं को जन्म दिया है। सरकारी नियमों के अनुसार, *अन्य सेवा सप्ताह* हर महीने की एक तारीख से दस तक और इस *अन्य सेवा सप्ताह* में लाभार्थियों के बीच सस्ती कीमतों पर मुफ्त चावल के वितरण का सख्ती से निर्देश दिया गया है। साथ ही, धुरंधर सचिव रिपन अली सरकार, जो कई आपदाओं में शामिल हैं, की अत्यधिक लापरवाही के कारण और बरपेटा जिला आपूर्ति विभाग के कुछ अधिकारियों और कर्मचारियों की लापरवाही के कारण, कुछ एजेंटों और लाभार्थियों के साथ-साथ सहकारी समिति के सदस्यों के एक वर्ग ने गंभीर आरोप लगाए हैं कि उन्हें 1 जुलाई को मुफ्त चावल से वंचित रखा गया है। सहकारी समिति का एक सचिव इस तरह से बड़म्बा में भ्रष्टाचार की अनियमितता करता रहा है, लेकिन यह भी रहस्य बन गया है कि विभाग ने सचिव रिपन अली सरकार के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की है। दरअसल, भ्रष्ट सचिव रिपन अली सरकार को विभागीय तौर पर बर्खास्त क्यों नहीं किया जा सका है, इसे लेकर संबंधित हलकों में यह चर्चा का विषय बन गया है। वहीं सहकारी समिति के अधिकांश ग्राहक इस बात से हैरान हैं कि बाघमाराचर की सहकारी समिति के सचिव रिपन अली सरकार भ्रष्टाचार का पहाड़ खड़ा करके घूम रहे हैं। लोगों ने जिला आयुक्त और प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिश्व शर्मा से सहकारी समिति के धुरंधर सचिव रिपन अली सरकार के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

नए कानून लागू होने के साथ रंगिया और महानगर के वशिष्ठ थाने में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। भारत के अन्य थानों के तरह ही गुवाहाटी महानगर के वशिष्ठ थाने में भी गुवाहाटी पूर्वी के डीसीपी मृणाल डेका के नेतृत्व में एक जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया इस अवसर पर वशिष्ठ थाने के प्रभारी देवानंद दास के साथ ही बेलतला नागरिक कमिटी के अध्यक्ष, बेलतला कॉलेज के प्रिंसिपल, गुवाहाटी हाईकोर्ट के कानूनविदों के साथ ही अपराध अनुसंधान अधिकारियों की पूरी टीम, वशिष्ठ मंदिर परिचालन समिति के सदस्यों के अलावा बेलतला क्षेत्र के विभिन्न सामाजिक संगठन के कार्यकर्ता तथा कई महिला संगठनों की सदस्य भी उपस्थित थीं, अपने संबोधन में डीसीपी मृणाल डेका ने भारत सरकार द्वारा पुराने कानूनों की अप्रासंगिकता को लेकर तथा नए बेहद जरूरी कानूनों की उपयोगिता के बारे बड़ी बारीकी से जानकारी दी, वहीं हाईकोर्ट के कानूनविदों ने महिला एवं नाबालिग बच्चों पर होने वाले अपराध के विषय में तथा अन्य अपराधों के लिए त्वरित कार्रवाई एवं सोशल नेटवर्किंग साइटों द्वारा जीरो एफआईआर दर्ज करने के प्रावधानों के बारे में व नए कानूनों को लेकर जानकारी दी। **रंगिया** से हमारे संवाददाता के अनुसार देशभर में 1 जुलाई से लागू हुए नए आपराधिक कानून-भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम-2023 को लेकर रंगिया थाने में आज एक जागरूकता बैठक आयोजित की गई। रंगिया थाना प्रांगन में आयोजित इस बैठक में सरकारी सहायक वकील देवजीत सैकिया मुख्य विश्लेषक के रूप में उपस्थित रहे। बैठक में उन्होंने नवप्रवर्तित भारतीय कानून के विभिन्न दिशाओं और सुविधाओं की जानकारी दी और बताया कि ब्रिटिश काल से चल रहे पुराने कानून दंड पर आधारित थे, जबकि नए कानून न्याय पर आधारित हैं, जो भारतीय न्याय व्यवस्था को प्रतिबिंबित करता है। नए आपराधिक कानून में ऐसी आपराधिक न्याय प्रणाली है जो न केवल नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करती है, बल्कि कानूनी व्यवस्था को भी और अधिक मजबूत बनाती है उन्होंने कहा कि नया कानून सभी के लिए सुलभ एवं त्वरित न्याय सुनिश्चित करता है। वहीं दूसरी ओर कार्यक्रम में उपस्थित रंगिया महकमा के पुलिस अधिकारी विश्वजीत डेका ने विभिन्न अपराधों से संबंधित नए कानूनों पर विस्तृत जानकारी दी। रंगिया थाना प्रभारी अजय बर्मन के संचालन में आयोजित इस कार्यक्रम में थाने के सभी अधिकारी और जवानों सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में थाने के द्वितीय पुलिस अधिकारी अरविंद घोष ने उपस्थित लोगों का धन्यवाद ज्ञापन किया।

संपादकीय

आपातकाल के जिक्र से कांग्रेस को परेशानी क्यों?

संविधान की प्रति हाथ में लेकर 'संविधान हितैषी' होने का दावा करनेवाले कांग्रेस के नेता संविधान और लोकतंत्र की हत्या के उदाहरण 'आपातकाल' के जिक्र से परेशान क्यों हो रहे हैं? यदि सही अर्थों में उन्हें संविधान और लोकतंत्र की चिंता है, तब उन्हें आपातकाल के जिक्र पर नाराज होने की बजाय कहना चाहिए कि आपातकाल जैसी भयंकर गलती किसी को नहीं दोहरानी चाहिए। एक ओर कांग्रेसी नेता यह भी दावा करते हैं कि आपातकाल थोपने के लिए स्वयं पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश से माफी माँगी थी और राहुल गांधी भी माफी माँग चुके हैं। यदि कांग्रेस मानती है कि आपातकाल संविधान और लोकतंत्र पर हमला था, तब उसकी 50वीं बरसी पर लोकसभा अध्यक्ष द्वारा प्रस्ताव रखने का विरोध क्यों किया जा रहा है? नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मिलकर आपातकाल पर प्रस्ताव लाने का विरोध किया है। इसी प्रकार, जब राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु ने अपने अभिभाषण में आपातकाल का जिक्र किया, तो उसके बाद से कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता राष्ट्रपति के अभिभाषण को लेकर ही विवाद खड़ा करने की कोशिशें कर रहे हैं। सवाल उठाया जा रहा है कि 50 वर्ष पुराने मुद्दे को भाजपा क्यों उखाड़ रही है? यह अतार्किक सवाल है। इतिहास का जिक्र इसलिए भी होता है ताकि वर्तमान पीढ़ी उससे सीख ले सके। जब कांग्रेस दावा कर रही है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी सरकार संविधान को बदलना चाहती है और उन्होंने देश में अघोषित आपातकाल लगा रखा है, तब यह बताया जाना आवश्यक हो जाता है कि आपातकाल क्या होता है? पूर्व प्रधानमंत्री एवं कांग्रेस की प्रेरणा स्रोत इंदिरा गांधी द्वारा थोपे गए आपातकाल में किस प्रकार आम नागरिकों के संवैधानिक एवं मौलिक अधिकार छीन लिए गए थे? किस तरह छोटी-छोटी बातों के लिए लोगों को गिरफ्तार करके जेल में डाला गया था? इंदिरा गांधी की जरा-सी आलोचना करने पर आलोचक को किस प्रकार की यातनाएं झेलनी पड़ती थीं? यह सब जब देश के सामने आएगा, तब ही तो पता चलेगा कि आपातकाल का अर्थ क्या होता है? अन्यथा कांग्रेस सहित विपक्षी दल 'अघोषित आपातकाल' का झूठा विमर्श खड़ा करते रहेंगे। संविधान लहराकर उसकी रक्षा करने का दावा करनेवालों ने किस प्रकार संविधान की आत्मा की हत्या की है, यह तथ्य भी तो जनता के सामने समय-समय पर आते रहने चाहिए। आपातकाल का लाभ लेकर कम्युनिस्टों के सहयोग से कांग्रेस ने संविधान की प्रस्तावना ही बदल दी, जिसे संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने 'संविधान की आत्मा' कहा था। इसके अतिरिक्त कितने ही संविधान संशोधन करके उसके मौलिक स्वरूप को बदलने का प्रयास कांग्रेस की सरकारों ने किया है। संविधान और लोकतंत्र पर जब भी बात होगी, तब इतिहास से अनेक उदाहरण जनता के सामने रखे जाएंगे, यह स्वाभाविक ही है। राजनीति में ऐसा नहीं हो सकता कि कांग्रेस दूसरों पर जो चाहे आरोप लगाए और दूसरा पक्ष उसे आईना भी न दिखाए। और फिर आपातकाल के संबंध में तो विशेष प्रसंग बन गया है। आपातकाल थोपे जाने की घटना को 50 वर्ष हो रहे हैं, ऐसे में विशेष प्रयोजन करके जनता को आपातकाल के पीड़ादायक अध्याय से परिचित कराना ही चाहिए। साथ ही कांग्रेस ने जब संविधान पर बहस शुरू ही कर दी है तब संविधान और लोकतंत्र की हत्या से जुड़े इस दुर्भाग्यपूर्ण अध्याय का जिक्र होना स्वाभाविक ही है। कांग्रेस को चाहिए कि वह आपातकाल के जिक्र पर परेशान होने की अपेक्षा धैर्य रखकर पश्चाताप करे।

'संविधान हितैषी' होने का दावा करनेवाले कांग्रेस के नेता संविधान और लोकतंत्र की हत्या के उदाहरण 'आपातकाल' के जिक्र से परेशान क्यों हो रहे हैं? यदि सही अर्थों में उन्हें संविधान और लोकतंत्र की चिंता है, तब उन्हें आपातकाल के जिक्र पर नाराज होने की बजाय कहना चाहिए कि आपातकाल जैसी भयंकर गलती किसी को नहीं दोहरानी चाहिए। एक ओर कांग्रेसी नेता यह भी दावा करते हैं कि आपातकाल थोपने के लिए स्वयं पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश से माफी माँगी थी और राहुल गांधी भी माफी माँग चुके हैं। यदि कांग्रेस मानती है कि आपातकाल संविधान और लोकतंत्र पर हमला था, तब उसकी 50वीं बरसी पर लोकसभा अध्यक्ष द्वारा प्रस्ताव रखने का विरोध क्यों किया जा रहा है? नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मिलकर आपातकाल पर प्रस्ताव लाने का विरोध किया है। इसी प्रकार, जब राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु ने अपने अभिभाषण में आपातकाल का जिक्र किया, तो उसके बाद से कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता राष्ट्रपति के अभिभाषण को लेकर ही विवाद खड़ा करने की कोशिशें कर रहे हैं। सवाल उठाया जा रहा है कि 50 वर्ष पुराने मुद्दे को भाजपा क्यों उखाड़ रही है? यह अतार्किक सवाल है।

राहुल को देशभर में निकाली यात्राओं एवं चुनाव प्रचार में निभाई सशक्त भूमिका ने मजबूती दी है

राहुल गांधी का कद भी बढ़ा एवं राजनीतिक कौशल भी

ललित गर्ग

राहुल गांधी लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता बन गये हैं, यह उनका पहला संवैधानिक पद है, इससे पहले वे कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे हैं। इस बड़े पद के साथ उनकी जिम्मेदारियां भी बढ़ जायेंगी। दस वर्षों बाद लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता का पद मिला है। वैसे इस बार के चुनाव एवं चुनाव में मिली शानदार जीत के बाद राहुल गांधी का न केवल आत्मविश्वास बढ़ा है, बल्कि उनमें राजनीतिक कौशल एवं परिपक्वता भी देखने को मिल रही है, इससे यह प्रतीत होता है कि वे प्रतिपक्ष नेता के पद के साथ न्याय करते हुए अपनी राजनीति को चमकायेंगे एवं रसातल में जा चुकी कांग्रेस को सुदृढ़ करेंगे। वैसे देखा गया है कि प्रतिपक्ष के नेता बनने वाले अधिकांश लोग प्रधानमंत्री तक पहुंचे हैं। लेकिन राहुल गांधी को इसके लिये अभी लम्बा संघर्ष करना होगा, परिपक्व राजनीति एवं देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी को साबित करना होगा। निश्चित ही राहुल गांधी का कद बढ़ा है और अब वे स्वल्प समय में ही कद्दावर नेता की तरह राजनीति करने लगे हैं। राहुल को देशभर में निकाली यात्राओं एवं चुनाव प्रचार में निभाई सशक्त भूमिका ने मजबूती दी है। राहुल की राजनीति को चमकाने में कन्याकुमारी से कश्मीर तक की 'भारत जोड़ो यात्रा' के अलावा मणिपुर से मुंबई तक की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। अब प्रतिनेता के रूप में उनकी एक नई यात्रा शुरु हो रही है जो उन्हें नई राजनीतिक ऊंचाई दे सकती है। देश को 10 साल बाद राहुल गांधी के रूप में विपक्ष का नेता मिला है, जो संसदीय राजनीति के लिए एक अच्छी खबर है। इससे लोकतंत्र को मजबूती मिलेगी एवं जनता की आवाज को जोरदार तरीके से उठाने एवं सरकार की नीतियों-योजनाओं पर तीखी नजर रखने एवं प्रभावी सवाल उठाने की स्थितियों को बल मिलेगा। लेकिन विपक्ष की नुमाइंदगी का मतलब यह नहीं कि वह हर मामले में सत्ता पक्ष के खिलाफ हो, बल्कि यह है कि वह हमेशा जनता के साथ हो और उसकी ओर से मुद्दे उठाए। नेता प्रतिपक्ष पद से सरकार के साथ ही विपक्ष पर भी जवाबदेही का दबाव बढ़ता है। राहुल की सुविधाएं बढ़ने के साथ जिम्मेदारियां भी बढ़ गयी है। 16वीं और 17वीं लोकसभा में कांग्रेस या अन्य विपक्षी दलों के पास इस पद के लिए आवश्यक 10 प्रतिशत सदस्य नहीं थे। कांग्रेस

ने इस बार लोकसभा चुनाव में 99 सीट जीतकर इस पद को हासिल किया है। नेता प्रतिपक्ष के तौर पर राहुल गांधी केंद्रीय सतर्कता आयोग, केंद्रीय सूचना आयोग और राष्ट्रीय मानवाधिकार से जुड़े चयन के अलावा लोकपाल, मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) निदेशक जैसी प्रमुख नियुक्तियों पर महत्वपूर्ण पैनल के सदस्य भी होंगे। प्रधानमंत्री इन पैनल के प्रमुख होते हैं। नेता प्रतिपक्ष के रूप में राहुल गांधी को लोकसभा में पहली पंक्ति में सीट मिलेगी। यह सीट डिप्टी स्पीकर की सीट के बगल वाली होगी। इसके अलावा संसद भवन में सचिवीय तथा अन्य सुविधाओं से युक्त एक कमरा भी मिलेगा। विपक्ष के नेता को औपचारिक अवसरों पर कुछ विशेषाधिकार भी प्राप्त होते हैं। एक केन्द्रीय मंत्री को मिलने वाली सभी सुविधाएं राहुल गांधी को मिलेगी। राहुल गांधी इस बार उत्तर प्रदेश के रायबरेली लोकसभा क्षेत्र से निर्वाचित हुए हैं। इससे पहले वह लोकसभा में केरल के वायनाड और उत्तर प्रदेश के अमेठी का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। वह पांचवीं बार लोकसभा पहुंचे हैं। इस बार के लोकसभा चुनाव ने कांग्रेस पार्टी को पुनर्जीवन दिया है। इस बार के चुनाव परिणाम ने कांग्रेस एवं उसके नेता राहुल को मनोवैज्ञानिक लाभ पहुंचाया है, जो उनके लिए एक बड़ी उपलब्धि बनी है। इससे कांग्रेस ने अपना आत्मविश्वास फिर से पा लिया है, जो कोई छोटी बात नहीं। और यह राहुल और प्रियंका गांधी की गतिविधियों में साफ झलकता है। साथ ही, अब इस बात को लेकर भी कांग्रेस में कोई दुविधा नहीं रह गई है कि गांधी परिवार ही सर्वोच्च है और पार्टी पर उसका पूरा नियंत्रण होगा। इसका यह भी मतलब है कि टीम-राहुल का सभी मामलों में फैसला अंतिम होगा। पार्टी अध्यक्ष पद छोड़ने के बाद से राहुल के पास कांग्रेस की कोई जिम्मेदारी नहीं थी। सदन के भीतर पहली बार वह कोई पद संभालने जा रहे हैं। ऐसे में राहुल के सामने चुनौती होगी कि वह किस तरह पूरे विपक्ष को साथ लेकर चलते हुए रचनात्मक विरोध की भूमिका को आकार देते हैं। कांग्रेस का सबसे बड़ा काम दलित और पिछड़े मतदाताओं ने यूपी में जो उनकी मदद की है, उनका विश्वास बनाए रखने का है। यह बड़ी सचाई है कि आज भी देश के महत्त्व के राज्यों में भाजपा को क्षेत्रीय दल शिकस्त दे रहे हैं। अगर क्षेत्रीय दलों के साथ कांग्रेस का गठजोड़ बना रहे, तो ही भाजपा पर दबाव आएगा। बड़ा सच यह भी है कि न भाजपा बदली है ना उसकी विचारधारा। भाजपा एवं नरेन्द्र मोदी को भले ही चुनावों में पूर्ण बहुमत न मिला हो, लेकिन वह ही आज ताकतवर है। यह भी समझना होगा कि भाजपा विपक्ष की ताकत से नहीं, बल्कि सरकार की बड़ी गलतियों एवं पार्टी के अति उत्साह से नुकसान में पहुंची है। यह भी एक तथ्य है कि मुस्लिमों के सक्रिय-समर्थन के बिना कांग्रेस को कामयाबी नहीं मिल सकती थी। निश्चित ही मुसलमानों के वोट की अहमियत कुछ-कुछ सीटों पर हार-जीत का फैसला कर गई है। भाजपा अपनी आगे की रणनीति इसी आधार पर बनाएगी और वो पिछले चुनावों के जैसी ही होगी। मतलब कि भाजपा कोई नई भाषा नहीं बोलने वाली है। वह आरोप लगाती रहेगी कि कांग्रेस अल्पसंख्यकों का तुष्टीकरण करती है। कांग्रेस के सामने चुनौती होगी कि वो इस आरोप को अपने पर आने न दे, ताकि भाजपा हिंदुओं के हितों की एकमात्र रक्षक है, ऐसा दावा ना कर सके। कांग्रेस को इस हिंदू-मुस्लिम राजनीतिक बवंडर से बचने के लिये अपनी रणनीति को बनाना होगा। बिना हिन्दू वोट के कांग्रेस सफल राजनीतिक पारी नहीं खेल सकती है। इसके साथ ही कांग्रेस को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सफलता और निष्फलता का सही आकलन कर लेना जरूरी है। जनता के समक्ष अपना आत्मविश्वास बढ़ाए रखना अच्छी बात है, लेकिन मोदी आज जिस जमीन पर खड़े हैं, जनता के बीच उनकी जो स्वीकार्यता है उसका सही आकलन करना कांग्रेस की आगे की रणनीति के लिए बेहद जरूरी होगा।

दस वर्षों बाद लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता का पद मिला है। वैसे इस बार के चुनाव एवं चुनाव में मिली शानदार जीत के बाद राहुल गांधी का न केवल आत्मविश्वास बढ़ा है, बल्कि उनमें राजनीतिक कौशल एवं परिपक्वता भी देखने को मिल रही है, इससे यह प्रतीत होता है कि वे प्रतिपक्ष नेता के पद के साथ न्याय करते हुए अपनी राजनीति को चमकायेंगे एवं रसातल में जा चुकी कांग्रेस को सुदृढ़ करेंगे। वैसे देखा गया है कि प्रतिपक्ष के नेता बनने वाले अधिकांश लोग प्रधानमंत्री तक पहुंचे हैं। लेकिन राहुल गांधी को इसके लिये अभी लम्बा संघर्ष करना होगा, परिपक्व राजनीति एवं देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी को साबित करना होगा।

दृष्टि कोण

पंजाब में आसन्न संकट की आहट

इस बार लोकसभा में भाजपा का सफाया हो गया और शिअद एक सीट, कांग्रेस 7 और आप को तीन सीटों पर कामयाबी मिली है। पंजाब के इस आसन्न संकट को देखते हुए केन्द्र सरकार को सुनियोजित तरीके से खालिस्तानियों पर नकेल कसने की रणनीति पर काम करना होगा, ताकि खालिस्तान के उनके ख्वाब को सदैव के लिए खत्म किया जा सके। पंजाब में आसन्न संकट की आहट गत 6 जून को 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' की चालीसवीं बरसी पर कईं खालिस्तान समर्थकों द्वारा अमृतसर स्थित 'हर मन्दिर साहिब/'स्वर्ण मन्दिर' में हर साल की तरह इस बार भी कट्टरपंथी अलगाववादी नेता जनरैल सिह भिण्डरावाले, हरदीप सिह निज्जर, क्षतिग्रस्त अकाल तख्त के चित्र लगी तथा खालिस्तान जिन्दाबाद लिखी तख्तियाँ उठाये, खालिस्तानी झण्डे लिए, 'खालिस्तान जिन्दाबाद' के नारे लगाये, इससे पहले 18वीं लोकसभा चुनाव में इस राज्य से खालिस्तान समर्थक दो निर्दलीय उम्मीदवारों की बडे अन्तर से जीत, यह पंजाब के भावी आसन्न संकट की आहट है। यह सब देखसुनकर पंजाब लोगों में से शायद ही किसी को वुछ आर्यं हुआ होगा। इसका कारण यह है कि पंजाब के लोग यहाँ की इस जमीनी सच्चाईं से भली-भाँति परिचित हैं। वे चाहकर भी इसका विरोध करने की स्थिति में नहीं हैं। वैसे भी खालिस्तानी कईं तरह की हरकतों के जरिए इस राज्य में ये अपनी उपस्थिति दिखाते आए हैं, इसमें खालिस्तान समर्थकों द्वारा चुनाव लड़ना, ऑपरेशन ब्लू स्टार के दिन मातम मानना, दीवारों पर खालिस्तानी नारे लिखना या फिर अपना झण्डा फहराना रहा है। कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन समेत कईं देश उनके बड़े अड्डे बने हुए हैं। इनमें से कनाडा तो बेशर्मा से खुलकर उनकी हिमायत करता आ रहा है। इसी 12 जून को खालिस्तानियों ने इटली के पुगालिया में आयोजित जी-7 सम्मेलन से पहले महात्मा गाँधी की प्रतिमा खण्डित कर उसके नीचे अपने नेता हरदीप सिह निज्जर का नाम लिख दिया। इससे पहले ये कनाडा,अमेरिका में महात्मा गाँधी की प्रतिमाएँ तोड़ने के साथ-साथ हिन्दुओं के मन्दिरों पर खालिस्तानी नारे लिखने और लन्दन स्थित भारतीय उच्चायुत्त कार्यालय पर तोड़फोड़ कर चुके हैं,किन्तु वहाँ की पुलिस ने इनके खिलाफ अपेक्षित कार्रवाईं नहीं की है। इस बार के लोकसभा के चुनाव में खालिस्तान समर्थक प्रत्याशियों को चुनाव लड़न के लिए अमेरिका समेत दूसरे देशों से धन भी मिला है।6 जून, 1984 को हुए ऑपरेशन ब्लू स्टार के बाद खालिस्तानियों के खत्मे के लिए चली मुहिम ने उनकी कमर जरूर तोड़ दी थी, पर वुछ लोगों की मन से अभी तक खालिस्तान का विचार/चाहत का अन्त नहीं हुआ है, क्योंकि लोभ या फिर भय के कारण देश की सभी सियासी परटियाँ इनके खिलाफ खुलकर बोलने से बचती आयी हैं। यहाँ तक कि वुछ परटियों का उन्हें मौन समर्थन भी मिलता रहा है और अब भी प्राप्त हो रहा है। इस साल के बरसी के कार्यव्राम में खालिस्तान समर्थकों में अकाली दल (अमृतसर) के पूर्व सांसद सिमरनजीत सिह मान भी शामिल थे, जो संगरूर लोकसभा सीट से 26 जून, 2022 उपचुनाव में जीते थे, पर इस बार इन्हें आप के प्रत्याशी गुरमीत सिह हेयर ने हरा दिया है। ये न केवल चुनाव हार गए हैं, बल्कि तीसरे स्थान पर रहे हैं। इन्होंने ऑपरेशन ब्लू स्टार के विरोध में 'भारतीय पुलिस सेवा' (आइ.पी.एस.) से त्यागपत्र दिया था। पूर्व सांसद ध्यान सिह मण्ड के गुट समेत विभिन्न संगठनों के कार्यंकर्ताओं ने सिखों की सर्वोच्च संस्था अकाल तख्त पर नारे लगाये। अलगाववादी नेता जनरैल सिह भिण्डरावाले कट्टरपंथी सिख संगठन दमदमी टकसाल का प्रमुख था। 6 जून, 1984 को पंजाब में जनरैल सिह भिण्डरावाले के नेतृत्व में सिख उग्रवाद को रोकने के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गाँधी के आदेश पर भारतीय सेना द्वारा स्वर्ण मन्दिर पर धावा बोला गया। भिण्डरावाले ने स्वर्ण मन्दिर परिसर में भारी मात्रा में घातक हथियार जमा किये हुए थे। स्वर्ण मन्दिर परिसर में उग्रवादियों को बाहर निकालने के लिए ऑपरेशन ब्लू स्टार के दौरान वह अपने हथियारबद्ध अनुयायियों के साथ मारा गया था। अब जनरैल सिह भिण्डरावाला सरीखा दिखने वाला अमृतपाल सिंह देशद्रोह के आरोप में 'राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम' (एनएसए) में गिरतार और इस समय असम की डिब्रूगढ़ जेल में बन्द है। उसने जेल में रहकर पंजाब की खडूर साहिब लोकसभा सीट से काँग्रेस के प्रत्याशी वुलबीर सिह जीरा को 1.97 मतों से जीत हासिल की है। इसके अलावा प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गाँधी के अंगरक्षक रहे और उनके हत्यारे बेअन्त सिह का बेटा सरबजीत सिह खालसा फरीदकोट साहिब लोकसभा (सुरक्षित सीट) से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में जीता है।

कुछ अलग

चीन द्वारा मानव अधिकारों का उल्लंघन

हांगकांग में लोकतंत्र की हत्या, ऊइगर मुसलमानों पर अत्याचार एवं हांगकांग के मीडिया मुगल जैक मा को हिरासत में लिए जाने को लेकर चीन की भत्र्सना की जा रही है। कहा जा रहा है कि चीन अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के उल्लंघन में अपनी जनता के मानव अधिकारों का हनन कर रहा है। इस संदर्भ में 1948 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार घोषणा पत्र की धाराओं पर पुनर्विचार करना चाहिए। घोषणा पत्र की धारा 29 में व्यक्ति के अधिकारों को प्राथमिक बताया गया है यद्यपि यह भी कहा गया है कि व्यक्ति के अधिकारों को समाज के हित में सीमित किया जा सकता है। लेकिन प्राथमिकता व्यक्ति के अधिकारों की ही बनी रहती है। इसका अर्थ यह हुआ कि व्यक्ति विशेष समाज के हितों के विपरीत तब तक काम कर सकता है जब तक सरकार उसके अधिकारों को सीमित न करें। जैसे छात्रों को सिखाया जाए कि चोरी तब तक की जा सकती है जब तक पुलिस न पकड़े। यह न सिखाया जाए कि चोरी करना गलत है। इसी प्रकार घोषणा पत्र कहता है कि व्यक्ति अपने व्यक्तिगत हितों को तब तक बढ़ा सकता है जब तक समाज उसे न रोके। चाणक्य ने कहा था कि व्यक्ति को परिवार के लिए, परिवार को गांव के लिए और गांव को देश के लिए त्याग देना चाहिए। मानव अधिकार घोषणा पत्र इसके ठीक विपरीत है। व्यक्ति को प्राथमिक रखा गया है जबकि चाणक्य के अनुसार गांव और देश को प्राथमिक रखा जाना चाहिए। इसलिए इस धारा पर पुनर्विचार करने की जरूरत है। घोषणा पत्र की धारा 29.1 में कहां गया है कि व्यक्ति का समाज के प्रति दायित्व है लेकिन इस दायित्व का निर्वाह करना व्यक्ति के लिए अनिवार्य नहीं है। इसलिए व्यक्ति द्वारा समाज के प्रति अपने दायित्व का निर्वाह न भी किया जाए तो भी वह अपने व्यक्तिगत अधिकारों की मांग कर सकता है जैसा कि आतंकवादी करते हैं। इसका परिणाम यह है कि जो व्यक्ति समाज के विपरीत काम करते हैं उनके अधिकारों की रक्षा की जाती है और उनके समाज के विपरीत कार्यो को पर्दे के पीछे छिपा दिया जाता है। घोषणा पत्र की धारा 29.3 में कहा गया कि संयुक्त राष्ट्रीय के सिद्धांतों के विरुद्ध कोईं व्यक्ति कार्यं नहीं करेगा। अब विचार कीजिए कि संयुक्त राष्ट्र के सिद्धांतों में एक प्रमुख सिद्धांत यह है कि सुरक्षा परिषद में पांच स्थायी सदस्य होंगे जिनके पास वीटो पॉवर होगा। शेष 200 देशों को नीचा दर्जा दिया गया है। इसलिए इस असमानता के विरुद्ध आवाज उठाना मानव अधिकार घोषणा पत्र के विपरीत है। एक तरफ घोषणा पत्र संपूर्ण विश्व के नागरिकों के समान अधिकार की बात करता है और वही घोषणा पत्र दूसरी तरफ वुछ विशेष देशों के विशेष अधिकारों को सुरक्षित करता है और संपूर्ण विश्व को इस असमानता के प्रति आवाज उठाने से भी मना करता है। घोषणा पत्र की एक प्रमुख विसंगति आर्थिक असमानता को पुष्ट करने की है। धारा 13 में कहा गया कि किसी भी व्यक्ति को अपने देश की सीमा में यात्रा का अधिकार होगा। धारा 21.2 में कहा गया कि देश की सीमाओं में व्यक्ति को सार्वजनिक सुविधाओं के उपयोग का अधिकार होगा। धारा 22 में कहा क्या कि हर व्यक्ति को देश की सीमा में सामाजिक सुरक्षा जैसे रोटी, कपड़ा और मकान का अधिकार होगा। प्रश्न यह है यदि संपूर्ण विश्व एक ही है तो इन आर्थिक अधिकारों को देश की सीमा में क्यों बांध दिया गया? यानि राजनीतिक अधिकारों में संपूर्ण विश्व एक है। विषय महत्वपूर्ण है क्योंकि राजनीतिक अधिकारों को अंतर्राष्ट्रीय बनाने से अमीर देशों को गरीब देशों में दखल करने का अवसर मिल जाता है जबकि आर्थिक अधिकारों को सीमा के अंदर बांध देने से अमीर देश अपनी अमीरी को सुरक्षित रख सकते हैं। इस पृष्ठभूमि में हमें चीन द्वारा मानव अधिकारों के हनन को समझना चाहिए।

देश दुनीया से

नीट सहित अहम प्रतियोगिताओं में पेपर लीक मामले दुर्भाग्यपूर्ण

पेपर लीक की समस्या सिर्प उत्तर प्रदेश या बिहार जैसे पिछडा समझे जाने वाले राज्यो तक ही सीमित ही नही है। पेपर लीक की समस्या एक महामारी की तरह एक संगठित रूप से संचालित मशीनरी की तरह काम कर रही है, जिसमे छात्र माफिया, कोचिग सेंटर, प्रिसिपल और अधिकारी तक शामिल है। जम्मू से लेकर उत्तर प्रदेश, कर्नाटक से लेकर गुजरात और अरुणाचल प्रदेश तक पिछले 5 वषरे मे पेपर लीक के 41 मामलो की आधिकारिक मामलो मे पुष्टि हुईं है। महामारी की तरह पैली हुईं इस बीमारी को रोकने मे शिक्षा बोर्ड, कर्मचारी चयन आयोग और अन्य भता एजेंसिया पूरी तरह से असफल हुईं है। पता चला है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने अध्यादेश की जरिये इन मामलो को रोकने के लिए आजीवन कारावास समेत एक करोड़ रुपए तक के फाइन का प्रावधान कर दिया है, अब देखना है कि इतनी सख्त सजा के प्रावधान के बावजूद परीक्षाओं के पेपर लीक के मामलो मे कमी आयेगी या नही।

अभी आम चुनावों से वुछ माह पूर्व उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित पुलिस भता परीक्षा के पेपर लीक का मामला थमा ही नही था कि पूरे देश मे मेडिकल की पढाईं के लिए प्रवेश के लिए आयोजित होने वाली परीक्षा नीट मे भारी गड़बड़ी और पेपर लीक के मामले ने पूरे देश मे मेडिकल मे प्रवेश के इच्छुक छात्रों के मन मे निराशा और अशांति पैला दी है। पेपर लीक की समस्या सिर्प उत्तर प्रदेश या बिहार जैसे पिछडा समझे जाने वाले राज्यो तक ही सीमित ही नही है। पेपर लीक की समस्या एक महामारी की तरह एक संगठित रूप से संचालित मशीनरी की तरह काम कर रही है, जिसमे छात्र माफिया, कोचिग सेंटर, प्रिसिपल और अधिकारी तक शामिल है। जम्मू से लेकर उत्तर प्रदेश, कर्नाटक से लेकर गुजरात और अरुणाचल प्रदेश तक पिछले 5 वषरे मे पेपर लीक के 41 मामलो की आधिकारिक मामलो मे पुष्टि हुईं है। महामारी की तरह पैली हुईं इस बीमारी को रोकने मे शिक्षा बोर्ड, कर्मचारी चयन आयोग और अन्य भता एजेंसिया पूरी तरह से असफल हुईं है। पता चला है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने अध्यादेश की जरिये इन मामलो को रोकने के लिए आजीवन कारावास समेत एक करोड़ रुपए तक के फाइन का प्रावधान कर दिया है, अब देखना है कि इतनी सख्त सजा के प्रावधान के बावजूद परीक्षाओं के पेपर लीक के मामलो मे कमी आयेगी या नही। अब यह समस्या एक सामाजिक समस्या बन गयी है, चुनाव के समय हर राजनीतिक दल अपने अपने समर्थको को मुफ्त की रेविड़यां बांटने की घोषडा करता है जिससे उन्हे वोट मिल सके। पर कोईं भी दल युवाओ को इस तरह का आश्वासन देने की हिम्मत नही करता कि हम देश मे युवाओ को प्रतियोगी परीक्षाओं में निष्पक्ष पारदर्शिता पूर्ण परीक्षा दे पायेंगे। इस मामले मे संघ लोक सेवा आयोग को छोड़कर सारे भता बोर्ड या भता एजेंसिया असफल रहे हैं। वर्ष 2022 मे राजस्थान मे धोखाधड़ी विरोधी कानून भी पारित किया गया और इसमे सजा के तौर पर आजीवन कारावास के प्रावधान को शामिल किया गया। भारतीय संसद द्वारा फरवरी 2024 मे इसी तरह का कानून पारित करने के बावजूद आज भी इस अपराध मे सैकड़ो लोग गिरफ्तार किये गए है। युवाओ के लिए पेपर लीक की घटनाएं पीड़ादायक और विनाशकारी है, यह जिदगी मे रुकावट, तनाव पूर्ण परिवार और तार तार हो जाने वाले को जन्म देती है और राज्य की निष्पक्ष रूप मे भता परीक्षा आयोजित करने मे असमर्थता प्रर्दषित करती हैं और ये राज्य की सेवा मे आयी अक्षमता भी दर्शाती है। जब वेंद्र सरकार के शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान सांसद के रूप मे शपथ लेने जा रहे थे तो पूरे विपक्ष मे नीट नीट के नारे लगाकर उन्हे हूट किया, जो उचित नही है। यह सच है कि सिविल स्रविस और आईं आईं टी के पात नीट देश की सबसे प्रतिष्ठित परीक्षा मानी जाती है और इसके पेपर लीक होना और वुछ सेलेक्टेड लोगो को ग्रेस मार्व देना बहुत ही दुर्भाग्य पूर्ण है। इस समस्या के प्रति सभी दलों को पाटा लाइन से हटकर संजीदगी से रोकने की आवश्यकता है क्योकि एक दूसरे पर दोषारोपण से इस समस्या से छुटकारा नही मिलने वाला। विपक्षी गठबंधन इंडिया की सबसे बड़ी पाटा कांग्रेस को यह समझना चाहिए कि पिछले पांच वषरे मे राजस्थान मे अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली कांग्रेस के कार्यं काल मे सबसे अधिक पेपर लीक हुए और उसी कांग्रेस के सांसद शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को नीट नीट करके हूट कर रहे थे, वही इंडिया गठबंधन के सहयोगी राष्ट्रीय जनता दल के तीन वरिष्ठ नेता लालू यादव, तेजस्वी यादव और राबड़ी देवी पर लैंड फॉर जाब स्वैम्प मे चार्ज शीट दाखिल हो चुकी है। ऐसी घटनाओ से व शिक्षित युवा जिनके पास न पैसा है न जुगाड़ है, निराश और हताश होकर आत्म हत्त्या जैसे कदम उठाते है। एक समय लोक सभा मे अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियो के लिए पदोन्नति मे आरक्षण के लिए बहस चल रही थी और इस बिल के विरोध मे बोलते हुए समाजवादी पाटा के नेता मुलायम सिह यादव ने कहा कि यदि प्रमोशन मे भी आरक्षण दिया गया तो हमे वुशल और दक्ष सचिव और वैबिनेट सचिव स्तर के अधिकारी नही मिलेंगे और मेरे विचार मे श्री मुलायम सिह यादव के विचारों पर बहस या चर्चा की जा सकती है और आरक्षण का विरोध करने वाले यह भी तर्व देते है कि यदि 30™ अंक प्राप्त करने वाले डॉक्टर बनेंगे तो मरीजो का इलाज वैसे होगा। यदि हमे पुलिस और प्रशासन को दक्ष बनाना है तो प्रतियोगी परीक्षाओं मे पेपर लीक और सोल्व गैंग को जड़ से उखाड़ देना होगा, इसके लिए सभी राजनीतिक दलों को अपने मतभेद भुलाकर इस समस्या का हल निकालना होगा। जहां आज हमने पूरे विश्व के समक्ष एक मजबूत आर्थिक शत्ति के रूप मे स्थापित करने मे सफलता पायी है पर वही हम सरकारी नौकरियों और उच्च शिक्षा मे प्रवेश के लिए आयोजित परीक्षाओं मे पूरी निष्पक्षता और पारर्दषिता स्थापित करने मे पूरी तरह से असफल रहे है और यही हमारा दुर्भाग्य है।

आप का नजरीया

जनप्रातिनिधियों के लिए शैक्षिक योग्यता की जरूरत

आज के युग में जहां एक छोटे से पद की नौकरी के लिए लाखों बेरोजगार शिक्षितों की कतार खड़ी होती हो, बहुत सारी टेस्ट तथा प्रातियोगितामूलक परीक्षाओं में सफल होने के बाद ही उन्हें नौकरी मिलती हो, हमारे देश की प्राजातांत्रिक व्यवस्था का एक भद्दा मजाक देखिए, देश के शासन की डोर तथा भाग्यविधाता बनने के लिए कोईं विशेष शिक्षा या योग्यता की आवश्यकता ही नहीं, इसका सीधा प्राभाव, आप माने या नहीं, देश की सारी व्यवस्थाओं पर पड़ता है और शायद आज भारत की गरीबी, बेरोजगारी तथा अव्यवस्था का मूल कारण इसी शिक्षा व्यवस्था का जरूरी न होना, गुणात्मक प्राभाव इसके पिछड़ेपन में नजर आता है। आप बहस कर जीत सकते हैं, पर एक बात मानकर चलिए कि देश सिर्प बाबुओं की मनमानी तथा जनता के प्रातिनिधियों के इसी कारण की वजह से जनता या देश की प्रागति प्राभावित हो रही है और आगे होती रहेगी। दुख है आज की तारीख में इस बात की बहस न प्रिंट मीडिया न ही इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में हो रही। जब एक छोटे से व्यापार या कार्यालय के कार्यंकलाप को संपादित करने के लिए शिक्षात्मक मापदंड अनिवार्यं है तो देश, खासकर भारत जैसे विशाल देश को चलाने के लिए ऐसी व्यवस्था हमारे संविधान में क्यों नहीं की गईं, शायद इसका कारण उस समय के शासनलोभी नेताओं ने अपने लाभ को देखकर न करने की योजना बनाईं होगी। मुझे तो ऐसा प्रातीत होता है कि भारत की राजनीति तीन एमएस (मनी, मुश्किल एवं मैज्योरिटी) के खेल में सिमट गईं है जहां अच्छे प्राशासक, जनप्रातिनिधि जिनमें प्राशासनिक, प्रागतिशील विचारधारा तथा सच्चे नेतृत्व करने की क्षमता हो, ऐसी व्यवस्था ही नहीं की गईं। हो सकता है मेरे इस लेख की आलोचना भी हो पर एक बड़ा देश जो आजादी के 70 वर्षो के बाद भी पिछड़ा बना रहे, जहां की 60 प्रातिशत जनता आज गरीबी रेखा के नीचे, किसी भी आधुनिक सुख-सुविधा से वंचित रहे, अपने आपमें लज्जाजनक बात है। इस बात को थोड़ा और अच्छी तरह समझने के लिए हमें स्वाधीनता से वुछेक दशक पहले जाना पड़ेगा, जब भारतवर्ष बर्मा से अफगानिस्तान तक पैला था। हजारों छोटेछोटे शासकों के बीच एक बड़ा भारतवर्ष, अपनी बहुत सारी अच्छाइयों के लिए विश्व के समृद्ध देशों में इसकी गणना होती थी, जिसे पाने के लिए अरब साम्राज्य यूरोपीय देशों के अलावा कितने शासकों की होड़ लगी रही थी। एक ओर विशाल भारतवर्ष में मौर्यं, गुप्त, मुगल साम्राज्यों ने देश को एक बनाकर रखा तो दूसरी ओर छोटे-छोटे शासकों के बीच वर्चस्व की लड़ाईं, विद्रोह, मतभेद भी रहे। इसका फायदा विदेशों से आए छोटे पर मजबूत यूरोपियन देशों के राजाओं या कहें तो व्यापारियों को मिला और एक बड़ा देश छोटे से देश के राजा/रानी के हाथ चला गया और हमारे विभाजित, कमजोर, मतलबी शासक मूकदर्शक बन बैठे। मैं यहां इस बात की चर्चा इसलिए कर रहा हूं कि देश जिसे हम महान कहते हैं, सैकड़ों वर्षो तक अंग्रोजों के अधीन बना रहा, क्योंकि यहां की जनता या फिर विभाजित शासकों को इस बात का पता ही नहीं चला कि भारत देश हजारों छोटे-छोटे राज्यों या राजघरानों से बना है, उनका शत्रु बगल वाला राजघराना या राजा नहीं और कोईं है।

अपराध मुक्त राजस्थान के निर्माण के लिए नवीन कानून साबित होंगे मील का पत्थर : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से एक जुलाई से लागू हुए नवीन भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम से संविधान की मूल भावना को बल मिला है। पुराने कानूनों में केवल सजा का प्रावधान था, लेकिन अब इन नए कानूनों में न्याय पर जोर दिया गया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार अपराध के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। अपराध मुक्त राजस्थान बनाने तथा शीघ्र एवं सुलभ न्याय के लिए ये कानून मील का पत्थर साबित होंगे। शर्मा सोमवार को नवीन आपराधिक कानूनों को आमजन तक पहुंचाने के संबंध में गृह विभाग की उच्चस्तरीय बैठक ले रहे थे। बैठक में सभी 50 जिलों से पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं सीएलजी सदस्य, सुरक्षा सखी, ग्राम रक्षक और पुलिस मित्र तथा आमजन वर्चुअल रूप से जुड़ें। मुख्यमंत्री ने कहा कि 1860 में बने भारतीय दंड संहिता की जगह भारतीय न्याय संहिता, 1898 में बने दंड प्रक्रिया संहिता के स्थान पर भारतीय नागरिक

सुरक्षा संहिता तथा 1872 में बने एविडेंस एक्ट की जगह भारतीय साक्ष्य अधिनियम के लागू होने से कानून में भारतीयता की आत्मा को दुबारा स्थापित किया गया है। इन नए कानूनों में न्याय की अवधारणा, पीड़ित केंद्रित सोच तथा त्वरित न्याय के सिद्धांत पर बल दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने लाल किले की प्राचीर से कहा था कि हमें जल्द से जल्द गुलामी की मानसिकता और गुलामी के प्रतीक चिह्नों को समाप्त कर नए आत्मविश्वास से भरे नए भारत की स्थापना करनी है। इसके अनुसरण में उन्होंने आज के समय में अनुपयोगी हो चुके पुराने आपराधिक कानूनों को हटाकर उनके स्थान पर नवीन आपराधिक विधियों को लागू करवाया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जो कहते हैं, वो कर के भी दिखाते हैं। शर्मा ने कहा कि नए कानूनों में पीड़ित को जल्द न्याय उपलब्ध कराने और दोषी के स्थान पर पुनर्वास की भावना को प्रधानता दी गई है। साथ ही, महिलाओं, बच्चों तथा ग्रामीणों के हितों को बढ़ावा देने के प्रावधानों को भी शामिल किया गया है। इन नए आपराधिक कानूनों में लिंग निरपेक्ष शब्दों द्वारा लैंगिक समानता को बढ़ावा तथा मानसिक विमंदितों के प्रति बौद्धिक विकलांगता जैसे शब्दों का उपयोग किया गया है। मुख्यमंत्री के कहा कि नवीन आपराधिक विधि में आपराधिक मामले के महत्वपूर्ण चरणों को नियत समय-सीमा में बांधा गया है। नए कानूनों में परिवादी को 90 दिन होने पर मुकदमे की प्रगति से पुलिस को अवगत कराना, प्राथमिक जांच को 14 दिन में सम्पन्न करना, बलात्कार संबंधी मेडिकल रिपोर्ट 7 दिन में प्रदान करना, न्यायालय द्वारा पहली सुनवाई के 60 दिन में आरोप तय करना और विचारण पूरा होने के 45 दिन में निर्णय देने जैसे प्रावधान शामिल हैं, जिससे पीड़ित को त्वरित न्याय मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि नए आपराधिक कानूनों में छोटे-मोटे अपराधों के लिए दंड के स्थान पर सामुदायिक सेवा, ई-चालान, ई-समन जैसे प्रावधान, मॉब लिंचिंग को परिभाषित, ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग, राजद्रोह के कानूनी प्रावधान को समाप्त कर देशद्रोह को स्थान देना जैसे प्रावधानों से देश में न्याय और कानून के शासन को बल मिलेगा। शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक पुलिस थाने पर इन कानूनों की जानकारी के संबंध में डैशबोर्ड लगाया जाए। साथ ही, नवीन आपराधिक विधियों का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करें। बैठक में बताया गया कि सभी पुलिस कार्मिकों को इन नए कानूनों के बारे में प्रशिक्षित किया जा रहा है। अब तक 51 हजार से अधिक पुलिस कार्मिक इन नए कानूनों का प्रशिक्षण ले चुके हैं। साथ ही, आमजन को सरलतम शब्दों में जानकारी देने के लिए जन-जागरूकता अभियान भी संचालित किया जा रहा है। बैठक में गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, पुलिस महानिदेशक यूआर साहू, मुख्य सचिव सुधांश पंत ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) शिखर अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह आनंद कुमार, प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) आलोक गुप्ता सहित पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी तथा वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से सभी जिलों के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी जुड़ें।

राहुल गांधी की हिंदू विरोधी मानसिकता उजागर : राजेंद्र मिश्र

प्रयागराज (हिंस)। भाजपा महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्र ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के वक्तव्य पर अक्रोश एवं विरोध प्रकट करते हुए कहा कि राहुल गांधी की हिंदू विरोधी मानसिकता आज देश के सामने उजागर हो गई है। तुष्टिकरण की राजनीति कांग्रेस की पहचान रही है। हमेशा से इस पार्टी ने हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा हिंदू समाज के बारे में दिए गए वक्तव्य को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं ने घोर निंदा करते हुए कड़ा विरोध जताया है। संसद में पीएम मोदी एवं गृह मंत्री अमित शाह ने तुरंत राहुल गांधी के बयान पर कड़ी आपत्ति जताते हुए उनके इस बयान को गम्भीर बताया। महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्र ने राहुल गांधी को हिंदू समाज से माफी मांगने को कहा। महानगर अध्यक्ष ने कहा कि ये वही पार्टी है जिसने हिंदुओं के अराध्य भगवान श्री राम के अस्तित्व पर प्रश्न उठाया, रामसेतु पर प्रश्न खड़ा किया और अब हिंदू समाज का अपमान ये कहते हुए किया *जो अपने को हिंदू कहते हैं वे हिंसा करते हैं* ये बयान घोर निंदनीय है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी राहुल गांधी के बयान पर विरोध जताया इससे स्पष्ट है की कांग्रेस की मानसिकता किस कदर हिंदू विरोधी है। विरोध जताने वालों में कुंज बिहारी मिश्रा, देवेश सिंह, राजेश गोंड, शिवा त्रिपाठी, मीडिया प्रभारी विवेक मिश्र, आनंद दुबे, राकेश भारती, प्रशांत शुक्ला, नवाब खान, नटवर लाल भारती, रमेश पासी, आनंद जायसवाल, कुलदीप मिश्र सहित अनेक कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी शामिल रहे। पश्चिम बंगाल में अभी कुछ दिन पहले महिला मोर्चा नेत्री की नि:वस्त्र पिटाई का मामला शांत भी नहीं हुआ था कि एक बार फिर सरेआम एक महिला की बर्बर पिटाई का दर्दनाक मामला सामने आया है। भाजपा कार्यकर्ताओं ने इसे ममता सरकार में अत्याचार की पराकाष्ठा बताते हुए कड़ा विरोध जताया है। महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्र ने कहा कि बंगाल में महिलाओं के साथ आए दिन हो रही बर्बरता और उसमें टीएमसी समर्थकों का नाम आना ये ममता बनर्जी सरकार को बेनकाब करने के लिए काफी है। जिस तरह से सोशल मीडिया पर बंगाल में महिला की पिटाई का दृश्य देखा जा रहा है वो बेहद दर्दनाक है।

श्री राष्ट्रीय करणी सेना नए आयाम और नई सोच के साथ राष्ट्रीय कार्य करेगी : शिव सिंह शेखावत

जयपुर (हिंस)। श्री राष्ट्रीय करणी सेना अध्यक्ष शिव सिंह शेखावत ने कहा है कि हम पहले की तरह नहीं, अब नए आयाम के साथ और नई सोच के साथ राष्ट्रीय कार्य करेगी। साथ ही राजपूत समाज के अलावा सभी समाज के लिए कार्य करेंगे। हमें लगातार धमकियां मिल रही है जिस तरीके से गोगामेडी को हत्या की गई, इस तरह मुझे भी बार-बार करने की धमकी दी जा रही है। मगर हम रुकने वाले नहीं और न ही झुकने वाले नहीं है। श्री राष्ट्रीय करणी सेना एक वह सेना है,जिन्होंने राजस्थान की वीर भूमि पर इतिहास रचा है और राजस्थान वीरों की भूमि रही है। राजस्थान राजपूतों की भूमि रही है, वह सभी के साथ है। राष्ट्रीय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव सिंह शेखावत सोमवार को अपने जन्मदिन के अवसर पर चित्रकूट वैशाली नगर स्थित राष्ट्रीय करणी सेना के कार्यालय में मीडिया को सम्बोधित करते हुए बोल रहे थे। राष्ट्रीय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव सिंह शेखावत के जन्मदिन के शुभ अवसर पर सोमवार को फिल्म-बॉलीवुड अभिनेता जोजो उर्फ जीतू वर्मा जयपुर पहुंचे। साथ ही कैबिनेट मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ सहित राष्ट्रीय करणी सेना के सभी पदाधिकारी मौजूद रहे। जिन्होंने मिलकर शिव सिंह शेखावत का फूल में माल-साफा पहनकर भव्य स्वागत किया। वही राष्ट्रीय सहित प्रदेश कार्यकारिणी की नई नियुक्ति भी गई। शिव सिंह शेखावत के जन्मदिन के शुभ अवसर पर कुछ महिलाओं को प्रोत्साहन के तौर पर सिलाई मशीन सप्रेम भेट की। इसके अलावा मरूधरा हॉस्पिटल खातीपुरा की एक डॉक्टरों की टीम द्वारा निशुल्क चिकित्सा परामर्श-शिविर सहित कई जांच की गई। जिसमें सैकड़ों लोगों ने शामिल होकर ब्लड, बीपी, ईसीजी, शुगर सहित कई जांचें करवाई। शेखावत ने मीडिया का धन्यवाद करते हुए कहा कि उनका जन्मदिन होने के कारण उन्हें समय नहीं दे पाया, इसलिए सभी से माफी मांगते है। सभी उनके जन्मदिन में आए प्रदेश के सभी पदाधिकारियों का तेह दिल से आभार जताया।

सहकारिता में विकास की अकूत संभावनाएं : सहकारिता मंत्री

जयपुर (हिंस)। सहकारिता राज्य मंत्री गौतम कुमार दक ने कहा कि सहकारी समितियों को स्थानीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए नवाचारों को अपनाना चाहिए ताकि ग्रामीण जीवन को सरल और सुगम बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि नवाचार का अधिक से अधिक लोगों में प्रचार-प्रसार करें जिससे लोगों में सहकारिता को अपनाने का भाव बढ़े। दक सोमवार को सहकार भवन में एनसीडीसी के क्षेत्रीय उत्कृष्टता एवं श्रेष्ठता पुरस्कार-2023 के पुरस्कार वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एनसीडीसी की श्रेष्ठ कार्य करने वाली सोसायटियों को सम्मानित करने की पहल से प्रदेश स्तर पर अधिक से अधिक कार्य करने के लिए ऊर्जा का संचार होगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की पहल पर 54 नये नवाचार हुए है। सहकारिता में विकास की अकूत संभावनाएं हैं। आवश्यकता यह है कि सहकारिता के माध्यम से ग्रामीण विकास को नये आयाम दिए जाएं। उन्होंने कहा कि

सहकारिता के बैनर के तहत नवाचारों के माध्यम से हम छोटे से छोटे कार्य से लेकर बडे से बडा कार्य कर सकते हैं। आज सहकारी समितियां सुपर स्टोर के संचालन के साथ-साथ पेट्रोल पम्प, गैस एजेन्सी आदि का संचालन कर रही हैं। उन्होंने कहा कि पुरस्कार प्राप्त करने वाली सहकारी समितियां अपने जिले की अन्य सहकारी समितियों को भी उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रेरित करे एवं उनका सहयोग करे। उन्होंने कहा कि सहकारिता में सकारात्मक विचार विमर्श के साथ नई नई योजनाओं को बनाकर क्रियान्वित किया जा सकता है। इसके लिए सहकारिता विभाग के अधिकारी व सहकारजनों को मिलकर काम करना होगा। अजमेर जिला केंद्रीय सहकारी बैंक के अध्यक्ष मदन लाल चौधरी ने कहा कि अब समय आ गया है कि सहकारी संस्थाएं सेवाभाव के साथ-साथ अपने आप को व्यापारिक केंद्र के रूप में विकसित करें। बदलते बाजार प्रतिस्पर्धा के माहौल में अधिक से अधिक नवाचार किए जाए। उन्होंने पुरस्कृत समितियों के पदाधिकारियों को कहा कि वे और भी अच्छा कार्य कर सहकारिता की भावना को जन-जन तक पहुंचायें एवं प्रदेश एवं देश के विकास में अपना योगदान दें। एनसीडीसी के क्षेत्रीय निदेशक सुनील छापोला ने कहा कि एनसीडीसी सहकारिता को आगे बढ़ाने के लिए कार्य करती है। निगम द्वारा पूरे देशभर में सहकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाली समितियों को यह पुरस्कार दिए जाते है राजस्थान की भी कई सहकारी समितियों एवं संस्थाएं राष्ट्रीय स्तर पर भी सम्मानित हुई है। सहकारिता मंत्री ने एनसीडीसी के द्विवार्षिक पुरस्कार समारोह में चार श्रेणियों में उत्कृष्टता और श्रेष्ठता के तहत पुरस्कार दिए गए।

राज्यपाल मिश्र को जन्म दिन पर प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री ने दी शुभकामनाएं

जयपुर (हिंस)। राज्यपाल कलराज मिश्र के जन्म दिन पर सोमवार प्रात: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें फोन कर बधाई और शुभकामनाएं दी। मोदी ने मिश्र के स्वस्थ एवं दीर्घायु होने की कामना करते हुए कहा कि देश की सभी संवैधानिक संस्थाओं में काम करते हुए उन्होंने शुचिता के साथ आदर्श जीवन मूल्यों को जिया है। उन्होंने राज्यपाल के सेवा भाव और राष्ट्र के प्रति समर्पण के साथ कार्य करने को अनुकरणीय बताया।

राहुल गांधी ने भारत माता की आत्मा को लहूलुहान किया है : योगी

लखनऊ (हिंस)। देश की संसद में राहुल गांधी के हिंदुओं पर आए बयान के बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पलटवार किया है। मुख्यमंत्री योगी ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि हिंदू भारत की मूल आत्मा है। हिंदू सहिष्णुता, उदारता और कृतज्ञता का पर्याय है। गर्व है कि हम हिंदू हैं! मुख्यमंत्री योगी ने आगे लिखा कि मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति में डूबी हुई पार्टी, स्वयं को *एक्सीडेंटल हिंदू* कहने वाली जमात के *शहजादे* को यह बात भला कैसे समझ आएगी?

भारतीय न्याय संहिता में सीमा पार आतंकवाद से निपटने के लिए स्पष्ट कानूनी आदेश : डीजीपी

जम्मू (हिंस)। पुलिस महानिदेशक आरआर स्वैन ने सोमवार को कहा कि भारतीय न्याय संहिता जम्मू-कश्मीर में सीमा पार आतंकवाद से निपटने के लिए स्पष्ट कानूनी आदेश प्रदान करती है। श्रीनगर में तीन आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन के अवसर पर संबोधित करते हुए स्वैन ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के संदर्भ में भारतीय न्याय संहिता आतंकवाद की एक उपयोगी परिभाषा प्रदान करती है, क्योंकि यह स्पष्ट रूप से अंतरराष्ट्रीय सीमाओं से परे से उत्पन्न होने वाले आतंकवाद से निपटने के लिए कानूनी आदेश प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि नया संहिता में देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा करने वाले सिंडिकेट की गैरकानूनी गतिविधियों के लिए कोई जगह नहीं है। हम गहराई से जानते हैं कि इन सुधारों को उनकी पूरी क्षमता तक पहुंचाने के लिए अब जिम्मेदारी हमारी है। यह जम्मू-कश्मीर पुलिस पर एक भारी जिम्मेदारी है, जो पिछले 35 वर्षों से आतंकवाद से लड़ रही है, जिससे हमारी मूल नींव कमजोर हो रही थी। स्वैन ने कहा कि कानून के शासन के माध्यम से सार्वजनिक शांति, सुरक्षा और व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है कि शांति और व्यवस्था की झलक हो, ताकि जांचकर्ता, गवाह, अभियोजक और ट्रायल कोर्ट भयमुक्त होकर अपना कर्तव्य निभा सकें। जम्मू-कश्मीर पुलिस को समर्थन देने के लिए नए कानूनों की क्षमता पर राज्य पुलिस प्रमुख ने कहा कि यहीं पर नए कानून एक बूस्टर और महान सक्षमकर्ता बन गए हैं। हमारे जांच अधिकारियों के गुणवत्ता प्रशिक्षण में भारी निवेश करने के अलावा हमने अच्छी जांच को प्राथमिकता देना शुरू कर दिया है और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कानून प्रवर्तन मापदंडों पर जिलों की रैंकिंग शुरू कर दी है। नए कानून हमारे मौजूदा संसाधनों से अधिक की मांग करते हैं जिसके लिए हमारे

कार्यक्षेत्रों को मजबूत करने की आवश्यकता है मुख्य रूप से हमारे मुख्य जांच ढांचे में कानून अधिकारियों को शामिल करके। हमने गृह विभाग से विभिन्न स्तरों पर 321 कानून अधिकारियों के साथ हमें मजबूत करने का अनुरोध किया है। स्वैन ने अतिरिक्त संसाधनों और समर्थन की आवश्यकता के बारे में बताते हुए कहा। उन्होंने कहा कि अब पुलिस स्टेशनों और जिला स्तर पर गिरफ्तारी के आधार के साथ गिरफ्तार व्यक्तियों का रिकॉर्ड रखना अनिवार्य है। इन रिकॉर्डों को डिजिटल रूप से प्रदर्शित किया जाना चाहिए जिससे कानून प्रवर्तन प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही को मजबूत किया जा सके। डीजीपी ने कहा कि नई व्यवस्था में बुनियादी ढांचे में निवेश, डेटा सुरक्षा और प्रौद्योगिकी के दुरुपयोग को रोकने जैसी चुनौतियों का समाधान करने की आवश्यकता है। स्वैन ने नए कानूनों को लागू करने में प्राप्त समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। ये नए कानून न्याय के प्रति हमारे दृष्टिकोण में एक आदर्श बदलाव का प्रतीक हैं। वे एक ऐसी प्रणाली के लिए देश की प्रतिबद्धता को मूर्त रूप देते हैं, जो कुशल और प्रभावी होने के साथ-साथ निष्पक्ष और पारदर्शी भी है।

जिले के सभी थाना में तीन नए आपराधिक कानून लागू होने पर किया गया कार्यक्रम का आयोजन

अररिया (हिंस)। जिले के सभी थाना में तीन नए आपराधिक कानून लागू होने पर आमजनों को हुए बदलाव से अवगत कराने के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संबंधित थाना में थानाध्यक्ष के साथ साथ अनुमंडल स्तर पर अनुमंडल पुलिस अधिकारी ने नए कानून बदलाव को लेकर आमजनों को जानकारी दी। थाना में पदस्थापित महिला पुलिस पदाधिकारियों द्वारा नागरिकों को विशेष रूप से महिलाओ और बच्चों से संबंधित प्रमुख प्रावधानों के बारे में जानकारी दी। मौके पर पुलिस की ओर से नए आपराधिक कानून के अंतर्गत किए गए बड़े बदलाव के संदर्भ में एक पुस्तिका का वितरण आम नागरिकों को उपलब्ध कराया गया। जिले के सभी थाना के साथ अररिया नगर थाना समेत फारबिसगंज आदर्श थाना परिसर में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ने आमजनों को कानून के हुए बदलाव और भारतीय दंड विधान के स्थान भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत नवीन धाराओं के बारे में जानकारी दी।

जुनून और परिवार का समर्थन सफलता देता है : वीरेंद्र कादियान

सोनीपत (हिंस)। गन्नौर के गांव अगवानपुर के लाडले साहिल त्यागी ने हरियाणा सिविल सेवा में 48वां रैंक हासिल कर अपने परिवार व गांव का नाम रोशन किया है। किसान परिवार के साहिल अब असिस्टेंट इंप्लॉयमेंट ऑफिसर के पद पर नियुक्ति होंगे। गांव पहुंचने पर स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया गया। सोमवार को साहिल को बाइकों के काफिले के साथ खुली गाड़ी में बैठाकर घुमाया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता युवा सरपंच मंजीत कुमार ने की, जबकि बतौर मुख्यातिथि के तौर पर मन्नत ग्रुप ऑफ होटल्स एमडी एवं समाजसेवी वीरेंद्र कादियान ने शिरकत की और साहिल को माला पहनाने के साथ बुके भेंट कर स्वागत कर बधाई दी। मुख्यातिथि कादियान ने कहा कि अगर सपनों को पूरा करने का जुनून और परिवार का समर्थन से सफलता मिलती है। साहिल ने यह दिखा दिया कि मेहनत और समर्पण से हर चुनौती का सामना किया जा सकता है। साहिल त्यागी ने कहा कि यदि करने की ठान लें तो कोई भी कार्य मुश्किल नहीं है। बस अपने टारगेट पर फोकस पूरी तरह से होना चाहिए। उसने खुद नौकरी पर रहते सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी जारी रखी।

हिट एंड रन कानून के विरोध में रोडवेज कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

कैथल (हिंस)। हरियाणा रोडवेज कर्मचारी सांझा मोर्चा ने द ट्रांसपोर्ट वर्कर्स यूनियन हरियाणा के आह्वान पर हिट एंड रन कानून के खिलाफ कैथल बस अड्डा पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व डिपो प्रधान महावीर संधू, अमित कुंडू, अनील कुमार व सुनील कुमार ने संयुक्त रूप से किया। संचालन दिलबाग खड़क और कृष्ण गुलियाना ने किया। रोडवेज कर्मचारियों ने कानून के विरोध में नारेबाजी की। ऑल इंडिया रोड ट्रांसपोर्ट वर्कर्स फेडरेशन के पूर्व वर्किंग कमेटी मेंबर एवं द ट्रांसपोर्ट वर्कर्स यूनियन के राज्य कैशियर जसबीर सिंह, कृष्ण कुमार, किच्छाना, विक्रम गुहणा, अमित कुमार कुंडू व महावीर सिंह संधू ने कहा कि भारतीय न्याय संहिता-2023 की धारा (1) व (2) में प्रावधान सजा व जुर्माने के खिलाफ सभी प्रकार के वाहन चालकों में गम्भीर अशांति व दहशत बनी है। इस हिट एंड रन कानून के विरोध स्वरूप नववर्ष 2024 में देश व प्रदेश भर के सभी वाहन चालक 1 से 3 जनवरी तक हड़ताल पर चले गए। 2 जनवरी की रात में गृह विभाग के सचिव ने ट्रांसपोर्टर्स के संगठन (एआईएमटीसी) से बात कर आश्वासन दिया कि सरकार 10 साल की सजा व 7 लाख रुपए जुर्माने के प्रावधानों को लागू करने से पहले उनके साथ चर्चा करेगी। इसके बाद भी ड्राइवरों में अशांति बनी है। उन्होंने कहा कि वाहन चालक दुर्घटनाओं को लेकर काफी चिंतित रहते है। देश व प्रदेश में अधिकतर दुर्घटनाओं के लिए सड़कों की स्थिति, सड़कों के पृथक्करण की कमी, मौसम की स्थिति समेत कई अन्य कारक मुख्य जिम्मेदार होते हैं। यही नहीं नेशनल परमिट वाहनों में डबल ड्राईवर्स का प्रावधान हटा दिया गया है। काम के कोई घंटे निश्चित नहीं है। मार्ग में चालकों के आराम व भोजन इत्यादि की कोई सुविधा उपलब्ध नही करवाई जाती।

जेपी आंदोलन के बाद एक बार फिर बड़े बदलाव की जरूरत : अजय शंकर

नवादा (हिंस)। जन सुराज के जरिए बिहार की राजनीति में प्रशांत किशोर का आगमन एक बड़े और आंदोलनकारी राजनीति की शुरुआत है, जिस बेबाकी और बुनियादी सोच के साथ जन समस्याओं को सामने लाते हैं, यह प्रशांत किशोर का अंदाज बिहार जनमानस को छू जाता है। लिहाजा आज लाखों की संख्या में इनके चाहने वाले हैं। यह बातें सोमवार को नवादा के रजौली अनुमंडल मुख्यालय में प्रोजेक्ट कन्या इंटर स्कूल के समीप 3डी क्लासेस कैंपस में आयोजित एक विचार गोष्ठी को संबोधित करते हुए प्रखर समाजवादी अजय शंकर शरण ने कही। उन्होंने जेपी आंदोलन की चर्चा करते हुए कहा कि बिहार को एक बार फिर राजनीतिक बदलाव की जरूरत है। बिहारी जनमानस अवसाद से ग्रसित हो गया है। इससे निकलने के लिए प्रशांत किशोर की राजनीतिक तत्परता और सूझबूझ निहायत ही सराहनीय प्रयास है। जरूरत आम जनमानस को इनके साथ होने की है। विचार गोष्ठी को संबोधित करते हुए रमाशंकर उर्फ गप्पू सिंह ने कहा कि प्रशांत किशोर जिस भावना के साथ बिहार की समस्याओं को लेकर निकले हैं इसके समाधान के लिए हमें उनके कदम से कदम मिलाकर चलना होगा। यही इसके समाधान का बेहतर तरीका है। कार्यक्रम को मथुरासिनी इंटर कॉलेज के पूर्व प्रधानाचार्य आनंद देव पांडेय ने भी संबोधित किया। इन्होंने कहा कि बिहार इन दिनों शैक्षणिक अराजकता से गुजर रहा है। इससे निपटने के लिए छात्रों को आंदोलित होने की जरूरत है।

महिला पंचायत में महिलाओं ने ली शिक्षा के नाम पर वोट देने की शपथ

हिसार (हिंस)। आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता उमेश शर्मा के नेतृत्व में छठी महिला पंचायत नलवा विधानसभा के पायल गांव में आयोजित की गई। पंचायत में शामिल सभी महिलाओं ने शिक्षा के नाम पर वोट देने की शपथ ली। उमेश शर्मा ने सोमवार को आयोजित इस पंचायत में कहा जिस तरह से सरकारी शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद किया जा रहा है उसके खिलाफ हम सबको मिलकर आवाज उठानी होगी। जेबीटी शिक्षक की भर्ती एचकेआरएन के माध्यम से की जा रही है, 337 स्कूलों में पोर्टल पर 503 शिक्षकों के पद खत्म कर दिए हैं जिसके खिलाफ प्राथमिक शिक्षक संघ आंदोलन की चेतावनी दे रहा है। हर तरफ भ्रष्टाचार फैला है। कल ही रिपोर्ट आई है कि 2014-16 तक चार लाख फर्जी छात्रों का रेजिस्ट्रेशन करके उनके भत्ते के पैसे हड़प कर लिए गए। 538 स्कूल में शौचालाय नहीं है, 28 हजार शिक्षकों की कमी है जब इतनी वीभत्स स्थिति में शिक्षा

व्यवस्था है तो हमारे बच्चे कैसे पढ़ेंगे। पंचायत में एक महिला ने बताया कि उसकी बेटी को नवमी में तीन बार फैल करके घर बैठा दिया, आठवीं के बच्चे को गिनती तक नहीं आती, प्राइवेट के पैसे नहीं हैं, सरकारी में पढ़ाते नहीं हम कहां जाएं। ये आपबीती महिला ने पंचायत में सुनाई। उमेश ने कहा कि सबसे बड़ी बात है की कोई इस दुर्दशा पर बोलना नहीं चाहता, कोई उस मां की बात नहीं करना चाहता जिसके बेटे-बेटियां इस बर्बाद व्यवस्था की भेंट चढ़ रही है, क्यों कोई नेता से उनके बच्चों की शिक्षा की मांग नहीं कर रहा। ये सवाल आज महिला पंचायत के माध्यम से गांव-गांव उठाए जा रहे है उमेश शर्मा ने पंचायत में उपस्थित गांव के सभी लोगों से आह्वान किया कि अगर बच्चे आपके नहीं पढ़ रहे तो आपको ही इसके लिए खड़ा होना होगा। अपने अधिकारों के लिए आपको लडना होगा। इस गली-सड़ी व्यवस्था को बदलना ही होगा। आप सभी की तरह दिल्ली और पंजाब के लोगों ने भी ऐसा परिवर्तन किया था जिससे आज वहां गरीब का बच्चा पढ़कर कामयाब हो रहा है। दिल्ली के सरकारी स्कूल के बच्चों का रिजल्ट प्राइवेट स्कूल से बेहतर आ रहा है।

विवादों से जूझ रहे बोइंग ने स्पिरिट एयरोसिस्टम्स के अधिग्रहण का एलान किया, 4.7 अरब डॉलर में सौदा

नई दिल्ली।
विवादों से जूझ रही हवाई जहाज निर्माता कंपनी बोइंग ने 4.7 अरब डॉलर में विनिर्माण फर्म स्पिरिट एयरोसिस्टम्स के अधिग्रहण की घोषणा की है। स्पिरिट एयरोसिस्टम्स पहले से ही बोइंग की विनिर्माण श्रृंखला का हिस्सा है।

वर्जीनिया के आर्लिंगटन में स्थित बोइंग ने देर रात एक बयान में इस खरीदारी की घोषणा की है। कंपनी ने कहा कि इस अधिग्रहण का इक्विटी मूल्य 4.7 बिलियन डॉलर यानी प्रति शेयर 37.25 डॉलर है।

सौदे का कुल मूल्य लगभग 8.3 बिलियन डॉलर है, जिसमें स्पिरिट की ओर से रिपोर्ट किया गया शुद्ध ऋण शामिल है।

स्पिरिट ने अपनी वेबसाइट और सोशल मीडिया पर भी इस सौदे की घोषणा की है। बोइंग के अध्यक्ष और सीईओ डेव कैलहोन ने बयान में कहा, हमारा मानना है कि यह सौदा उड़ान भरने वाले लोगों, हमारे एयरलाइन ग्राहकों, स्पिरिट और बोइंग के कर्मचारियों, हमारे शेयरधारकों और देश के सर्वोत्तम हित में है।

स्पिरिट एयरोसिस्टम्स पहले भी बोइंग के स्वामित्व में था और अब अधिग्रहण के बाद एक बार फिर बोइंग के तहत कंपनी के आने से विमान निर्माता के विमानों की गुणवत्ता और सुरक्षा में सुधार होगा। बोइंग फिलहाल नियामकों और कांग्रेस की जांच के दायरे में है। कैलहौन ने कहा, स्पिरिट को फिर से एकीकृत करके, हम अपनी सुरक्षा और गुणवत्ता प्रबंधन प्रणालियों सहित अपने वाणिज्यिक उत्पादन प्रणालियों और हमारे कार्यबल को समान प्राथमिकताओं, प्रोत्साहनों और परिणामों के लिए इस्तेमाल कर सकेंगे। यह फैसला सुरक्षा और गुणवत्ता पर केंद्रित हैं।

न्यूज ब्रीफ

100 रुपये पर आया आईपीओ, 311 पर हुई लिस्टिंग; एक ही दिन में निवेशकों को 211 फीसदी का मुनाफा

नई दिल्ली। शिवालिक पावर कंट्रोल के आईपीओ ने बंपर रिटर्न देकर निवेशकों को मालामाल कर दिया है। इसका आईपीओ 100 रुपये के इश्यू प्राइस पर आया था और लिस्टिंग 311 रुपये पर हुई। इसका मतलब कि आईपीओ निवेशकों को 211 फीसदी का बंपर रिटर्न मिला है। शिवालिक पावर का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 24 जून से 26 जून तक के लिए खुला था। इश्यू 250 गुना से अधिक सब्सक्राइब हुआ। कंपनी ने आईपीओ में 64.32 लाख फ्रेश शेयर बेचे। वह आईपीओ से मिली रकम का इस्तेमाल अन्य कंपनियों को खरीदने के लिए करेगी। साथ ही, पूंजीगत व्यय समेत दूसरे कामकाजी खर्च भी देखे जाएंगे। क्या करती है शिवालिक पावर शिवालिक पावर कंट्रोल इलेक्ट्रिक पैनल बनाती है। इनका इस्तेमाल ट्रांसफार्मर और जनरेटर जैसे विद्युत उपकरणों में किया जाता है। शिवालिक ट्रेक्नोलॉजी ड्रिवन कंपनी है, जो पिछले दो दशक से बिजनेस कर रही है। इसका क्वालिटी, डिजाइन और प्रोडक्ट डेवलपमेंट पर दमदार पकड़ है। शिवालिक के प्रोडक्ट पोर्टफोलियो में पीसीसी पैनल्स, आईएमसीसी पैनल्स, स्मार्ट पैनल्स, एमसीसी पैनल्स, डीजी सिंक्रनाइजेशन पैनल्स और आउटडोर पैनल्स जैसी चीजें भी शामिल हैं। इसके प्रोडक्ट नेपाल, बांग्लादेश, युगांडा, केन्या, नाइजीरिया और अल्जीरिया समेत 15 से अधिक देशों में निर्यात होते हैं। कैसे है कंपनी की वित्तीय सेहत शिवालिक की वित्तीय सेहत लगातार बेहतर हो रही है। पिछले तीन साल से इसके मुनाफे में जोरदार ग्रोथ देखी जा रही है। वित्त वर्ष 2021 में कंपनी का शुद्ध मुनाफा 67.28 लाख रुपये रहा। वित्त वर्ष 2022 में यह 1.75 करोड़ रुपये और फिर वित्त वर्ष 2023 में 7.16 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का रेवेन्यू सालाना 25 फीसदी से अधिक की चक्रवृद्धि दर से बढ़कर 82.69 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। अगर सिर्फ पिछले वित्त वर्ष यानी 2023-24 की बात करें, इसकी अप्रैल-दिसंबर तिमाही में शिवालिक को 7.60 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा हुआ। वहीं रेवेन्यू 63.79 करोड़ रुपये रहा।

भारत सबसे बड़ा विवाह स्थल, हर साल होती हैं एक करोड़ तक शादियां जेफरीज की रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली। भारत दुनिया का सबसे बड़ा विवाह स्थल है। यहां हर साल 80 लाख से एक करोड़ शादियां होती हैं, जबकि चीन में 70-80 लाख और अमेरिका में 20-25 लाख विवाह होते हैं। खास बात है कि आम देशवासी शिक्षा (स्नातक तक) की तुलना में विवाह समारोह पर दोगुना खर्च करते हैं। अमेरिकी जैसे देशों में यह खर्च शिक्षा की तुलना में आधे से भी कम है। ब्रोकरेज फर्म जेफरीज की रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय विवाह उद्योग का आकार करीब 10 लाख करोड़ रुपये का है। यह अमेरिका के विवाह उद्योग का लगभग दोगुना है। हालांकि, चीन की तुलना में छोटा है। अमेरिका में विवाह उद्योग का आकार 5.84 लाख करोड़ रुपये (70 अरब डॉलर) का है, जबकि चीन में यह 14.2 लाख करोड़ (170 अरब डॉलर) का है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय शादी कई दिनों तक चलती हैं और साधारण से लेकर बेहद भव्य तक होती हैं। इसमें क्षेत्र, धर्म और आर्थिक पृष्ठभूमि की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। लाख करोड़ है भारतीय विवाह उद्योग का आकार, अमेरिका की तुलना में करीब दोगुना भारत में एक शादी पर औसतन 12.50 लाख रुपये (15,000 डॉलर) खर्च होते हैं। यह रकम प्रति व्यक्ति या घरेलू आय का कई गुना है। शादियों में होने वाले कुल खर्च में दुल्हन के आभूषणों की हिस्सेदारी आधे से अधिक होती है।

सस्ता हुआ कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर तेल कंपनियों ने 30 रुपये घटाए दाम

नई दिल्ली। कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों में भी बदलाव किया गया है। तेल विपणन कंपनियों की ओर से कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों में संशोधन करने का फैसला किया गया है। 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत में 30 रुपये की कटौती की गई है। दिल्ली में 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की खुदरा बिक्री कीमत 1646 रुपये हो गई है। हाल के महीनों में लगातार वाणिज्यिक सिलेंडर की कीमतों में कटौती की गई है। 1 जून को 19 किलोग्राम के वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत दिल्ली में 69.50 रुपये की कटौती की गई थी, जिससे कीमत घटकर 1,676 रुपये हो गई थी। इससे पहले 1 मई, 2024 को प्रति सिलेंडर 19 रुपये की एक और कटौती हुई थी।

तीन अरब डॉलर जुटाने के लिए देश का सबसे बड़ा आईपीओ लाएगी हुंडई, एलआईसी को पीछे छोड़ने की तैयारी

नई दिल्ली।
दक्षिण कोरिया की वाहन निर्माता हुंडई मोटर की भारतीय इकाई ने अपनी आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के लिए सेबी के पास प्रारंभिक दस्तावेज जमा कराए हैं। कंपनी ने आईपीओ के तहत 14.22 करोड़ शेयर बेचने की पेशकश की है। शेयर बिक्री के लिए सलाहकारों में सिटीग्रुप इंक, कोटक महिंद्रा बैंक, जेपी मॉर्गन चेस एंड कंपनी, एचएसबीसी होल्डिंग्स पीएलसी और मॉर्गन स्टेनली को शामिल किया गया है।

वित्तीय वर्ष 24 में हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड पैसेंजर सेल्स वॉल्यूम के मामले में मारुति सुजुकी के बाद भारत की दूसरी सबसे बड़ी कार निर्माता है। हुंडई का राजस्व 60,000 करोड़ रुपये रहा जबकि इसका मुनाफा 4,653 करोड़ रुपये रहा। यह देश में गैर-सूचीबद्ध कार निर्माताओं में सबसे अधिक है

आईपीओ के माध्यम से हुंडई लगभग 3 बिलियन डॉलर जुटाने की कोशिश करेगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इस आईपीओ के बाद साल के अंत तक संभावित रूप से शेयरों की लिस्टिंग की योजना बनाई गई है। अगर योजना के अनुसार कंपनी का आईपीओ धरातल पर उतरता है तो यह 2022 में आए भारतीय जीवन बीता निगम के 2.5 बिलियन इश्यू को पार करते हुए भारत का सबसे बड़ा आईपीओ बन जाएगा।

कंपनी ने कहा है कि उसने 10 रुपये अंकित मूल्य के 142,194,700 इक्विटी शेयरों की बिक्री का प्रस्ताव दिया है। इसका उद्देश्य स्टॉक एक्सचेंजों पर इक्विटी शेयरों को सूचीबद्ध करने के लाभों को प्राप्त करना है। कंपनी को उम्मीद है कि इक्विटी शेयरों की लिस्टिंग उसकी दृश्यता और ब्रांड छवि को बढ़ाएगी और भारत में इक्विटी शेयरों के लिए तरलता और सार्वजनिक बाजार प्रदान करेगी।

देश की दूसरी सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी हुंडई के आईपीओ प्रस्ताव के अनुसार कंपनी के बिक्री के जारी किए गए शेयरों में 50 प्रतिशत शेयर क्यूआईबी यानी संस्थागत निवेशकों के लिए आरक्षित होंगे। 35 प्रतिशत शेयर खुदरा निवेशकों के लिए आरक्षित रहेंगे। वहीं, 15 प्रतिशत शेयर गैर संस्थागत निवेशकों के लिए आरक्षित होंगे। हुंडई की ओर से दिए गए विवरण के अनुसार अपनी स्थापना के बाद दिसंबर 2023 तक कंपनी ने अपने भारतीय परिचालन में 5.04 बिलियन (रु. 29740 करोड़ लगभग) का निवेश किया है। हुंडई मोटर्स के वित्तीय वर्ष 2023 के आंकड़े बताते हैं कि कैसे दो दशकों में कंपनी को एक लाभ कमाने वाली फर्म में बदला गया। भारतीय शेयर बाजारों में उम्मीद को देखते हुए कंपनी का मानना है कि प्रवर्तकों के लिए अपनी हिस्सेदारी आंशिक रूप से कम करने का यह सही मौका है। कंपनी का भारतीय परिचालन दुनिया के बाकी हिस्सों की तुलना में तेज गति से बढ़ रहा हैं। कंपनी का मानना है कि शेयर बाजार में इसकी लिस्टिंग से इसके मूल्य व पहचान में सुधार होगा।

भारत में 30 लाख यूनिट बिक चुकी है मारुति स्विफ्ट की, हर महीने अच्छी संख्या में बिक रही है ये कार

नई दिल्ली। मारुति स्विफ्ट कार ने जून 2024 तक तेजी से आगे बढ़ते हुए, भारत में 30 लाख यूनिट की बिक्री का आंकड़ा पार कर लिया है। मारुति सुजुकी स्विफ्ट भारतीय ऑटोमोटिव उद्योग में सबसे लोकप्रिय और महत्वपूर्ण नामों में से एक है। मौजूदा समय में अपने चौथे जनरेशन अवतार में, मारुति सुजुकी स्विफ्ट हर महीने अच्छी संख्या में बिक रही है। लोगों को इसका इंजन और परफॉर्मेंस खूब पसंद आता है। यह एक फन-टू-ड्राइव चबैक है जो सिटी ट्रैफिक में आपको मजेदार ड्राइविंग एक्सपीरियंस देती है। स्विफ्ट हैचबैक को पहली बार 2005 में पेश किया गया था और 2013 तक इसकी 10 लाख यूनिट बिक गई थीं। वही, केवल 5 साल बाद 2018 में यह संख्या दोगुनी यानी 20 लाख हो गई। अब वर्तमान में स्विफ्ट अपने चौथे जनरेशन में है और अपने लॉन्च के बाद से अब तक 30 लाख यूनिट की बिक्री हासिल कर चुकी है। चौथे जनरेशन की स्विफ्ट को इसी साल भारत में लॉन्च किया गया था और यह वर्तमान में 6.49 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) की शुरुआती कीमत पर उपलब्ध है। नई स्विफ्ट में बेहतर माइलेज और अधिक आरामदायक और सुरक्षा सुविधाओं के साथ एक बिल्कुल नया 1.2 लीटर का इंजन दिया गया है।इस अवसर पर टिप्पणी करते हुए, मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के मार्केटिंग और बिक्री के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी, पार्थो बनर्जी ने कहा, स्विफ्ट उन लाखों लोगों के लिए एक कार से कहीं बढ़कर है। यह मौज-मस्ती, आज़ादी और उत्साह का प्रतीक रही है। प्रत्येक नई पीढ़ी के साथ, स्विफ्ट ने अत्याधुनिक तकनीक, समकालीन शैली और 'स्विफ्ट डीएनए' की पेशकश करते हुए मानक को ऊपर उठाना जारी रखा है, जो ग्राहकों को आकर्षित करना जारी रखता है। इस उपलब्धि के लिए हम देश भर के सभी स्विफ्ट मालिकों के आभारी हैं। बता दें कि मई 2005 में पहली बार लॉन्च होने के बाद से ही स्विफ्ट भारत में बिकने वाली सबसे लोकप्रिय गाड़ियों में से एक रही है।

जीएसटी के सात साल पूरे; अपीलीय न्यायाधिकरण से विवाद समाधान में आई तेजी, बढ़ा कर संग्रह

नई दिल्ली।
देश में सात साल पहले लागू माल एवं सेवा कर (जीएसटी) से नियमों का अनुपालन आसान हुआ है। साथ ही, कर संग्रह बढ़ने के साथ राज्यों के राजस्व में भी वृद्धि हुईहै।हालांकि, फर्जी चालान और धोखे से पंजीकरण की घटनाएं करदाताओं के लिए अब भी बड़ी चुनौती बनी है। जीएसटी देश में एक जुलाई, 2017 को लागू हुआ था। इसमें 17 करों व 13 उपकरों को समाहित कर प्रणाली को सरल बनाया गया। जीएसटी के तहत पंजीकरण के लिए कारोबार की सीमा वस्तुओं के लिए 40 लाख रुपये और सेवाओं के लिए 20 लाख रुपये तय की गई। वैट के तहत यह सीमा औसतन पांच लाख रुपये से ऊपर थी। जीएसटी प्रणाली ने राज्यों में 495 अलग-अलग प्रस्तुतियों (चालान, फॉर्म, घोषणाएं आदि) को भी घटाकर सिर्फ 12 कर दिया है। खास बात है कि जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण की स्थापना से कारोबारियों के लिए विवाद समाधान प्रक्रिया आसान हुईहै और इसमें तेजी आईहै। जरूरी वस्तुएं सस्ती, बचत में इजाफा जीएसटी के बाद कई जरूरी वस्तुओं पर कर दरें पहले की तुलना में घटी हैं। इससे आम लोगों पर न सिर्फ कर का बोझ घटा है बल्कि बचत बढ़ाने में भी मदद मिली है। हेयर ऑयल और साबुन जैसी आम वस्तुओं पर कर की दर को 28 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी किया गया। बिजली उपकरणों पर अब कर की दर 12 फीसदी है, जो जीएसटी से पहले 31.5 फीसदी लगता था। बिना ब्रांड वाले खाद्य पदार्थ, कुछ जीवन रक्षक दवाएं, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, सैनिटरी नैपकिन, श्रवण यंत्र के पुर्जे और कृषि सेवाओं आदि पर जीएसटी नहीं लगता है। कर के रूप में बढ़ी सरकार की कमाई, पंजीकरण में भी बढ़ोतरी औसत मासिक राजस्व 2017-18 में करीब 90,000 करोड़ रुपये था, जो 2024-25 में बढ़कर 1.90 लाख करोड़ हो गया है। आंकड़ों के अनुसार, जीएसटी ने कर उछाल को 0.72 (जीएसटी से पहले) से बढ़ाकर 1.22 (2018-23) कर दिया है। मुआवजा खत्म होने के बावजूद राज्यों का कर उछाल 1.15 पर बना हुआ है। जीएसटी के बिना वित्त वर्ष 2018-19 से 2023-24 तक राज्यों का राजस्व 37.5 लाख करोड़ होता था। जीएसटी के बाद यह 46.56 लाख करोड़ रुपये है।

भारत में कारोबार बढ़ाने के लिए साझेदार की तलाश कर रही स्कोडा, सीईओ ने बताया कंपनी का प्लान

नई दिल्ली।
कार विनिर्माता कंपनी स्कोडा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी क्लॉस जेलमर ने भारतीय बाजार को कंपनी के लिए यूरोप के बाहर सबसे महत्वपूर्ण बाजार बताया है। उन्होंने कहा है कि भारत में स्कोडा नए मॉडल लाने की तैयारी में है। कंपनी भारत बिक्री नेटवर्क का विस्तार कर रही है। इसके साथ ही जेलमर ने एक महत्वपूर्ण एलान भी किया है। उन्होंने कहा है कि कारोबार बढ़ाने के लिए कंपनी भारत में साझेदारी करने पर भी विचार कर रही है। फॉक्सवैगन समूह की कंपनी भारत में फिलहाल कुशाक और स्लाविया जैसे मॉडल बेच रही है। कंपनी का लक्ष्य अगले साल की शुरुआत में एक बिल्कुल नये कॉम्पैक्ट स्पोर्ट्स यूटिलिटी वाहन (एसयूवी) पेश करना है, जिससे बाजार में उसकी बिक्री लगभग दोगुनी हो सकती है। स्कोडा ऑटो इंडिया ने पिछले साल करीब 49,000 गाड़ियां बेचीं।

भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा यात्री वाहन बाजार है। भारत में पिछले वित्त वर्ष (2023-24) में 42 लाख गाड़ियों की बिक्री हुई। फॉक्सवैगन समूह की कंपनी स्कोडा भारत में इलेक्ट्रिक वाहन भी लाने की योजना बना रही है। यहां स्कोडा ऑटो के वैश्विक मुख्य कार्यकारी अधिकारी क्लॉस जेलमर ने कहा कि वाहन विनिर्माता सीखने और पूरी तरह से ग्राहक-केंद्रित होने के लिए तैयार है, क्योंकि वह यूरोप के बाद भारत को ब्रांड के लिए सबसे महत्वपूर्ण बाजार मानता है। उन्होंने कहा, भारत यूरोप के बाहर हमारा सबसे महत्वपूर्ण साहसिक कार्य स्थान है क्योंकि यही वह स्थान है जहां हमें आगे बढ़ना है। उन्होंने कहा कि भारत स्कोडा ऑटो की वृद्धि रणनीति के लिए महत्वपूर्ण है ।

यूपीआई से ट्रांजैक्शन एक साल में 49 प्रतिशत बढ़ा: जून में 1,389 करोड़ ट्रांजैक्शन हुए, इसके जरिए 2007 लाख करोड़ रुपए की राशि ट्रांसफर हुई

नई दिल्ली।
जून 2024 में यूनिफाइड पेमेंट सिस्टम यानी यूपीआई के जरिए 1,389 करोड़ ट्रांजैक्शन हुए। इस दौरान टोटल 2,007 लाख करोड़ रुपए की राशि ट्रांसफर की गई। ट्रांजैक्शन की संख्या में सालाना आधार पर 49 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

वहीं, इसके जरिए ट्रांसफर की जाने वाली राशि में 36 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। एक साल पहले यानी जून 2023 में 934 करोड़ ट्रांजैक्शन के जरिए 14.75 लाख करोड़ रूपए का लेनदेन हुआ था। वहीं, पिछले महीने की तुलना में ट्रांजैक्शन की संख्या में 1 प्रतिशत और ट्रांसफर की गई राशि में 2 प्रतिशत की कमी आई है।

मई 2024 में यूपीआई के जरिए 20.45 लाख करोड़ का लेनदेन

मई 2024 में यूपीआई के जरिए 1,404 करोड़ ट्रांजैक्शन हुए और इसके जरिए 20.45 लाख करोड़ की राशि ट्रांसफर की गई। यूपीआई को रेगुलेट करने वाली संस्था नेशनल पेमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने ट्रांजैक्शन के आंकड़े जारी किए।

यूपीआई को एनसीपीआई ऑपरेट करता है

भारत में आरटीजीएस और एनईएफटी पेमेंट सिस्टम का ऑपरेशन आरबीआई के पास है। आईएमपीएस, यूपीआई जैसे सिस्टम को नेशनल पेमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ऑपरेट करती है। सरकार ने 1 जनवरी 2020 से यूपीआई ट्रांजैक्शन के लिए एक जीरो-चार्ज फ्रेमवर्क मैंडेटरी किया था।

यूपीआई कैसे काम करता है

यूपीआई सर्विस के लिए आपको एक वर्चुअल पेमेंट एड्रेस तैयार करना होता है। इसके बाद इसे बैंक अकाउंट से लिंक करना होगा। इसके बाद आपका बैंक अकाउंट नंबर, बैंक का नाम या आईएफएससी कोड आदि याद रखने की जरूरत नहीं होती। पेमेंट करने वाला बस आपके मोबाइल नंबर के हिसाब से पेमेंट रिक्वेस्ट प्रोसेस करता है। अगर, आपके पास उसका यूपीआई आईडी (ई-मेल आईडी, मोबाइल नंबर या आधार नंबर) है तो आप अपने स्मार्टफोन के जरिए आसानी से पैसा भेज सकते हैं। न सिर्फ पैसा बल्कि यूटिलिटी बिल पेमेंट, ऑनलाइन शॉपिंग, खरीदारी आदि के लिए नेट बैंकिंग, क्रेडिट या डेबिट कार्ड भी जरूरत नहीं होगी। ये सभी काम आप यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस सिस्टम से कर सकते हैं।

टाटा मोटर्स को टक्कर देने की तैयारी में हुंडई, पंच ईवी के छक्के छुड़ाने आ रही हुंडई की इलेक्ट्रिक कार

नई दिल्ली।
भारतीय ग्राहकों की इलेक्ट्रिक कारों में दिलचस्पी तेजी से बढती जा रही है। यही वजह है कि टेस्ला जैसी दुनिया की कई कंपनियां भारत में इलेक्ट्रिक गाड़ियों को बेचने में दिलचस्पी दिखा रही हैं। वैसे तो भारत में हुंडई भी इलेक्ट्रिक कारों की रेस में पहले से ही मौजूद है लेकिन अब कंपनी देश की दिग्गज इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता टाटा मोटर्स को टक्कर देने की तैयारी में दिख रही है। एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, हुंडई बहुत जल्द भारतीय बाजार में अपनी बजट इलेक्ट्रिक कार को उतार सकती है। बताया जा रहा है हुंडई की ये किफायती इलेक्ट्रिक कार टाटा पंच ईवी के मुकाबले में उतारी जाएगी और इसे रेंज और कीमत से लेकर परफॉरमेंस और साइज तक में कड़ी टक्कर देगी। आइए जानते हैं कैसी होने वाली है हुंडई की ये सस्ती इलेक्ट्रिक कार। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हुंडई की ये नई लेक्ट्रिक कार इन्सटर के नाम से भारत में लॉन्च हो सकती है। कंपनी ने इसका खुलासा बुसान इंटरनेशनल मोबिलिटी शो में किया है। हालांकि, कंपनी ने इसे भारत में लॉन्च करने की योजनाओं का आधिकारिक तौर पर खुलासा नहीं किया है, लेकिन अगर ये कार भारत में लॉन्च होती है तो इसकी टक्कर टाटा पंच ईवी से होगी। टाटा पंच ईवी 10.99 लाख रुपये की शुरूआती कीमत पर उपलब्ध है। वहीं रिपोर्ट्स के मुताबिक, हुंडई इन्सटर को 12 लाख रुपये की शुरूआती कीमत पर लॉन्च किया जा सकता है। हुंडई इन्सटर साइज में पंच ईवी के बराबर होगी। पंच ईवी को टक्कर देने के लिए हुंडई इन्सटर को भी 5-सेंटर लेआउट में पेश करेगी। प्राइस और सीटिंग के लिहाज से इन्सटर का मुकाबला एमजी कॉमेट ईवी से भी हो सकता है।हुंडई इन्सटर में कंपनी बड़ी बैटरी पैक देने वाली है। इसके बेस मॉडल में 42-केडब्ल्यूएच और टॉप मॉडल में 49-केडब्ल्यूएच तक का बैटरी पैक दिया जा रहा है। वहीं, बात करें पंच ईवी की तो कंपनी इसके बेस मॉडल में 25 केडब्ल्यूएच और टॉप मॉडल में 35केडब्ल्यूएच तक का बैटरी पैक दे रही है। वहीं ड्राइव रेंज की बात करें तो सिंगल चार्ज पर इन्सटर में 355 किलोमीटर तक की रेंज मिल सकती है। वहीं, टाटा पंच में 421 किलोमीटर तक की रेंज मिलती है। फिलहाल, हुंडई ने इन्सटर के साथ पेश की जाने फीचर्स का खुलासा नहीं किया है, लेकिन उम्मीद है कि यह पंच ईवी के साथ वर्तमान में पेश की जाने वाली फीचर्स से मेल खाएगी। इंस्टर और पंच ईवी दोनों ही डुअल 10.25-इंच टचस्क्रीन और डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर से लैस हैं। अन्य फीचर्स में डुअल-टोन इंटीरियर, सिंगल पैन सनरूफ, वायरलेस फोन चार्जर, 6 एयरबैग, 360ए कैमरा और ब्लाइंड स्पॉट मॉनिटर शामिल हैं।

सोने और चांदी की कीमतों में नरमी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार की तरह ही घरेलू बाजार में भी सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट आई है। सोने के वायदा भाव 71,550 रुपये जबकि चांदी के वायदा भाव 87,000 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने व चांदी की वायदा कीमतों में गिरावट रही। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का बेंचमार्क अगस्त अनुबंध 24 रुपये बढ़कर 71,606 रुपये पर खुला। यह अनुबंध 71,612 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 71,532 रुपये के भाव पर दिन के निचला स्तर पर पहुंचा। सोने का वायदा भाव इस साल 74,442 रुपये के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंचा। वहीं चांदी के वायदा भाव की शुरूआत कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई अनुबंध आज 187 रुपये नीचे आकर 86,980 रुपये पर खुला। ये एक समय 167 रुपये नीचे आकर 87,000 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। ये 87,068 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 86,906 रुपये के भाव पर दिन के निचले स्तर पर पहुंचा। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही। कॉमेक्स पर सोना 2,336.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला।

रोहित और विराट के एक साथ संन्यास लेने से स्तब्ध था : शमी

नई दिल्ली।

टी20 विश्व कप 2024 चैंपियन बनने के बाद रोहित शर्मा और विराट कोहली ने टी20 फॉर्मेट से संन्यास लेने की घोषणा की। इन दिग्गजों के एक साथ संन्यास लेने के फैसले से न सिर्फ क्रिकेट फैंस बल्कि तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी भी स्तब्ध हैं।

ब्रिजटाउन के केंसिंग्टन ओवल में दक्षिण अफ्रीका पर सात रन की जीत के साथ भारत ने अपना दूसरा टी20 विश्व कप जीता। इसके बाद विराट कोहली को उनकी 59 गेंदों में 76 रन की पारी के लिए प्लेयर-ऑफ-द-मैच पुरस्कार दिया गया। फैंस का शुक्रिया अदा करते हुए विराट ने कहा कि यह उनके अंतरराष्ट्रीय करियर का आखिरी टी20 था।

दाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने अपने टी20 इंटरनेशनल करियर का अंत भारत के लिए इस प्रारूप में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी के रूप में किया, उन्होंने 125 मैचों में 48.69 की औसत और 137.04 की स्ट्राइक रेट से 4188 रन बनाए।

इसके बाद, रोहित ने पोस्ट मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में घोषणा की कि वह भी अपना टी20 इंटरनेशनल करियर यहीं खत्म कर रहे हैं, उन्होंने 159 मैचों में 4231 रन बनाकर अपना टी20 करियर सबसे ज्यादा स्कोर करने वाले खिलाड़ी के रूप में समाप्त किया। उनके नाम पुरुषों के टी20 में सबसे ज्यादा शतकों का रिकॉर्ड भी है।

शमी ने कहा, रोहित शर्मा और विराट कोहली का टी20 से संन्यास लेना एक झटका था। वो भारत के लिए दिग्गज खिलाड़ी रहे हैं, 15-16 सालों तक देश के लिए बेहतरीन प्रदर्शन करते रहे और व्हाइट-बॉल क्रिकेट के बादशाह के रूप में खुद को स्थापित किया।

दोनों का एक साथ संन्यास लेना चौंकाने वाला है, लेकिन यह स्वाभाविक भी है। जब एक खिलाड़ी जाता है, तो दूसरा आता है। हालांकि, टीम में ऐसे सितारों की जगह लेना एक बड़ी चुनौती होगी। मैं रोहित और विराट दोनों को टीम के लिए मैच जीतने, भारत के लिए अद्भुत पारियां खेलने और इस दौरान रिकॉर्ड तोड़ने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं।

भारत की खिताबी जीत पर शमी ने टीम इंडिया और सहयोगी स्टाफ को जीत के लिए बधाई दी और पूरे अभियान के दौरान टीम का मनोबल बढ़ाने के लिए प्रशंसकों का आभार जताया।

शमी ने कहा, विश्व कप का हिस्सा बनने वाले खिलाड़ी भाग्यशाली होते हैं कि उन्हें यह अवसर मिलता है। केवल 10 प्रतिशत खिलाड़ियों को अपने जीवन काल में विश्व कप जीतने वाली टीम का हिस्सा बनने का मौका मिलता है।

भारत की जीत के तुरंत बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा फोन कॉल पर टीम इंडिया को बधाई देने पर शमी ने कहा, मैं वास्तव में सराहना करता हूं कि हमारे प्रधानमंत्री में खेल के लिए जुनून है और वे व्यक्तिगत रूप से टीम को उनकी जीत के बाद बधाई देते हैं। इससे वास्तव में टीम का आत्मविश्वास बढ़ता है।

न्यूज ब्रीफ

खिलाड़ियों की रवानगी से पहले विदाई समारोह में मांडविया बोले- भारत की पदक तालिका में होगा सुधार

नई दिल्ली । पेरिस ओलंपिक की शुरुआत 26 जुलाई से होगी। इससे पहले पेरिस जाने वाले एथलीटों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने आगामी टूर्नामेंट में भारतीय दल द्वारा नया मानदंड स्थापित करने की उम्मीद जताई गई। इस बात पर जोर दिया गया कि हाल के वर्षों में सरकार के लिए खेल प्राथमिकता रहे हैं। इस विदाई समारोह में एथलीटों, भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में खेलों से पहले एथलीटों के समर्थन में सरकार की टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) के बारे में बताया गया। मांडविया ने पेरिस जाने वाले एथलीटों की औपचारिक विदाई और किट के अनावरण के दौरान कहा, मुझे विश्वास है कि यह दल खेलों में भारत के विकास को बनाए रखेगा। हमने 2016 रियो में दो पदकों से बढ़कर तोक्यो में सात पदक हासिल किए। नीरज चोपड़ा के स्वर्ण पदक से भारत तालिका में 67वें से 48वें (स्थान) पर पहुंच गया। मुझे उम्मीद है कि हमारे एथलीट हमें इस बार पदक तालिका में और भी ऊपर ले जाएंगे। पेरिस जाने वाले भारतीय दल की तीन किट (औपचारिक पोशाक, खेल पोशाक, और यात्रा पोशाक) का अनावरण किया गया। मांडविया ने आगे कहा, यह कार्यक्रम सिर्फ किट और औपचारिक पोशाक के अनावरण के बारे में नहीं है, बल्कि उन अरबों भारतीयों के सपनों और आकांक्षाओं का प्रतीक है जो एथलीटों के पीछे एकजुट हैं। आईओए प्रमुख उषा ने कहा कि पेरिस में एथलीटों को सर्वश्रेष्ठ सहायता प्रणाली प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा, हमने डॉ. दिनशॉ पारदीवाला के नेतृत्व में एक मजबूत टीम इकट्ठी की है। इसमें खेल चिकित्सा विशेषज्ञ, कल्याण विशेषज्ञ, पोषण विशेषज्ञ, फिजियोथेरेपिस्ट और एक नींद वैज्ञानिक शामिल हैं। भारतीय दल में करीब 120 एथलीट शामिल हैं, जिनमें भाला फेंक में ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा, 16 सदस्यीय पुरुष हॉकी टीम और रिकॉर्ड 21 निशानेबाज शामिल हैं।

दक्षिण अफ्रीकी टीम अब भी बदल नहीं पायी दबाव में बिखरने की आदत क्लूजनर से क्लासेन तक वही कहानी टीम ने फिर दोहरायी

मुम्बई । दक्षिण अफ्रीकी टीम एक बार फिर दबाव में बिखरने के मिथक को गलत साबित नहीं कर पायी है। टीम को लेकर बड़े मुकाबले में दबाव के बीच बिखरने की जो बातें कहीं जाती रही हैं। वे एक बार फिर टी20 विश्वकप में सही साबित हुई हैं। दक्षिण अफ्रीकी टीम इस टूर्नामेंट में सभी मैच जीतकर फाइनल में पहुंची थी पर इसे बाद भी उसे करीबी मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। इस हार से दक्षिण अफ्रीकी प्रशंसकों के मस्तिष्क में लांस क्लूजनर की यादें फिर ताज हो गयी हैं। ये भी साफ हो गया है कि क्लूजनर से हेनरिक क्लासेन तक हालात नहीं बदले हैं। इसी कारण उसने हाथ में आया हुआ मैच खो दिया। दक्षिण अफ्रीकी टीम को अंतिम 30 गेंदों पर 30 रन की जरूरत थी और 6 विकेट हाथ में थे। उस समय हेनरिक क्लासेन आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे थे।

आईएल टी20 क्रिकेट लीग में खेलेंगे नरेन , रसेल ओर बोल्ट जैसे दिग्गज

दुबई । संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में टी20 अंतरराष्ट्रीय टी20 लीग अगले साल की शुरुआत में होगी। इस लीग के 13 जनवरी से शुरु होने की संभावना है। इसमें अंतराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने वाले खिलाड़ी ही खेल सकते हैं। ऐसे में इसमें दिग्गज क्रिकेटर सुनील नरेन, आंद्रे रसेल , ट्रेंट बोल्ट, एलेक्स हेल्स, मोईन अली, वनिंदु हसरंगा आदि खेलते हुए नजर आयेंगे। इसमें 6 टीमें भाग लेंगीं और 34 मैच खेले जाएंगे। इसमें सभी टीमें एक-दूसरे के खिलाफ दो-दो मैच खेलेंगी। इसके बाद प्लेऑफ मुकाबले होंगे। इस लीग के दौरान ही दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान और बांग्लादेश में टी20 लीग खेली जाएंगी। दक्षिण अफ्रीका की एसए 20लीग 10 जनवरी से 11 फरवरी तक खेली जानी है। वहीं ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग दिसंबर में शुरू होकर 4 फरवरी तक चलेगी जबकि पाक की पीएसएल लीग 9 फरवरी से शुरू हो रहा है।

भयंकर तूफान, एयरपोर्ट बंद, लैंड स्लाइड की चेतावनी... हेरिकेन ने बारबाडोस में मचाई तबाही, कब और कैसे आएगी टीम इंडिया

ब्रिजटाउन।

बारबाडोस के केंसिंग्टन ओवल स्टेडियम में टीम इंडिया ने इतिहास रचा। उसने साउथ अफ्रीका को रोमांचक फाइनल में 7 रन से हराने के बाद दूसरी बार टी20 विश्व कप की ट्रॉफी उठाते हुए 140 करोड़ भारतीय क्रिकेट फैंस का सपना पूरा किया। टीम इंडिया लगभग 3 महीने से क्रिकेट खेल रही है। खिलाड़ी टी20 विश्व कप खेलने से लगभग 2 महीने तक आईपीएल 2024 खेले और देखा जाए तो इस दौरान वे कभी कभार ही घर गए। अब जब विश्व विजेता होने की जंग जीत ली है तो खिलाड़ी स्वदेश आने को बेसब्र होंगे, लेकिन उनकी राह में सबसे बड़ा रुकावट तूफान हेरिकेन रोड़ा बनी।

हेरिकेन बेरिल ने मचाई तबाही, बारबाडोस में होटल में बंद टीम इंडिया

हेरिकेन बेरिल के तेज होने के कारण बारबाडोस हवाई अड्डे को बंद कर दिया गया है, जिसके कारण भारतीय क्रिकेट टीम को अपने होटल के अंदर ही रहना पड़ रहा है। खबर आई थी कि 29 जून को टी20 विश्व कप 2024 जीतने वाली भारतीय टीम के द्वीप राष्ट्र में फंसने की संभावना है। बेरिल के पहुंचने की उम्मीद थी। बेरिल के बारबाडोस में पहुंचने के बाद इसके गंभीर परिणाम होने की आशंका है। रिपोर्ट की मानें तो दूसरा सबसे गंभीर तूफान है।

कर्फ्यू जैसा माहौल, 6 से 9 फीट ऊंची तूफानी लहर का अनुमान

बारबाडोस हवाई अड्डे को बंद कर दिया गया है और कर्फ्यू जैसी स्थिति है, क्योंकि किसी को भी बाहर निकलने की अनुमति नहीं है। टीम इंडिया के खिलाड़ी होटल में फंसे हैं और लाइन में लगकर खाना खाते नजर आए। वाशिंगटन पोस्ट के अनुसार, बेरिल के 130 मील प्रति घंटे से अधिक की हवाओं के साथ विंडवर्ड द्वीप समूह से टकराने की उम्मीद है।

तूफान केंद्र ने 6 से 9 फीट ऊंची तूफानी लहर और 3 से 6 इंच तक बारिश का अनुमान लगाया है। बारबाडोस में 2004 के बाद सबसे खतरनाक तूफान मौसम विभाग के अनुसार, तूफान के कारण बारबाडोस और विंडवर्ड द्वीप समूह में 3 से 6 इंच बारिश होने की उम्मीद है। बेरिल का ग्रेनेडा और सेंट विंसेंट और ग्रेनेडाइंस के विंडवर्ड द्वीप समूह के पास से गुजरना एक शक्तिशाली कैटिगरी 4 तूफान के रूप में इसे 2004 में आए तूफान इवान के बाद से सबसे शक्तिशाली तूफान बना देगा।

एजेंसी ने कहा कि टोबैगो को रेड लेवल की चेतावनी के तहत रखा गया था। सबसे अधिक खतरा त्रिनिदाद और टोबैगो को है।

बारबाडोस की प्रधानमंत्री मिया अमोर मोटली ने द्वीप पर सभी गैर-जरूरी व्यवसायों को बंद करने का आग्रह किया था। बारबाडोस मौसम विज्ञान सेवाओं ने कहा कि बेरिल का केंद्र किसी समय द्वीप के लगभग 75 मील दक्षिण में से गुजरने की उम्मीद है। तूफानी हवाएं, भारी बारिश, बाढ़ और लैंड स्लाइड जैसी गंभीर स्थिति आ सकती है।

बारबाडोस में ऐसा रहा है तूफानों का इतिहास उल्लेखनीय है कि यह अब अटलांटिक महासागर का तीसरा सबसे जल्दी आने वाला प्रमुख तूफान है। सबसे पहले 8 जून, 1996 को तूफान अल्मा आया था, उसके बाद तूफान ऑड्रे आया, जो 27 जून, 1957 को प्रमुख तूफान की स्थिति में पहुंच गया था। इस तूफान ने जून में उष्णकटिबंधीय अटलांटिक में बनने वाले सबसे पूर्वी तूफान का रिकॉर्ड पहले ही बना लिया है, जिसने 1933 में बनाए गए पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। मध्य और पूर्वी अटलांटिक पारंपरिक रूप से अगस्त में ज्यादा सक्रिय हो जाते हैं, आंशिक रूप से इसलिए क्योंकि महासागर के तापमान को गर्म होने और विकासशील प्रणालियों को बढ़ावा देने का समय मिल जाता है।

आईसीसी की विश्वकप टीम ऑफ द टूर्नामेंट में रोहित सहित छह भारतीय खिलाड़ी शामिल

दुबई ।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने विश्वकप की टीम ऑफ द टूर्नामेंट की घोषणा कर दी है। इसमें रोहित शर्मा, हार्दिक पंड्या सहित छह भारतीय खिलाड़ियों को जगह मिली है। हैरानी की बात ये है कि इसमें भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को जगह नहीं मिली है जबकि विराट ने टी20 विश्वकप के फाइनल में शानदार पारी खेलते हुए 76 रन बनाये थे। आईसीसी की इस टीम में भारत की ओर से कप्तान रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, के अलावा ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और अर्शदीप सिंह व जसप्रीत बुमराह और अक्षर पटेल को भी शामिल किया गया है। अफगानिस्तान के 3 खिलाड़ी, वेस्टइंडीज, ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के 1-1 खिलाड़ियों को इस टीम में शामिल किया गया है।

वहीं दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्किया को 12वें खिलाड़ी के तौर पर रखा गया है। दक्षिण अफ्रीक के विश्वकप में 15 विकेट लिए थे।

रोहित की कप्तानी में भारतीय टीम ने पहली बार विश्वकप जीता। रोहित ने इस टूर्नामेंट में 3 अर्धशतकों की सहायता से कुल 257 रन बनाए। वहीं विश्वकप फाइनल में शानदार बल्लेबाजी करने के अलावा डेडिड मिलर का कैच पकड़ कर मुकाबला भारतीय टीम की ओर करने वाले सूर्यकुमार यादव को भी टीम में जगह मिली है। जसप्रीत बुमराह ने विश्व कप में कसी हुई गेंदबाजी करते हुए 4.17 की इकोनोमी से रन दिए और 15 विकेट लिए। इसके अलावा युवा अर्शदीप सिंह ने 17 विकेट लेकर इस विश्व कप में रिकॉर्ड बनाया।

ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस ने 169 रन बनाने के साथ साथ 10 विकेट भी चटकाए। इस कारण उन्हें भी टीम में जगह मिली है। पंड्या के प्रदर्शन भी गेंद और बल्ले से अच्छा रहा। इस कारण उन्हें भी टीम में जगह मिली है। वहीं अफगानिस्तान की ओर से विश्वकप में शानदार शुरुआत करने वाले रहमनुल्लाह गुरबाज को भी इस टीम में रखा गया है। गुरबाज ने तीन अर्धशतकों की सहायता से 281 रन बनाए थे। गुरबाज ने 124.33 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये। इसके अलावा वेस्टइंडीज के विकेटकीपर निकोलस पूरन को भी इस टीम में शामिल किया गया है। निकोलस ने 228 रन बनाये और उनका स्ट्राइक रेट 146.15 रहा। अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने 14 विकेट इस कारण उन्हें भी टीम में जगह मिली है। इसके अलावा अफगान तेज गेंदबाज फजहलक फारूकी ने इस विश्व कप में 17 विकेट लिए।

पंजाब के लिए गर्व का पल, तीन खिलाड़ियों को मिली देश की कमान, क्रिकेट-फुटबॉल और हॉकी की करेंगे कप्तानी

चंडीगढ़।

भारत ने टी20 वर्ल्ड कप पर कब्जा कर लिया है। 13 साल बाद देश को विश्व कप मिला है। इस जीत से पूरे देश में खुशियां हैं। क्रिकेट टीम को हर कोई बधाई दे रहे हैं। सभी खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन किया। अर्शदीप सिंह के प्रदर्शन पर न सिर्फ पंजाब में पूरे देश में भी चर्चा हो रही है। इस बीच पंजाब के लिए एक और गर्व का पल सामने आया है।

पंजाब के तीन खिलाड़ियों को देश की कमान मिली है। तीनों खिलाड़ी अपनी-अपनी टीम की कप्तानी करेंगे। पंजाब के लिए यह ऐतिहासिक क्षण है। इससे पूरा पंजाब गर्व महसूस कर रहा है। इन खिलाड़ियों को मिली कमान बता दें कि कुछ महीने बाद भारतीय टीम जिम्बाब्वे दौरे पर जाएगी। इसके लिए टीम का ऐलान हो गया है। पंजाब के लाल शुभमन गिल को इसकी कमान मिली है। शुभगमन गिल भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे। वहीं, आगामी पेरिस ओलंपिक में हरमनप्रीत सिंह हॉकी टीम की कप्तानी करेंगे।

फुटबॉल टीम की कमान गुरबीर संधू संभालेंगे। पंजाब के लिए यह बड़ी उपलब्धि है। 6 जुलाई से मैच शुरू पेरिस ओलंपिक 2024 और पैरालंपिक खेल फ्रांस में आयोजित अब तक का सबसे बड़ा आयोजन होगा। ओलंपिक खेल 26 जुलाई से 11 अगस्त तक होंगे। वहीं, भारतीय टीम का जिम्बाब्वे दौरा 6 जुलाई से शुरू होगा। इस दिन दोनों टीमें हरारे में पहले टी20 में आमने सामने होंगी। दूसरा टी20 सात जुलाई को हरारे में ही खेला जाएगा। तीसरा मैच 10 को, चौथा 13 को जबकि पांचवां और आखिरी टी20 मैच 14 जुलाई को खेला जाएगा।

अभिषेक शर्मा भी चमके खास बात है कि पंजाब के अभिषेक शर्मा को भी भारतीय क्रिकेट टीम में जगह मिली है। सनराइजर्स हैदराबाद के लिए ओपनिंग करने वाले अभिषेक शर्मा ने आईपीएल 2024 में अपनी ताबतोड़ बल्लेबाज़ी से सभी को दीवाना बनाया था। मूल रूप से अमृतसर के रहने वाले अभिषेक शर्मा ने आईपीएल के 16 मैचों में 32.27 की औसत और 204.22 के बेहद ही शानदार स्ट्राइक रेट से 484 रन बनाए थे।

गाजीपुर के राजकुमार पाल का भारतीय हॉकी ओलंपिक टीम में सिलेक्शन, पेरिस में दिखाएंगे दमखम

गाजीपुर।

पेरिस में होने वाले हॉकी ओलंपिक में गाजीपुर के राजकुमार पाल को भारतीय हाकी टीम से खेलने का मौका मिला है. गाजीपुर की सैदपुर के करमपुर गांव के रहने वाले राजकुमार पाल पहले हाकी खिलाड़ी हैं, जिनका चयन ओलंपिक टीम में हुआ है. राजकुमार को अब 2024 में पेरिस में हो रहे ओलंपिक खेलों में प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा. राजकुमार 16 सदस्यीय टीम में मिडफील्डर के तौर पर खेलेंगे. मेघबरन सिंह स्टेडियम के प्रबंधक अनिकेत सिंह ने प्रेस कांफ्रेंस कर यह जानकारी साझा की।

अनिकेत सिंह ने बताया कि मेघबरन सिंह स्टेडियम के दो खिलाड़ियों राजकुमार पाल और ललित उपाध्याय का चयन ओलंपिक के लिए हुआ है. ललित उपाध्याय मूलरूप से वाराणसी के रहने वाले हैं. ललित पिछले ओलपिंक में कांस्य पदक विजेता भारतीय टीम का हिस्सा रहे. हालांकि ललित ने अपने कॅरियर की शुरुआत इसी स्टेडियम से की थी. वहीं गाजीपुर को राजकुमार पाल के रूप में पहला ओलंपियन मिला है. इसका श्रेय स्टेडियम के संस्थापक स्वर्गीय तेज बहादुर सिंह को जाता है। राजकुमार पाल के दो बड़े भाई जोखन पाल और राजू पाल इसी स्टेडियम के खिलाड़ी रहे हैं. फिलहाल वे स्पोर्ट्स कोटे से सरकारी नौकरी में हैं. राजकुमार पाल के कोच इन्द्रदेव ने बताया कि राजकुमार पाल ने 8 साल की उम्र से खेलना शुरू कर दिया था. बचपन से ही वह बहुत अनुशासित खिलाड़ी रहा है. राजकुमार के अंदर सीखने की ललक शुरू से ही थी. जिसकी वजह से वह लगातार आगे बढ़ता रहा और आज ओलंपिक में जाने वाले गाजीपुर का पहला खिलाड़ी बन गया है।

राजकुमार पाल पिछले चार साल से नेशनल टीम का हिस्सा हैं और इनके बेहतरीन खेल की वजह से ओलंपिक टीम में चयन किया गया है. इससे पहले कई अंतरराष्ट्रीय मैच भी खेले हैं. 2020 में बेल्जियम के खिलाफ अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था. फिलहाल राजकुमार बेंगलुरु में ट्रेनिंग कैम्प अटेंड कर रहे हैं और ओलंपिक की तैयारी कर रहे हैं. 8 जुलाई को राजकुमार हॉलैंड जाएंगे और वहां कुछ प्रैक्टिस मैच खेलेंगे और वहीं से पेरिस के लिए रवाना हो जाएंगे।

जो हो गया उसे छोड़ो, गलतियों से सीखो, मजबूत होकर वापसी करो: सिंधु का ओलंपिक मंत्र

नई दिल्ली।

पेरिस ओलंपिक में अब एक महीने से भी कम समय रह गया है, इसलिए उम्मीदें अपने चरम पर हैं और प्रशंसकों को उम्मीद है कि दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु इस चतुष्कोणीय ओलंपिक में पदकों की हैट्रिक पूरी करेंगी।

लेकिन, सिंधु की पेरिस यात्रा कठिन रही है क्योंकि चोट के कारण लंबी छुट्टी से वापस आने के बाद वह पिछले साल कोई भी खिताब जीतने में असफल रहीं। इस बीच, उन्होंने अपने दक्षिण कोरियाई कोच पार्क ताए-सांग से नाता तोड़ लिया और मलेशिया के हाफ़िज़ हाशिम को नियुक्त किया, लेकिन वांछित परिणाम प्राप्त करने में विफल रहने के कारण छह महीने बाद ही वह अलग हो गईं।

निराशाजनक नतीजों की श्रृंखला के कारण सिंधु विश्व रैंकिंग में शीर्ष 10 से भी बाहर हो गईं। उन्होंने धीरे-धीरे गति पकड़ी और रेस टू पेरिस रैंकिंग सूची में 12वें स्थान पर रहने के बाद लगातार तीसरे ओलंपिक के लिए स्थान पक्का कर लिया।

पेरिस गेम्स के लिए टिकट हासिल करने के बाद, सिंधु ने लगभग एक साल में अपना पहला फाइनल खेला जब वह पिछले महीने मलेशिया मास्टर्स के शिखर मुकाबले में पहुंची जहां वह चीन की वांग झी यी से खिताब हार गईं।

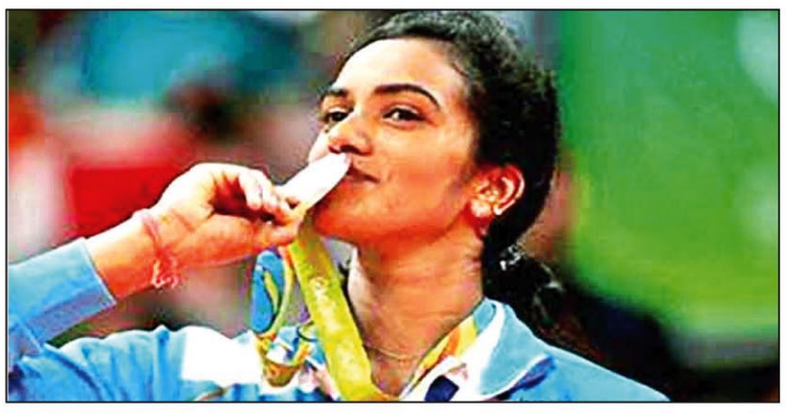

भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा एक मीडिया बातचीत में, जब सिंधु से पूछा गया कि जब वह अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर नहीं थीं, तब उन्होंने उस चुनौतीपूर्ण चरण का सामना कैसे किया, तो उन्होंने कहा कि गलतियों से सीखना, जो हुआ उसे छोड़ना और मजबूत होकर वापस आना महत्वपूर्ण है। देखिए, आप जानते हैं, मुझे लगता है कि ऐसे मैच होते हैं जहां कभी-कभी आप आगे रह सकते हैं और कभी-कभी आप हार भी सकते हैं। मलेशियाई मास्टर्स में मेरे साथ ऐसा हुआ था। ऐसा नहीं है कि मैं अच्छी स्थिति में नहीं थी, लेकिन मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ खेला और कभी-कभी आप नेतृत्व कर रहे होते हैं और ऐसा होता है और यह ठीक है, मुझे लगता है कि यह महत्वपूर्ण है। एक सवाल के जवाब में कहा, मेरे लिए जब मैं कोई मैच हार जाती हूं या जब आपके सामने कोई और प्रतियोगिता आने वाली होती है, तो मुझे लगता है कि यह महत्वपूर्ण है कि आप अपनी गलतियों से सीखें और मजबूत होकर वापस आएं और जो हो गया उसे छोड़ दें और सिर्फ अगले टूर्नामेंट पर ध्यान केंद्रित करें। मेरा मतलब है, हर कोई एक-दूसरे के खेल को जानता है। बात सिर्फ इतनी है कि उस दिन, जो अच्छा खेलता है और सर्वश्रेष्ठ देता है वह विजेता होता है। इसलिए, मलेशिया मास्टर्स में जो हुआ है, मुझे पता है कि यह थोड़ा दुखद है कि मैं वह जीत हासिल कर सकती थी। मैं 11-3 से आगे थी, यह सिर्फ उन 11 अंकों की बात है और मैं चैंपियनशिप जीत सकती थी लेकिन मुझे लगा कि यह मेरा दिन नहीं था क्योंकि मैंने सब कुछ किया और यह काम नहीं आया, लेकिन, यह ठीक है, मैंने जीत हासिल की, कुछ गलतियों से बहुत कुछ सीखा। इस जनवरी में सिंधु ने पेरिस 2024 से पहले अपने नए गुरु प्रकाश पादुकोण के करीब रहने के लिए अपना आधार हैदराबाद से बेंगलुरु स्थानांतरित कर लिया और अपने नए इंडोनेशियाई कोच एगस सांतोसो के साथ प्रशिक्षण शुरू किया। सांतोसो को भारत में कोचिंग का पूर्व अनुभव है। उन्होंने 2020 और 2021 में किदांबी श्रीकांत और बी साई प्रणीत सहित भारतीय एकल खिलाड़ियों के कोच के रूप में कार्य किया और टोक्यो 2020 ओलंपिक के लिए भारतीय बैडमिंटन दल के साथ थे। सिंधु ने कहा, मैं जनवरी से एगस के साथ खेल रही हूं, जाहिर है, कुछ महीने पहले और अब तक यह अच्छा रहा है। एक कोच और एथलीट को एक-दूसरे को समझने में निश्चित रूप से समय लगता है। इसलिए हम इस पर काम कर रहे हैं और एगस पहले से ही पुरुष (एकल) के लिए भारत में थे इसलिए वह जानते हैं कि यह कैसे काम करता है, यह पहली बार है जब मैं और एगस एक साथ काम कर रहे हैं और यह बहुत मजेदार रहा है।

बालों के हिसाब से चुनें शैंपू ...

आजकल बाजार में कई प्रकार के शैंपू और कंडीशनर उपलब्ध हैं तो, ऐसे में सवाल यह उठता है कि आप अपने बालों के हिसाब से कौन सा शैंपू चुनेंगी जो बालों को सूट करे। कभी भी विज्ञापन देख कर शैंपू और कंडीशनर नहीं खरीदना चाहिए। हमेशा देख लें कि जो शैंपू आप खरीदने जा रही हैं, उसमें क्या-क्या सामग्री मिली हुई है। अगर आपके बाल कर्ली हें तो आपको क्रीमी और नमी प्रदान करने वाला शैंपू प्रयोग करना चाहिए। इसमें शिया बटर, जर्म ऑयल और नट ऑयल मिला होना चाहिए। इसके अलावा आपको अल्ट्रा कंडीशनिंग मॉइस्चराइजर लगाना चाहिए। अगर आपके बाल ऑयली है तो आपको क्रीमी शैंपू और कंडीशनर नहीं लगाना चाहिए। ऐसा प्रोडक्ट चुनें जिसमें पेन्थिनॉल मिला हो। यह ऐसा तत्व है जो बालों की मोटाई बढाता है। स्प्रे कंडीशनर का प्रयोग कीजिए जो कि बालों सिर की त्वचा तक नहीं जाता है और केवल बालों तक ही सीमित रहता है। टूटे और रूखे बालों के लिए क्रीमी शैंपू सही होता है। इसके साथ ही रोजाना कंडीशनिंग की भी जरुरत होती है। ऑयली एंड ड्राय बालों में जड़े तो ऑयली रहती हैं लेकिन बालों का आखिरी छोर रूखा रहता है। तो, ऐसे में आपको रोजाना साधारण शैंपू का प्रयोग कर के बाल धोने चाहिए। कंडीशनर का प्रयोग कीजिए लेकिन उसे बालों की जड़ों पर मत लगाइए वरना वह ऑयली हो जाएंगे। सिलीकॉन मिला हुआ कंडीशनर ना प्रयोग करें वरना यह कलर किए हुए बालों को खराब कर सकता है।

देर तक ऐसे टिकाएं लिपस्टिक...

मेकअप में सबसे महत्वपूर्ण स्थान रखने वाली लिपस्टिक ज्यादातर महिलाओं की प्रिय होती है। पर समस्या यह आती है कि लिपस्टिक होठों पर ज्यादा देर तक टिकी नहीं रहती। लिपस्टिक का शेड स्किन टोन से बिल्कुल मैच करते हुए होना चाहिए, तभी वह आपके होठों पर भाएगी। यदि आपको होठों पर लिपस्टिक ज्यादा समय के लिए टिका कर रखना है तो उसे होठों पर लगाने से पहले प्रिटोलियम जैली लगा लें। इस तरह से वह ज्यादा देर तक होठों पर टिकी रहेगी। यदि आप चाहती हैं कि आपकी लिपस्टिक ज्यादा देर के लिए टिकी रहे तो, लगाने के एक रात पहले उसे फ्रिज में रख दें। एक्सपर्ट का मानना है कि ऐसा करने से लिपस्टिक लंबे समय तक होठों पर टिकी रहती है। सही तरह का बेस लगाने के लिए आपको होठ पर हल्का सा पाउडर लगाना चाहिए। पाउडर लगे होठ पर लिपस्टिक लगाएं। ऐसा करने के बाद यदि आप एक कप कॉफी भी पीती हैं तो भी आपकी लिपस्टिक नहीं छूटेगी। मोटे होठों पर डार्क कलर की लिपस्टिक बहुत अच्छी दिखती है और इससे होठ ज्यादा सुंदर और गुलाबी दिखाई देते हैं। अगर आपको होठों पर उभार दिखाने हैं तो उसके किनारे पतली लिप लाइनर लगा कर उसे होठों पर लिपस्टिक के साथ भर लें। बुजुर्ग महिलाओं को लिपस्टिक लगानी है तो वे बोल्ड और डार्क लिपस्टिक न लगाएं। लिपस्टिक के दो शेड्स को कभी नहीं मिला कर लगाना चाहिए।

ऐसे करें आंखों का मेकअप...

आंख हमारे शरीर का वह हिस्सा है, जो सच्ची फिलिंग को व्यक्त करता है। अगर आप इसे और आकर्षक बनाना चाहती हैं तो इनका अच्छे से मेकअप करना होगा। हर किसी की आंखों का आकार एक समान नहीं होता। ऐसे में यह जरूरी हो जाता है कि हम अपनी आंखों के आकार के अनुसार ही मेकअप करें।

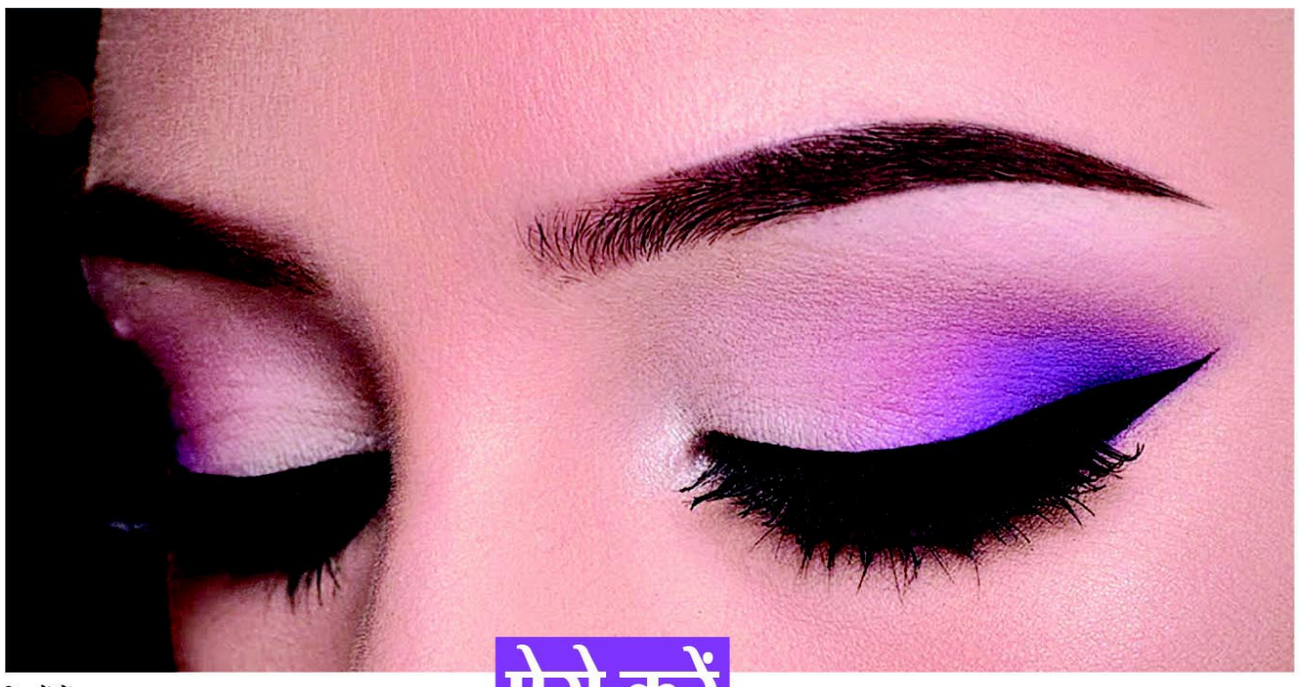

आंखे मानव शरीर के सबसे अहम हिस्सों में से एक है। इसके बिना इस सुंदर दुनिया की सिर्फ हम कल्पना कर सकते। आपकी आंखों का मेकअप हिट भी हो सकता है और फ्लॉप भी। यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप मेकअप कैसे करती हैं और किससे कराती हैं। आप सावधानी से मेकअप करके अपनी आंखों को जीवंत बना सकती हैं। चमकदार आंखें हर जगह चर्चा में रहती हैं और ध्यान भी आकर्षित करती हैं। जब भी आप किसी मेकअप का चुनाव करें तो थोड़ी सावधान रहें। यह जरूर देख लें कि आपका मेकअप आपके आउटफिट से मेल खाता हो। आप चाहे परंपरागत आउटफिट को पसंद करती हों या फिर मॉडर्न आउटफिट को, पर आंखों का मेकअप ही आपको भीड़ से अलग दिखाएगा। यह भी सच है कि हर किसी की आंखों का आकार एक समान नहीं होता। ऐसे में यह जरूरी हो जाता है कि हम अपनी आंखों के आकार के अनुसार ही मेकअप करें। अगर आपकी आंखों का आकार छोटा है तो आंखों का मेकअप इस प्रकार करें कि आपकी आंखें बड़ी लगें। गोल आंखों के लिए डार्क आईशैडो परफेक्ट होते हैं। क्लोज सेट आईज आपस में लगभग सटी हुई लगती हैं। ऐसी आंखों के लिए इनर कॉर्नर पर लाइट आईशैडो और आउटर कार्नर पर इंटेल कलर अप्लाई करें।

गहरी आंखें

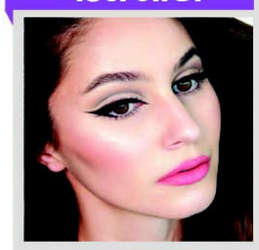

डीप सेट यानी गहरी आंखें भीतर धंसी हुई दिखती हैं। इनमें ब्रो बोन यानी आंखों और भौंहों के बीच की हड्डी का उभार भी कम होता है। इन पर ऐसा मेकअप किया जाना चाहिए जिससे आंखें उभरी दिखें। पलकों पर हलका दबा हुआ पिंक या बेज शैडो लगाना अच्छा रहेगा। आंखों की ऊपरी रेखा यानी क्रीज की तरफ उसे हलका करें। मीडियम-टोंड आई शैडो का इस्तेमाल करें और ब्रो बोन से शुरू करके ब्रो के किनारों तक लगाएं। आंखों के ऊपरी हिस्से में बनी लाइन को स्मोकी-कलर शैडो से गहरा करें। यह पूरे मेकअप से मैच करने वाला हो। और आखिर में काली या भूरी पेंसिल से काजल लगाएं।

क्लोज-सेट आईज

क्लोज-सेट आईज में दोनों आंखों के बीच की दूरी कम दिखाई पड़ती है। यानी नाक से इनकी दूरी जरा कम होती है। इन आंखों के मेकअप के लिए पलकों के भीतरी हिस्से पर हलका और बीच के हिस्से पर मीडियम शेड लगाएं। ऊपरी पलकों के बाहरी किनारों पर एक लाइन सी खींचें। अब ब्रो बोन के बाहरी यानी कान की ओर वाले हिस्से पर गहरा शैडो लगाकर उसे अच्छी तरह एकसार करें। आंखों में ब्लैक काजल लगा सकती हैं। अगर आप मसकारा लगाना चाहती हैं तो भीतरी लैशेज पर हलके रंग का और बाहरी तरफ थोड़ा गहरे रंग को इस्तेमाल में लाएं। बाहरी तरफ उसे थोड़ा उभारने की कोशिश करें और भौंहों की ओर थोड़ा कम उभारें।

एशियन आईज

नाक की तरफ भीतरी किनारों की ओर थोड़ी झुकी हुई आंखों को एशियन आईज कहते हैं। इनमें शैडो का प्रयोग करते समय लेयरिंग इफेक्ट देने के लिए तीन रंगों का प्रयोग करें। आई लैशेज के पास हलका शैडो लगाएं, पलकों पर मीडियम कलर और ब्रो बोंस पर बेहद हलके रंग का प्रयोग करें। आंखों के किनारे लाइन या ऊपरी तरफ क्रीज बनाने से बचें। आई लाइनर का प्रयोग केवल आंखों के ऊपरी हिस्से पर करना बेहतर रहेगा।

वाइड सेट आईज

क्लोज-सेट आई की तुलना में वाइड सेट आईज की दूरी नाक से थोड़ी ज्यादा होती है। इसलिए ऐसे मेकअप की जरूरत होती है जो आंखों को बैलेंस दिखाए। आंखों और नाक के बीच वाले हिस्से पर छोटे ब्लशर ब्रश से अपने स्किन टोन से थोड़ा गहरे टोन पाउडर लगाएं। नाक की तरफ ब्रश करते हुए पाउडर को एकसार करें। ब्रो की बाहरी रेखा पर न्यूट्रल-टोंड हाईलाइटर का इस्तेमाल करें। क्रीज लाइन यानी आंखों के ऊपरी हिस्से पर पडने वाली रेखा पर शेड दें और आंख के भीतरी किनारे यानी नाक की तरफ वाले हिस्से को उभारें। आंख के बाहरी किनारे पर हलके मैट शैडो से ब्रश करके आई मेकअप को पूर्णता दें। मसकारा लगाते समय लैशेज सीधी रखें। उसके बाहरी हिस्से पर दाहिनी तरफ ज्यादा मसकारा लगाएं।

उभरी आंखें

उभरी आंखें यानी कॉन्वेक्स आईज वैसी आंखें होती है जो बाहर की तरफ निकली हुई होती हैं। इसलिए इन्हें बल्जिंग या प्रोट्रूडिंग आईज भी कहते हैं। इन आंखों को मीडियम कलर से गहरे रंग तक के आई शैडो से पलकों पर शेड दें। इन पर कभी भी फ्रॉस्टेड शेड्स या हाईलाइटर न इस्तेमाल करें। इससे आंखें और ज्यादा उभरी नजर आएंगी और आपकी खूबसूरती बिगाड़ सकती है। आंखों के निचले किनारों पर काजल पेंसिल लगाएं। ऊपरी आईलैशेज पर मसकारा के एक-दो हलके कोट्स लगाए जा सकते हैं।

उनींदी आंखें

उनींदी आंखों यानी हूडेड आईज में आईलैशेज बहुत कम होते हैं, वैसी आंखें उनींदी सी लगने लगती हैं। इस तरह की आंखों को ऐसा मेकअप करने की जरूरत होती है जिनसे ये थोड़ी सजग दिखाई दें। सोई-सोई सी या नशीली सी न दिखें। पलकों के भीतरी आधे हिस्से पर मैट या न्यूट्रल कलर का आई शैडो लगाएं। उसके आसपास के हिस्से पर थोडा गहरा रंग लगाएं, लेकिन इसे बाहरी हिस्से में न लगाएं। गहरे रंग के इस्तेमाल से परहेज करें। इससे आपकी पलकें भारी लगने लगेंगी। आंखों के ऊपरी और निचले किनारों पर भी गहरे रंगों का इस्तेमाल न करें। ऊपरी लैशेज को थोड़ा कर्ल करें और मसकारा के एक-दो कोट्स ही लगाएं। ब्रो बोन पर मीडियम शेड्स का इस्तेमाल करें। यहां न तो बहुत चटख और चमकीले रंगों का प्रयोग करें और न ही बहुत हलके रंगों का।

आमंड शेप्ड आईज

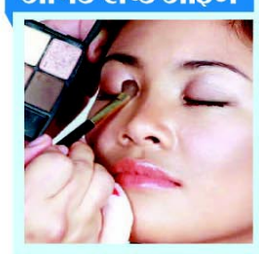

आमंड शेप्ड आईज को सर्वोत्तम माना जाता है। इन्हें कई तरह से सजाया जा सकता है। जैसे बारीक आई लाइनर, कृत्रिम आई लैशेज, ब्राइट कलर्स। सबसे पहले ब्रो बोन में स्किन टोन के मुताबिक हलके रंग का शैडो प्रयोग में लाएं। आई लिड (पलकों) से कुछ शेड गहरा रंग चुनें। आंख के निचले किनारों पर ब्लैक या ब्राउन काजल पेंसिल से रेखा बनाएं। आंखों के बाहरी किनारों की तरफ उभारने की कोशिश करें। अगर आपकी आंखें नीली हैं तो ब्लू पेंसिल का भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

राउंड आईज

राउंड आईज यानी गोल आंखों के लिए गहरे रंग का शैडो चुनें। नाक की ओर से शुरू करके ब्रो के बाहरी तरफ ऊपर ले जाते हुए शैडो को अच्छी तरह एकसार करें। निचली पलक पर हलके टोंड शैडो या पेंसिल का प्रयोग करें और इसे ऊपर की ओर बाहरी हिस्से तक ले जाएं। ब्रो लाइन के पास म्यूटेड हाईलाइटर लगाएं।

छोटी आंखें

आंखें यदि छोटी हैं तो इन्हें बड़ा दिखाने के लिए पलकों के बाहरी किनारे पर ऊपर की तरफ हलके रंग का पाउडर शैडो छोटे ब्लशर की मदद से लगाएं। क्रीज के पास गहरा शैडो प्रयोग करें। लेकिन नाक की तरफ आंखों के भीतरी हिस्से पर कोई रंग न प्रयोग करें, क्योंकि इससे आंखें और छोटी दिखने लगेंगी। किनारों पर शैडो लगाने के लिए ब्रश का प्रयोग करें। इसके बाद आंख के निचले हिस्से पर हलकी ग्रे कलर की काजल पेंसिल से रेखा बनाएं।

निस्तेज आंखें

निस्तेज आंखों के लिए आई मेकअप आंखों के भीतरी हिस्से से शुरू करें। ऊपरी और बाहरी तरफ मीडियम टोंड शैडो ब्रश की मदद से लगाएं। इसे ब्रो लाइन के ठीक पास तक लाकर छोड़ दें। पलकों की बाहरी रेखा पर किसी भी रंग का प्रयोग न करें। लेकिन आंख की ऊपरी क्रीज लाइन को थोड़ा उभारने की कोशिश करें, मीडियम ब्राउन आई शैडो से रेखा बनाएं, फिर अपनी पलकों को थोडा कर्ल करें। मसकारा के कुछ कोट्स भी इसमें मदद करेंगे।

चावल के पानी से चेहरा धोने के फायदे

उबले चावल के पानी यानी मांड के स्वास्थ्य लाभों के बारे में शायद आप जानती होंगी। लेकिन क्या आप जानती हैं कि यह पानी सेहत के लिए जितना फायदेमंद है, त्वचा के लिए उतना ही गुणकारी। जीं हां चावल आपकी खूबसूरती में चार चांद लगा सकता है। त्वचा की देखभाल के लिए घरेलू उपायों का प्रयोग करने वालों को पके चावल के पानी से बहुत फायदा हो सकता है। चावल के पानी का इस्तेमाल त्वचा की देखभाल के लिए भी किया जा सकता है। सप्ताह में एक बार इस घरेलू उपाय का इस्तेमाल करने से सौंदर्य से जुड़ी कई समस्याओं का निदान आसानी से हो जाता है।

त्वचा के लिए चावल का पानी

चावल के पानी में मौजूद प्रोटीन, विटामिन और एंटी-ऑक्सीडेंट की पर्याप्त मात्रा के कारण यह त्वचा में नमी बरकरार रहती है। इसके इस्तेमाल से त्वचा की रंगत निखरती है। चेहरे के दाग-धब्बे और झुर्रियां दूर होती हैं। इसके अलावा माड़ से त्वचा में कसावट आती है और पोर्स टाइट होते हैं। इन खूबियों के चलते यह पानी एक अच्छा क्लींजर भी है।

इस्तेमाल का तरीका

- एक कप चावल को अच्छी तरह से साफ करके पानी में भिगो दें।
- आधे घंटे के बाद जब चावल में मौजूद पोषक तत्व पानी में घुल जाए तो बर्तन को गैस में रख दें और चावल को पकने दें।
- चावल पकने के बाद उसका माड़ निकाल लें और इसे ठंडा होने के लिए छोड़ दें।
- फिर इस पानी से अपने चेहरे पर हल्के हाथों से मसाज करें।
- मसाज करने के 10 मिनट बाद चावल के पानी से ही अपना चेहरा धोकर सूखे कपड़े से चेहरा पोंछ लें।
- आपको तुरंत अपनी त्वचा में बदलाव नजर आने लगेगा।

बालों के लिए फायदेमंद

त्वचा के साथ-साथ बालों के लिए भी चावल का पानी बहुत फायदेमंद होता है। अगर आप पतले और बेजान बालों की समस्या से परेशान है तो चावलों के पानी से बालों को धोएं। चावल के पानी से बालों को धोने से बाल घने होने के साथ-साथ बालों में चमक भी बनी रहती है। चावल के पानी को अपने बालों में लगाकर 20 मिनट के लिए छोड़ दें। फिर शैम्पू और कंडीशनर से धो लें। आप महंगे ट्रीटमेंट के बिना पा सकते हैं, सुंदर और चमकीले बाल। लेकिन इस उपाय को अपनाने से पहले चिकित्सक से सलाह जरूर लें।

बारिश में करें वाटरप्रूफ मेकअप...

अगर आपको बारिश में भीगने का मनकर रहा है तो घबराने की जरूरत नहीं है। बरसात में वाटरप्रूफ मेकअप करना चाहिए। वाटरप्रूफ मेकअप की सब से खास बात यह होती है कि बारिश का पानी भी इस का कुछ बिगाड़ नहीं पाता है। रेन डांस और स्विमिंग पूल में मजा लेते वक्त भी वाटरप्रूफ मेकअप का कमाल दिखता है। पसीना आने पर मेकअप त्वचा के रोमछिद्रों में घुल कर अंदर चला जाता है, जिस से मेकअप बदरंग दिखाई देने लगता है। मेकअप रोमछिद्रों के जरिए शरीर के अंदर न जाए, वाटरप्रूफ मेकअप में यही किया जाता है। त्वचा के रोमछिद्रों को बंद कर के किया गया मेकअप ही वाटरप्रूफ मेकअप कहलाता है।

वाटरप्रूफ मेकअप प्रोडक्ट्स

वाटरप्रूफ मेकअप की बढ़ती मांग को देखते हुए मेकअप प्रोडक्ट्स बनाने वाली कंपनियों ने वाटरप्रूफ मेकअप प्रोडक्ट्स बनाने शुरू कर दिए हैं। इन प्रोडक्ट्स के अंदर ऐसे तत्व डाल दिए जाते हैं, जो मेकअप करने के दौरान त्वचा के रोमछिद्रों को बंद कर देते हैं। इस से मेकअप त्वचा के अंदर नहीं जा पाता और पसीना या पानी उसे बहा नहीं पाता है। वाटरप्रूफ मेकअप की सब से खास बात यह होती है कि यह चाय, काफी आदि पीने से भी खराब नहीं होता है। इस तरह के मेकअप प्रोडक्ट्स से मेकअप करते समय त्वचा को वाटरप्रूफ करने की जरुरत नहीं रहती है। वाटरप्रूफ मेकअप प्रोडक्ट्स में क्रीम, लिपस्टिक, फेस बेस, रूज, मस्कारा और काजल जैसी ढेर सारी चीजें अब बाजार में मिलने लगी हैं।

जरा सावधान रहें

वाटरप्रूफ मेकअप प्रोडक्ट्स सिलिकोन का प्रयोग कर के बनाए जाते हैं। इन में प्रयोग होने वाला डाइनोथिकोन आयल त्वचा को चमकदार बनाता है। यह वाटरप्रूफ मेकअप को आसानी से फैलने में मदद करता है, लेकिन वाटरप्रूफ के जहां तमाम फायदे हैं, वहीं इस के साथ कुछ खराबियां भी हैं, जिन्हें जान लेना जरूरी होता है। वाटरप्रूफ मेकअप को हटाने के लिए पानी का प्रयोग ही काफी नहीं होता है। इस को हटाने के लिए बेबी आयल या फिर सिलिकोन आयल का प्रयोग करना होता है। वाटरप्रूफ मेकअप का प्रयोग त्वचा पर खराब प्रभाव डालता है। इस से त्वचा को नुकसान पहुंचता है। त्वचा पर इन्फैक्शन हो जाता है। ज्यादा प्रयोग करने से समय से पहले त्वचा पर झुर्रियां भी पड़ने लगती हैं। वाटरप्रूफ मेकअप का प्रयोग खास अवसरों पर ही करें, रोज इस का प्रयोग न करें।

डेली मेकअप

बारिश के दिनों में फाउंडेशन का इस्तेमाल करना सुरक्षित नहीं होता है। कॉम्पैक्ट पाउडर के जरीए मैट लुक सब से बेहतर विकल्प है। फाउंडेशन की जगह फेस पाउडर का इस्तेमाल करें। कॉम्पैक्ट के साथ हलका मेकअप करें। इस से पूरा फेस भी कवर हो जाएगा और वह तैलीय भी नहीं दिखेगा। लाइलैक ब्लौसम और प्रीसियस पिंक कलर के परिधान के साथ सौफ्ट पिंक और डीप रास्पबैरी लिपस्टिक बेहतर रहेगी। काजल के इस्तेमाल से आंखों को खूबसूरत बनाएं। लाइलैक ब्लौसम और प्रीसियस पिंक कलर के परिधान के साथ सौफ्ट पिंक और डीप रास्पबैरी लिपस्टिक बेहतर रहती है। अपनी आंखों को ऐटिटयूड काजल से हाईलाइट करें।

पार्टी मेकअप

मानसून सीजन के दौरान चेहरे को ब्लशर के हलके प्रयोग से निखारें। अगर आप भीग जाती हैं तो चेहरे को टिशू पेपर से सुखा लें। टिशू पेपर को पूरे चेहरे पर न मलें। गालों पर ब्लशर को बाहर की तरफ ब्लैंड करें। हलके रंगों का ज्यादा इस्तेमाल करें। क्रीम की जगह पाउडर्ड आईशैडो का प्रयोग करें। यह चेहरे पर आईशैडो को फैलने से रोकेगा। अगर आप मसकारे का इस्तेमाल करना चाहती हैं, तो वाटर रैसिस्टैंस मसकारे का इस्तेमाल करें ताकि भारी बारिश में भी वह सुरक्षित रहे। मानसून के दौरान लिक्विड आईलाइनर की जगह पैंसिल आईलाइनर का इस्तेमाल करें।

बालों का रखें ख्याल

मौसम में नमी के कारण पसीना ज्यादा बहता है जिस वजह से स्कैल्प तैलीय हो जाती है और बाल चिपचिपे हो जाते हैं। लगातार मौसम में नमी और शरीर से पसीना आने की वजह से सिर बिल्कुल चिपचिपी हो जाती है जिस वजह से सिर की त्वचा पर जीवाणु और फंगस अपना घर बना लेते हैं। पर्यावरण प्रदूषण भी हवा के द्वारा सिर और बालों पर चिपक जाते हैं जो कि पहले से ही चिकनापन लिए होते हैं।

हेयर केयर के लिए टिप्स

अपनी सिर को बिल्कुल सूखा रखने की कोशिश करें। मानसून में अपने बालों को हर रोज शैंपू करें क्योंकि इस समय पसीना ज्यादा बहता है। माइल्ड शैंपू का प्रयोग सही रहेगा। बालों के हिसाब से कंडीशनर चूज करें। ऑयली बालों के लिए लाइट कंडीशनर और सूखे बालों के लिए जरा सा स्ट्रांग कंडीशनर अच्छा होता है। अपने आप को हाइड्रेट रखने के लिए खूब सारा पानी पिएं और फलों का जूस। इस समय बालों का झड़ना आम बात है, तो ऐसे में बिल्कुल भी ना घबराएं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**